



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 216]

नई दिल्ली, सोमवार, अगस्त 17, 2015/श्रावण 26, 1937

No. 216]

NEW DELHI, MONDAY, AUGUST 17, 2015/SRAVANA 26, 1937

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 17 अगस्त, 2015

(अंतिम जांच परिणाम)

विषय : चीन जन.गण., मलेशिया, थाईलैंड और श्रीलंका में उद्भवित अथवा वहां से निर्यातित सादा मध्यम घनत्व के फाइबर बोर्ड के आयातों पर अधिरोपित पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा (एसएसआर)

क. मामले की पृष्ठभूमि

सं.15/28/2013-डीजीएडी : यतः, समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात अधिनियम कहा गया है) और सीमाशुल्क प्रशुल्क (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतदपश्चात पाटनरोधी नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे एतदपश्चात पाटनरोधी नियमावली कहा गया है) ने चीन जन.गण., मलेशिया, न्यूजीलैंड, थाईलैंड और श्रीलंका में उद्भवित अथवा वहां से निर्यातित “सादा मध्यम घनत्व के फाइबर बोर्ड” (जिसे एतदपश्चात संबद्ध वस्तु कहा गया है) के आयातों से संबंधित मूल जांच की शुरुआत दिनांक 06 जून, 2008 की अधिसूचना संख्या 14/12/2007-डीजीएडी के तहत प्रारंभ की थी। प्राधिकारी ने चीन जन.गण., मलेशिया, थाईलैंड और श्रीलंका (जिन्हें एतदपश्चात संबद्ध देश कहा गया है) में उद्भवित अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने की केंद्रीय सरकार से सिफारिश करते हुए अपना अंतिम जांच परिणाम दिनांक 26 अगस्त, 2009 की अधिसूचना संख्या 14/12/2007-डीजीएडी के तहत जारी किया था। केंद्रीय सरकार ने संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर निर्णायक पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण दिनांक 08 अक्तूबर, 2009 की वित्त अधिसूचना सं.116/2009-सीमाशुल्क के तहत किया था।

2. यतः, अधिनियम और नियमावली में उल्लिखित शर्तों के अनुसार अधिरोपित पाटनरोधी शुल्क, यदि उसका पहले प्रतिसंहरण नहीं कर दिया जाता है तो ऐसे अधिरोपण की तारीख से पांच वर्ष की अवधि समाप्त होने के पश्चात निष्प्रभावी हो जाएगा।

3. और यतः, प्राधिकारी को ऐसा उपाय के समाप्त होने की तारीख से पहले एक तर्कसंगत समयावधि के अंदर घरेलू उद्योग द्वारा अथवा घरेलू उद्योग की ओर से विधिवत साक्ष्यांकित अनुरोध किए जाने के आधार पर यह समीक्षा करना समीचीन होता है कि क्या शुल्क की समाप्ति होने से पाटन एवं क्षति की निरंतरता बने रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है।

4. यतः, मैसर्स ग्रीनप्लाई इंडस्ट्रीज लिमिटेड और मंगलम टिम्बर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (जिन्हें एतद्पश्चात् आवेदक अथवा याचिकाकर्ता कहा गया है) जो सादा मध्यम घनत्व के फाइबर बोर्ड के भारत में प्रमुख उत्पादक हैं प्राधिकारी के समक्ष एक विधिवत साक्ष्यांकित आवेदनपत्र संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर पहले से अधिरोपित पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा करने का अनुरोध करते हुए और संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क की निरंतरता बनाए रखने की मांग करते हुए दायर किया है। यह अनुरोध इस आधार पर आधारित था कि संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण होने के बावजूद पाटन की निरंतरता बनी हुई है और संबद्ध देशों से पाटन होने के कारण घरेलू उद्योग को निरंतरता क्षति सहन करनी पड़ रही है क्योंकि प्रभावी पाटनरोधी शुल्क का स्वरूप और उसकी प्रमात्रा अपर्याप्त है। आवेदनकर्ताओं ने पुनः यह तर्क दिया है कि संबद्ध देशों के विरुद्ध इस साधन को समाप्त कर देने से पाटन एवं घरेलू उद्योग को क्षति की निरंतरता बने रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की पूरी संभावना है। आवेदकों ने उन अन्य कंपनियों की पहचान की है सादा मध्यम घनत्व के फाइबर बोर्ड का विनिर्माण करने की क्षमता है, उनके नाम हैं रुशिल डेकोर लिमिटेड, शिरडी इंडस्ट्रीज लिमिटेड, बालाजी एक्शन बिल्डवेल और न्यूकेम लिमिटेड। इसके आगे उन्होंने यह भी उल्लेख किया है कि न्यूकेम लिमिटेड तथा एक अन्य कंपनी नामशः बालाजी इको टेक प्रोडक्ट्स लिमिटेड अब संबंधित उत्पाद का उत्पादन नहीं कर रही हैं।

5. आवेदक द्वारा घरेलू उद्योग के रूप में दायर पाटन एवं क्षति के प्रथम दृष्टया पर्याप्त साक्ष्य युक्त विधिवत साक्ष्यांकित आवेदनपत्र को ध्यान में रखते हुए और पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के साथ पठित अधिनियम की धारा 9क(5) के अनुसार प्राधिकारी ने संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के संबंध में पाटनरोधी शुल्क की निरंतरता बनाए रखने की जरूरत की समीक्षा करने और यह जांच करने के लिए कि क्या उक्त शुल्क को समाप्त कर देने से पाटन और घरेलू उद्योग को क्षति की निरंतरता बने रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है, दिनांक 18 फरवरी, 2014 की अधिसूचना संख्या 15/28/2013-डीजीएडी के तहत एक निर्णायक समीक्षा जांच की शुरुआत की है।

6. वर्तमान समीक्षा के दायरे में संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के पाटन और उसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को क्षति से संबंधित विगत जांच के सभी पहलू शामिल होंगे।

ख. प्रक्रिया

7. इस जांच में अधोलिखित वर्णित प्रक्रिया का अनुपालन किया गया है।

- (i) प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुसार जांच की कार्यवाही प्रारंभ करने से पहले संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के पाटन का आरोप लगाते हुए आवेदनपत्र की प्राप्ति के संबंध में संबद्ध देश के भारत स्थित राजदूतावासों को सूचना प्रेषित की।
- (ii) प्राधिकारी ने संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों के संबंध में पाटनरोधी निर्णायक समीक्षा जांच की शुरुआत करते हुए भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित दिनांक 18 फरवरी, 2014 की सार्वजनिक सूचना संख्या 15/28/2013-डीजीएडी जारी किया।
- (iii) प्राधिकारी ने इस सार्वजनिक सूचना की एक प्रति के साथ एक पत्र सभी ज्ञात निर्यातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों/उद्योग एसोसिएशनों (जिनका विवरण घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराया गया था) को प्रेषित किया और पाटनरोधी नियमावली के अनुसार निर्धारित समय सीमा के अंदर अपने विचारों से लिखित रूप से अवगत कराने का अवसर प्रदान किया।
- (iv) प्राधिकारी ने आवेदनपत्र के अगोपनीय पाठ की एक प्रति संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों और भारत में संबद्ध देशों के राजदूतावासों को पूर्वोक्त नियमावली के नियम 6(3) के अनुसार प्रदान कराई। आवेदनपत्र के अगोपनीय पाठ की एक प्रति सार्वजनिक फाइल में भी उपलब्ध कराई गई और अनुरोध करने पर उसे अन्य हितबद्ध पक्षकारों को भी प्रदान कराई गई।
- (v) संबद्ध देशों के निर्यातकों/उत्पादकों को प्रेषित पत्र और निर्यातक प्रश्नावली की एक प्रति संबद्ध देशों के भारत स्थित राजदूतावासों को भी ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों की सूची सहित इस अनुरोध के साथ प्रेषित की गई कि वे संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों तथा संबद्ध देशों के अन्य उत्पादकों/निर्यातकों को भी यह सुझाव दे कि वे इन

प्रश्नावलियों का प्रत्युत्तर नियम 6(2) और 6(4) के अनुसार इस पत्र के जारी होने की तारीख से एक विहित समय-सीमा के अंदर प्रदान कराएं।

(vi) प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुसार संबद्ध देशों के निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को निर्यातक प्रश्नावली संगत सूचना प्रदान करने के लिए प्रेषित की :

- i. मैसर्स टामरिच इंटरनेशनल ट्रेडिंग लिमिटेड, शंघाई, चीन जन.गण.
- ii. मैसर्स नान्जिंग ईटीएआई ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण.
- iii. मैसर्स लिन्यी बैडेली इंटरनेशनल ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण.
- iv. मैसर्स लिन्यी होंगफु टिम्बर कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण.
- v. मैसर्स वेन्ज़ोऊ टिम्बर ग्रुप कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण.
- vi. मैसर्स शौगुआंग गुइहे इकोनामिक एंड ट्रेड कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण.
- vii. मैसर्स झान्जियांग किंगस्टार बिल्डिंग मटीरियल कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण.
- viii. मैसर्स गुआंगडांग वीहुआ होल्डिंग कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण.
- ix. मैसर्स लिन्यी बैडेली इंटरनेशनल ट्रेड कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण.
- x. मैसर्स सनलांग एमडीएफ – बोर्ड कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण.
- xi. मैसर्स शंघाई सिंडो पैनल कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण.
- xii. मैसर्स शुयांग न्यू कंसेप्ट वुड कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण.
- xiii. मैसर्स शौगुआंग वांडा वुड इंडस्ट्री, चीन जन.गण.
- xiv. मैसर्स डोंग्वहा फायर बोर्ड एसडीएन बीएचडी मलेशिया
- xv. मैसर्स डायकेन सारावाक बीडीएच एसडी मलेशिया
- xvi. मैसर्स एवरग्रीन फाइबर, बेरहाद (जेबी) एसडीएन, बीएचडी
- xvii. मैसर्स एवरग्रीन फाइबर बेरहाद (ईएफबी)
- xviii. मैसर्स रोबिन रिसोर्सेस (मलेशिया) एसडीएन बीएचडी, मलेशिया
- xix. मैसर्स सेगामत पैनल बोर्ड एसडीएन बीएचडी, मलेशिया
- xx. मैसर्स एडवांस फाइबर कंपनी, थाईलैंड
- xxi. मैसर्स खोन कैन एमडीएफ बोर्ड, थाईलैंड
- xxii. मैसर्स वनचाइ पैनल इंडस्ट्रीज कंपनी लिमिटेड, थाईलैंड
- xxiii. मैसर्स सिआम फाइबर बोर्ड कंपनी लिमिटेड, थाईलैंड
- xxiv. मैसर्स मेट्रो फाइबर कंपनी लिमिटेड, थाईलैंड
- xxv. मैसर्स वनचाइ ग्रुप पब्लिक कंपनी लिमिटेड, थाईलैंड
- xxvi. मैसर्स मेट्रो एमडीएफ कंपनी लिमिटेड, थाईलैंड
- xxvii. मैसर्स मेरबाक एमडीएफ लंका प्राइवेट लिमिटेड, श्रीलंका

- (vii) मलेशिया और श्रीलंका के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों/व्यापारियों से निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर के साथ-साथ विधिक प्रस्तुतिकरण भी प्राप्त हुए :
- क. मैसर्स मेरबाक एमडीएफ लंका (प्राइवेट) लिमिटेड, श्रीलंका
 - ख. मैसर्स डोंग्वहा एमडीएफ (एम) एसडीएन बीएचडी, मलेशिया
 - ग. मैसर्स डोंग्वहा ग्लोबल सेल्स एसडीएन बीएचडी, मलेशिया
 - घ. मैसर्स रोबिन रिसोर्सेस (मलेशिया) एसडीएन बीएचडी, मलेशिया
- (viii) प्राधिकारी ने इस सार्वजनिक सूचना की एक प्रति भारत में इस संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/उपभोक्ताओं को (जिनके नाम और पते प्राधिकारी को आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए थे) प्रेषित की और उन्हें सुझाव दिया कि वे नियम 6(4) के अनुसार विहित समय सीमा के अंदर अपने विचारों से लिखित रूप में अवगत कराएं :
- i. प्लाई प्वाइंट, केरल
 - ii. जैक्सन वेनीर्स एंड पैनल्स प्राइवेट लिमिटेड, केरल
 - iii. लेबल सेल्स कारपोरेशन, केरल
 - iv. कलिंग इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड, केरल
 - v. श्रीवारी ट्रेडर्स तमिलनाडु
 - vi. विक्टरी प्लाइवुड डिस्ट्रीब्यूटर्स, केरल
 - vii. थामरापल्ली ब्रदर्स, केरल
 - viii. मैथ्यूसन्स एक्सपोर्ट्स एंड इम्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड केरल
 - ix. आर जे मेटल्स, केरल
 - x. फेरोक बोर्ड्स लिमिटेड, केरल
 - xi. कृष्णा प्लाईवुड्स तमिलनाडु
- (ix) थामरापल्ली ब्रदर्स ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड कोच्चि ने आयातक के रूप में प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर किया।
- (x) वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ जांच की अवधि (पीओआई) दिनांक 01 अक्टूबर, 2012 से 30 सितम्बर, 2013 है। तथापि, क्षति विश्लेषण के संबंध में प्रवृत्तियों की जांच वित्तीय वर्ष 2010-2011, 2011-2012, 2012-13 और जांच की अवधि को भी की जाएगी।
- (xi) जांच की अवधि और पिछले तीन वर्षों के आयात आंकड़े वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से प्राप्त किए गए हैं और वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ उन्हीं आंकड़ों को अपनाया गया है।
- (xii) उन निर्यातकों, उत्पादकों, आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को, जिन्होंने प्राधिकारी को न तो कोई प्रत्युत्तर दिया है और न ही इस जांच से संगत कोई सूचना प्रदान की है, प्राधिकारी द्वारा असहयोगकर्ता हितबद्ध पक्षकार के रूप में माना गया है।
- (xiii) प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्य के अगोपनीय पाठ की प्रति को नियमानुसार सभी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण के लिए एक सार्वजनिक फाइल में कराया गया।
- (xiv) प्राधिकारी ने घरेलू उत्पादकों द्वारा प्रदान कराई गई सूचना की नियमावली के अनुबंध-III में निर्धारित दिशानिर्देशों के आधार पर आवश्यक समझी गई सीमा तक विचार किया है और भारत में इस संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत एवं

गैर-क्षतिकारी कीमत का निर्धारण किया है जिससे कि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से न्यूनतर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा।

- (xv) नियमावली के अनुसार प्राधिकारी ने दिनांक 31 अक्टूबर, 2014 को आयोजित एक सार्वजनिक सुनवाई में सभी हितबद्ध पक्षकारों को अपने विचार मौखिक रूप से व्यक्त करने का अवसर प्रदान किया। इस सुनवाई में भाग लेने वाले सभी हितबद्ध पक्षकारों से यह अनुरोध किया गया कि वे मौखिक रूप से अभिव्यक्त अपने विचारों का लिखित प्रस्तुतिकरण/प्रति प्रस्तुतिकरण भी करें। तथापि, मौखिक सुनवाई और आकस्मिक प्रशासनिक अपेक्षा के कारण, दिनांक 03.08.2015 को प्रकटन विवरण जारी होने के पश्चात एक नए अधिकारी को निर्दिष्ट प्राधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया। इस विकास से आटोमोटिव टायर मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन (एटीएमए) बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी के मामले में, सिविल अभियाचन संख्या वर्ष 2006 की 949 में एक डिबीजन बेंच द्वारा दिनांक 07.01.2011 को दिए गए माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय के अनुसार नए निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा नई सार्वजनिक सुनवाई का आयोजन किया जाना आवश्यक हो गया। इसलिए, नए निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा दिनांक 07.08.2015 को एक नई मौखिक सुनवाई का आयोजन किया गया। इस सुनवाई में भाग लेने वाले सभी हितबद्ध पक्षकारों से पुनः अनुरोध किया गया कि वे मौखिक रूप से अभिव्यक्त अपने विचारों का लिखित प्रस्तुतिकरण/प्रत्युक्ति प्रस्तुत करें।
- (xvi) इस जांच की कार्यवाही के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरणों की जांच की गई है और उनका इस जांच में संगत पाई गई सीमा तक समाधान कर दिया गया है।
- (xvii) हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदान कराई गई सूचना की उस गोपनीयता की पर्याप्तता के दावे के संबंध में जांच की गई। संतुष्ट होने पर, प्राधिकारी ने, जहां कहीं अधिपत्रित हुआ, गोपनीयता के दावे को स्वीकार कर लिया है और ऐसी सूचना को गोपनीय के रूप में माना गया है तथा उसका अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकटन नहीं किया गया है। जहां कहीं संभव हुआ, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान कराने वाले पक्षकारों को यह निदेश दिया गया है कि वे गोपनीय आधार पर दायर की गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय पाठ भी प्रदान कराएं।
- (xviii) जहां कहीं किसी हितबद्ध पक्षकार ने वर्तमान जांच की कार्यवाही के दौरान आवश्यक सूचना तक पहुंच करने की मनाही की है अथवा अन्यथा आवश्यक सूचना प्रदान नहीं कराई है अथवा इस जांच में भारी अवरोध उत्पन्न किया है वहां प्राधिकारी ने अपने विचार/पर्यवेक्षणों को “उपलब्ध तथ्यों” के आधार पर रिकार्ड किया है और ऐसे पक्षकार को असहयोगकर्ता पक्षकार के रूप में माना गया है।
- (xix) घरेलू उद्योग तथा प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना और आंकड़ों का आवश्यक समझी गई सीमा तक सत्यापन किया गया है।
- (xx) केंद्रीय सरकार ने प्राधिकारी ने अनुरोध पर यह जांच पूरी करने की समयावधि दिनांक 17.08.2015 तक बढ़ा दी है।
- (xxi) इस जांच के अनिवार्य तथ्यों युक्त एक प्रकटन विवरण, जो इस अंतिम जांच परिणाम के आधार के रूप में होगा, सभी हितबद्ध पक्षकारों को दिनांक 03.08.2015 को जारी किया गया। तथापि, नए निर्दिष्ट प्राधिकारी की नियुक्ति होने के पश्चात दिनांक 11.08.2015 को एक नया प्रकटन विवरण जारी किया गया और हितबद्ध पक्षकारों ने इस प्रकटन विवरण के संबंध में अपनी टिप्पणियां पुनः प्रस्तुत कीं।
- (xxii) इस अंतिम जांच-परिणाम अधिसूचना में *** हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना का प्रतिनिधित्व करता है और प्राधिकारी ने भी उसे नियमों के अंतर्गत वैसा ही माना है।
- (xxiii) इस जांच की अवधि के लिए विनिमय दर को प्राधिकारी द्वारा 56.89/-रुपए = 1 यूएस डालर के रूप में लिया गया है।

ग. विचाराधीन उत्पाद तथा समान वस्तु का दायरा

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण

- (i) वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद चीन जन.गण., मलेशिया, थाईलैंड और श्रीलंका के मूल का अथवा वहां से निर्यातित 6एमएम अथवा उससे अधिक की मोटाई का सादा मध्यम घनत्व का फाइबर बोर्ड है।

- (ii) वर्तमान जांच पाटनरोधी शुल्क का सतत अधिरोपण करने के लिए एक निर्णायक समीक्षा जांच है। इसलिए, विचाराधीन उत्पाद वही रहेगा जो मूल जांच में था।
- (iii) इस उत्पाद का उत्पादन दो प्रकार से किया जाता है, अर्थात् सादा और लैमिनेटेड। इस एमडीएफ बोर्ड को पुनः लैमिनेटेड एमडीएफ बोर्ड प्राप्त करने के लिए मुलम्मा द्वारा पेंटेड और लैमिनेटेड किया जाता है। वर्तमान याचिका के उत्पाद दायरे में लैमिनेटेड एमडीएफ बोर्ड शामिल नहीं है।
- (iv) तख्ता वुड, पार्टिकल बोर्ड अथवा उच्च घनत्व वाले फाइबर बोर्ड की तुलना में एमडीएफ के कई फायदे होते हैं। यह बहुत चिकना (स्मूथ) होता है क्योंकि इसका विनिर्माण करने में प्रयोग किए जाने वाले लकड़ी के फाइबर एकसम तथा फाइन होते हैं। इससे इसके टूटने-फूटने का कम अवसर होता है, इसका आशय यह है कि इस पर जब आरा चलाया जाता है तो इसका सिरा ऊबड़-खाबड़ होने के बजाय चिकना बना रहता है। इसका अभिप्राय यह भी होता है कि इस पर प्राइमर का एक कोट और पेंट के कई कोट आसानी से चढ़ाए जा सकते हैं जिससे यह आकर्षक सम तल वाला बन जाता है जबकि अन्य कम्पोजिट वुड उत्पाद ऐसे नहीं बन पाते हैं। एमडीएफ नमी के प्रति भी संयत अनुक्रिया करता है, इसका आशय यह है कि बाथरूम कैबिनेट जैसे उच्च आर्द्रता वाले अनुप्रयोगों में भी यह संवलित नहीं होता अथवा फूलता नहीं है।
- (v) एमडीएफ का प्रयोग कैबिनेट बनाने से लेकर मोड़ने तक कई अनुप्रयोगों के लिए उपयुक्त होता है, क्योंकि यह चिकना एवं सम होता है तथा यह संवलित नहीं होता है। भवन निर्माता एमडीएफ का प्रयोग कई क्षमताओं से करते हैं जैसे फर्नीचर बनाने, अलमारी बनाने, लैमिनेटेड फर्श विछावन बनाने, सजावटी मोड़ मोड़ने और दरवाजे बनाने आदि। वे एमडीएफ का मान ध्वनि और ताप में इसकी द्विपीय (इन्सुलर) क्वालिटी के लिए करते हैं। इसके अतिरिक्त, इसमें कील ठोकी जा सकती है, गोंद से इसे चिपकाया जा सकता है, इसमें पेंच लगाए जा सकते हैं, इसे स्टेपल किया जा सकता है अथवा इसे गिट्टी से जोड़ा जा सकता है और इसे प्लैंक वुड पर मुक्तदोली के रूप में प्रयोग किया जा सकता है। सामान्यतः, एमडीएफ से काम करने वाले व्यक्ति हवा द्वारा उत्पन्न धूल की मात्रा को कम करने के लिए वैकुअम (रिक्थ) से जुरी कार्बाइड आरी का प्रयोग करते हैं।
- (vi) पुनर्निर्मित अथवा इंजीनियरी से बनाए गए लकड़ी के उत्पाद जैसे एमडीएफ अक्सर पृष्ठावरण अथवा लैमिनेट से आच्छादित होते हैं। विनायल अथवा रियल वुड की पतली परत एमडीएफ को विशेषकर इसके दृष्टिगोचर किनारे पर, छुपा देती है। कुछ व्यक्ति नियमित इमारती लकड़ी की तुलना में एमडीएफ का प्रयोग करने को अधिमानता देते हैं क्योंकि इसका पर्यावरण पर कम प्रभाव पड़ता है। एमडीएफ को पूरा तरह से खराब (अवशिष्ट) लकड़ी अथवा बेकार पड़ी कतरनों से बनाया जाता है जिसका कहीं अन्यत्र प्रयोग नहीं किया जा सकता है। इस आकर्षण से ही मकान मालिकों में यह लोकप्रिय हो गया है। अब यह न केवल ठेकेदारों को बल्कि गृह सुधार केंद्रों और काष्ठ भंडारों को भी शीट्स के रूप में आम आदमी को उपलब्ध है।
- (vii) एमडीएफ का भारी मात्रा में उत्पादन 1980 में प्रारंभ हुआ। इसका नाम फाइबर बोर्ड के घनत्व में अंतर से व्युत्पन्न किया गया है। एमडीएफ का घनत्व अभिलक्षक रूप से 600-800 किलोग्राम घनमीटर होता है, जबकि पार्टिकल बोर्ड का घनत्व (160-450 किलोग्राम घन मीटर) होता है तथा उच्च घनत्व वाले फाइबर बोर्ड का घनत्व (800-1450 किलोग्राम घन मीटर) होता है। सभी प्रकार का फाइबर बोर्ड बनाने के लिए एक समान प्रक्रिया अपनाई जाती है।
- (viii) एमडीएफ को कस्टमवुड या क्राफ्टवुड के नाम से भी जाना जाता है।
- (ix) एमडीएफ लकड़ी पर आधारित पैनलों की चार प्रमुख श्रेणियों - लैमिनेटेड बोर्ड, पार्टिकल बोर्ड, फाइबर बोर्ड और ओरियंटल स्ट्रैंड बोर्ड में से एक है। इन विभिन्न प्रकार के बोर्डों में अंतर कच्चे माल के रूप में प्रयोग की गई लकड़ी का संपरिवर्तन मुलम्मा, कणिकाओं (पार्टिकल्स) और फाइबर्स में करने के स्तर द्वारा किया जाता है। एमडीएफ एक प्रकार का फाइबर बोर्ड होता है जिसे लकड़ी अथवा अन्य लिग्नोसेल्युलोजिक सामग्रियों का प्रयोग करके किया जाता है, इसे फाइबर्स में रिफाइन किया जाता है, और फिर रेजिन वाइंडर (ग्ल्यु) से फिर से जोड़ा जाता है, यह सभी कार्य उच्च तापमान में निष्पादित किए जाते हैं। एमडीएफ का उत्पादन करने के लिए प्रयोग की जाने वाली लकड़ी किसी भी रूप में, किसी भी प्रजाति की और वह लगभग किसी भी तरह का मिश्रण हो सकती है जैसे न्यून ग्रेड वाली लकड़ी की प्रजाति, शाखाएं, कम व्यास वाले वृक्ष, हार्डवुड, साफ्टवुड, मिल की अपशिष्ट और वानिकी अपशिष्ट के चिप्स, कुछ भी हो सकता है। इस कारण, कच्चे माल की पुनर्प्राप्ति दर लगभग 100 प्रतिशत है।
- (x) एमडीएफ में तैयार बोर्ड में कच्चे माल के रूप में प्रयोग की गई लकड़ी की अलग-अलग पहचान नहीं की जा सकती है। यह फाइबर बनाने की प्रक्रिया के कारण ऐसा होता है। एमडीएफ का समांगी स्ट्रक्चर (ढांचा) होता है, जिसका

- तंतु विन्यास एक समान होता है और संपूर्ण एमडीएफ में इसके अभिलक्षण समान होते हैं। किनारे पर, इसके अंत में अथवा सामने कोई ऐसा दाना या कोई ऐसी गांठ नहीं होती है जिसके आधार पर इसे पहचाना जा सके अथवा आंतरिक रूप से भी कोई ऐसी रिक्ति, कोई ऐसा गर्त अथवा सतह की सख्ती में कोई ऐसा अंतर नहीं होता है जिसके आधार पर इसे अभिज्ञात किया जा सके।
- (xi) एमडीएफ को मशीन से काटना, प्राकृतिक लकड़ी को मशीन से काटने की तुलना में काफी आसान होता है और किसी भी फिनिश के बोर्ड का उत्पादन करने के लिए इसे लैमिनेट या पेंट किया जा सकता है। इसे आरी से काटकर आसानी से और समान रूप से कोई भी आकार दिया जा सकता है - यह एक ऐसी प्रक्रिया है जिसे पार्टिकल बोर्ड में समान रूप से नहीं किया जा सकता है। एमडीएफ में प्राकृतिक लकड़ी के किसी भी अन्य उत्पाद की तरह ही, कील ठोकी जा सकती है, उसे स्टैपल किया जा सकता है, रूट किया जा सकता है, छोटे-छोटे टुकड़ों में काटा जा सकता है अथवा पेंच लगाए जा सकते हैं। इसके यांत्रिक एवं भौतिक लक्षण ऐसे होते हैं कि इसे ठोस लकड़ी के स्तर के बराबर माना जा सकता है और इसके कई अनुप्रयोगों में इसका प्रयोग ठोस लकड़ी के स्थानापन्न के रूप में किया जा सकता है। रबड़ वुड एमडीएफ विशेष तौर पर हल्के रंग का होता है जिसके कारण इसे पेंट करना आसान होता है और बहुत ही पतले लैमिनेट्स में इसका अनुप्रयोग किया जा सकता है, इससे इसके नीचे लगे बोर्ड का रंग इस लैमिनेट को गहरे रंग का नहीं बनाता है।
- (xii) तनु एमडीएफ बोर्ड प्लाईवुड के आदर्श विकल्प होते हैं। फर्नीचर में इसके जो व्यावहारिक प्रयोग किए जाते हैं, उनमें शामिल हैं ड्रायर बाटम, कैबिनेट के पृष्ठभाग और फ्रेम किए गए दरवाजों में सेंटर पैनल। भवन की आंतरिक सज्जा में एमडीएफ का प्रयोग दीवाल और छत की पैन्लिंग करने, फ्लश दरवाजों के लिए स्किन के रूप में, पार्टीशन करने, कार्यालयों के स्क्रीन बनाने, हल्के वजन के दरवाजे और प्रदर्शन पैनल बनाने के लिए किया जा सकता है। एमडीएफ की बाजार बाह्य अनुप्रयोगों में भी जोर पकड़ रही है। अब पतले एमडीएफ का प्रयोग कुछ आदर्श अनुप्रयोगों में भी किया जाता है जैसे पदत्राण (शू) निर्माण, मोटर वाहन के आंतरिक हिस्सों, खिलौनों, मुद्रित परिपथ बोर्ड उत्पादन और बिजली से चलने वाले पंखों के ब्लेड बनाने में भी इसका प्रयोग होने लगा है। उत्तम क्वालिटी की ध्वनि अवरोधक विशेषता होने के कारण अब एमडीएफ का प्रयोग हाई-फाई उपकरणों के निर्माण में भी सफलतापूर्वक किया जा रहा है।
- (xiii) मोटे एमडीएफ बोर्ड का प्रयोग वास्तुकला संबंधी तत्वों का निर्माण करने के लिए भी किया जा रहा है जैसे कालमों और आर्कवेज का निर्माण करना जहां एमडीएफ के संवलन प्रतिरोधन, मरोड़ी स्थिरता, पेंच को जकड़ कर रखने की क्षमता और सिरों को परिष्कृत कर सकने के इसके लक्षण ठोस लकड़ी का एक अच्छा स्थानापन्न बनाते हैं। मोटे एमडीएफ का प्रयोग पृष्ठावरणों से पैनल बनाने, प्रिंटेड सरफेसेस, विनायल और अल्प दबाव वाले लैमिनेटों के लिए भी किया जाता है क्योंकि यह अपनी विमितीय स्थिरता और अपने चिकनेपन को बनाए रखता है। मोटे एमडीएफ का प्रयोग फर्नीचर बनाने में भी व्यापक तौर पर किया जा सकता है जैसे मेज, कैबिनेट, खिड़कियां, दरवाजे, फ्रेम, हस्तशिल्प की मदें, प्रदर्शन या डिस्प्ले स्टैंड्स और साइन बोर्ड, छत, खिलौन, कार्विंग, पार्टीशनिंग, मैरीटाइम अनुप्रयोगों और शैक्षिक उपकरण बनाने आदि में भी किया जाता है। मोटे एमडीएफ का प्रयोग व्यापक रूप से फर्श बिछावन और दीवाल पर पैनल बनाने और फ्वाइल से कवर किए हुए मोल्लिंग्स बनाने के लिए लैमिनेटेड अथवा पृष्ठावरण चढ़े काष्ठ उत्पादों के लिए आधारभूत सामग्री के रूप में भी किया जाता है।
- (xiv) एमडीएफ को लगभग किसी भी आकार में ढाला जा सकता है। एमडीएफ आमतौर पर 18 फीट की लंबाई तक उपलब्ध होता है और इस कारण से यह फिनिश अंतर्सज्जा मोल्लिंग्स बनाने के लिए एक उत्कृष्ट सामग्री है। एमडीएफ में चिपकने (वांडिंग) की अच्छी क्षमता होती है और यह दबाव प्रतिरोधी होता है और इसलिए इसे कई गौण प्रक्रियाओं का प्रयोग करके फर्श बिछावन, पार्टीशन करने और टेबल टाप बनाने के लिए आसानी से किया जा सकता है। एमडीएफ की पूर्ण बहुविजता का प्रयोग किया जाना अभी भी बाकी है।
- (xv) सादा मध्यम घनत्व के फाइबर बोर्ड को सामान्यतः स्टैंडर्ड आकार में उत्पादित किया जाता है और उसकी बिक्री की जाती है और इस प्रयोग उपयोगकर्ता की जरूरत के अनुसार साइज में काटकर और डिजाइन बनाकर किया जाता है। वह स्टैंडर्ड मोटाई जिसमें इसका उत्पादन और बिक्री की जाती है। 4 एमएम, 5 एमएम, 9 एमएम, 12 एमएम, 15 एमएम, 18 एमएम, 25 एमएम होती है और इसका स्टैंडर्ड आकार 8' X 4' होता है। तथापि, इसका उत्पादन उपभोक्ता की जरूरत के मुताबिक किसी भी आकार में किया जा सकता है।
- (xvi) इस संबद्ध वस्तु का प्रयोग भवन एवं निर्माण, फर्नीचर, औद्योगिक हस्तशिल्प प्रयोजनों आदि के लिए किया जाता है। इस संबद्ध वस्तु के प्रमुख अनुप्रयोग निम्नलिखित हैं :

- क. भवन एवं निर्माण : पार्टीशन पैनेल, इन्सर्ट्स, पैनेल डोर्स और फ्लश डोर्स शटर्स के लिए पैनेल इन्सर्ट्स, कैविटी फ्लोरिंग, छत निर्माण, फर्शबिछावन, पैनेलिंग, दरवाजे, मोल्डिंग, कार्निसेस, पेल्लेट्स, स्कर्टिंग आदि।
- ख. फर्नीचर : माड्यूलर फर्नीचर, कम्प्यूटर टेबल्स, वर्क स्टेशन्स, अलमारी के शटर्स, प्राथमिक विद्यालयों के लिए डुअल डेस्क, टी वी कैबिनेट आदि।
- ग. औद्योगिक : लैमिनेट सबस्ट्रेट, वैज्ञानिक उपकरण, संगीत उपकरण, लेखन सामग्री मर्दे, कार्यालय उपकरण, स्पीकर के बाक्स, फ्रिज और सिलाई मशीन के टाप, पैकेज, जूते की तली, खिलौन, खेलकूद का सामान, पूल टेबल्स, कट-आउट्स, फोटो लैमिनेशन बेस, इंजीनियरिंग ड्राइंग बोर्ड, दीवार घड़ियों के कैबिनेट, पैकिंग के लिए पैलेट बाक्स, मोल्ड और डाईज, स्कर्टिंग, कार्निसेस, हैंडरेल्स, घड़ियां, ट्राफी, श्यामपट्ट, बसों और रेल के डिब्बों की आंतरिक सज्जा आदि।

(xvii) भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित विचाराधीन उत्पाद और संबद्ध देशों से आयातित उत्पाद के बीच कोई ज्ञात अंतर नहीं है। भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित विचाराधीन उत्पाद और संबद्ध देशों से निर्यातित विचाराधीन उत्पाद भौतिक एवं रासायनिक गुणधर्मों, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, प्रकार्यों एवं प्रयोगों, उत्पाद विनिर्देशनों, कीमत निर्धारण, वितरण एवं विपणन तथा वस्तु के प्रशुल्क वर्गीकरण जैसे अभिलक्षणों के रूप में तुलनीय हैं। दोनों ही वाणिज्यिक एवं तकनीकी रूप से एक दूसरे के प्रतिस्थानी हैं। उपभोक्तागण इन दोनों वस्तुओं का प्रयोग अंतर्निमेष रूप से कर रहे हैं। याचिकाकर्ता कंपनियों द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु और संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तु एक दूसरे की प्रतिस्थानी हैं और उन्हें पाटनरोधी नियमावली के अनुसार संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तु के समान वस्तु के रूप में माना जाना चाहिए।

उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण

9. इस विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के दायरे के संबंध में उत्पादकों/निर्यातकों/ आयातकों/ अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने कोई संगत प्रस्तुतिकरण नहीं किया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

10. मूल जांच और वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद 6 एमएम अथवा उससे अधिक की मोटाई का सादा मध्यम घनत्व का फाइबर बोर्ड है (जिसे एतदपश्चात विचाराधीन उत्पाद कहा गया है)।

11. इस संबद्ध वस्तु के संबंध में आयोजित की गई पिछली जांच में प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद और उसके दायरे को निम्नवत परिभाषित किया था :

"विचाराधीन उत्पाद सादा मध्यम घनत्व का फाइबर बोर्ड है जिसे बाजारू बोलचाल की भाषा में प्लेन एमडीएफ बोर्ड के रूप में भी जाना जाता है। सादा मध्यम घनत्व का फाइबर बोर्ड या प्लेन एमडीएफ बोर्ड लकड़ी का एक ठोस उत्पाद होता है जिसका निर्माण अपशिष्ट लकड़ी के फाइबरों को यूरिया फार्मेलडीहाइड रेजिन अथवा मेलामाइन रेजिन से उच्च ताप एवं दाब के अंतर्गत जोड़कर किया जाता है। इसकी फिनिश चिकनी एवं समतल होती है, इस कारण से इसका पार्टीशन करने, माड्यूलर फर्नीचर बनाने तथा कैबिनेट बनाने आदि में किया जाता है। एमडीएफ बोर्ड का उत्पादन प्लेन फार्म में किया जाता है इसके बाद इस पर लैमिनेशन किया जाता है, यह लैमिनेशन प्लेन एमडीएफ बोर्ड का उत्पादन करने के पश्चात किया जाता है। लैमिनेटेड मध्यम घनत्व का फाइबर बोर्ड (लैमिनेटेड एमडीएफ बोर्ड) इस विचाराधीन उत्पाद के दायरे से परे है। प्राधिकारी ने अपनी प्रारंभिक जांच में इस विचाराधीन उत्पाद के संबंध में प्राप्त प्रस्तुतिकरणों पर विचार किया था और विधिवत जांच करने के पश्चात 6 एमएम की मोटाई से कम मोटाई वाले सादा मध्यम घनत्व के फाइबर बोर्ड का विचाराधीन उत्पाद के दायरे से अपवर्जन कर दिया था तदनुसार 6 एमएम की मोटाई और उससे अधिक की मोटाई के सादा मध्यम घनत्व के फाइबर बोर्ड का विचाराधीन उत्पाद के रूप में माना गया था और इस जांच में भी उसे ही विचाराधीन उत्पाद के रूप में माना जा रहा है।

इस उत्पाद को सीमा शुल्क प्रशुल्क अधिनियम 1975 (1975 का 51) की प्रथम अनुसूची के शीर्षक संख्या 44.11 के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। तथापि, यह वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और यह किसी भी रूप में वर्तमान जांच के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है।

12. इस जांच में विचाराधीन उत्पाद का दायरा वही रहेगा जो इससे पहले अधिसूचित अंतिम जांच-परिणाम तथा अधिरोपित पाटनरोधी शुल्क में विचाराधीन उत्पाद का दायरा था। इस विचाराधीन उत्पाद के दायरे में किसी भी प्रकार का संशोधन करने के लिए किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने कोई प्रस्तुतिकरण नहीं किया है।

13. आवेदनकर्ता ने यह प्रस्तुतिकरण किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित उत्पाद तथा भारत में संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तु पाटनरोधी नियमावली के आशय के अंतर्गत समान वस्तु हैं क्योंकि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु तथा संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तु के बीच कोई ज्ञात अंतर नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु तथा संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तु भौतिक एवं रासायनिक गुणधर्मों, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, प्रकार्यों एवं प्रयोगों, उत्पाद विनिर्देशनों, कीमत निर्धारण, वितरण एवं विपणन तथा वस्तु के प्रशुल्क वर्गीकरण जैसे अभिलक्षणों के रूप में तुलनीय हैं। दोनों ही वाणिज्यिक एवं तकनीकी रूप से एक दूसरे के प्रति स्थानी हैं। उपभोक्तागण इन दोनों वस्तुओं का प्रयोग अंतर्निमेष रूप से कर रहे हैं।

14. घरेलू उद्योग के इस दावे का विरोध करते हुए किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने कोई बड़ा प्रस्तुतिकरण नहीं किया है और न ही जांच में इन दोनों वस्तुओं के बीच अंतर दर्शाया गया है।

15. जांच के पश्चात प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तु के समान वस्तु है।

घ. घरेलू उद्योग एवं आधार

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण

16. घरेलू उद्योग का दायरा एवं उसके आधार के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित प्रस्तुतिकरण किए गए हैं :

- (i) निर्णायक समीक्षा में आधार की जरूरत संगत नहीं होती है।
- (ii) याचिकाकर्ताओं का उत्पाद जांच की अवधि के दौरान कुल भारतीय उत्पादन का एक बड़ा अनुपात बनता था और इसलिए याचिकाकर्ता घरेलू उद्योग है।
- (iii) मूल जांच में घरेलू उद्योग में मैसर्स शिरडी इंडस्ट्रीज लिमिटेड, मुंबई और मैसर्स न्यूकेम लिमिटेड, फरीदाबाद को शामिल किया गया था। वर्तमान जांच में निर्णायक समीक्षा याचिका ग्रीनप्लाई इंडस्ट्रीज लिमिटेड और मंगलम टिम्बर प्रोडक्ट्स लिमिटेड द्वारा दायर की गई है।
- (iv) वर्तमान अवधि के लिए, याचिकाकर्ताओं का उत्पादन कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा अनुपात बनता है और इसलिए याचिकाकर्ता घरेलू उद्योग हैं।
- (v) इस उद्योग के गठन में पिछले कुछ वर्षों से काफी अंतर आया है। इस समय सात कंपनियां हैं जिनके एमडीएफ संयंत्र लगे हुए हैं। यह कंपनियां हैं, न्यूकेम लिमिटेड, शिरडी इंडस्ट्रीज लिमिटेड, मंगलम टिम्बर प्रोडक्ट्स लिमिटेड, ग्रीनप्लाई इंडस्ट्रीज लिमिटेड, बालाजी एक्शन बिल्डवेल, रुशिल डेकोर लिमिटेड और बजाज इकोटेक प्रोडक्ट्स लिमिटेड। दो कंपनियों ने अब उत्पादन करना बंद कर दिया है। उनके नाम हैं न्यूकेम लिमिटेड और बजाज इकोटेक लिमिटेड। न्यूकेम लिमिटेड (न्यूवुड एमडीएफ ब्रांड के विनिर्माता) ने वर्ष 2010-11 में अपना उत्पादन बंद कर दिया था। बजाज इको टेक प्रोडक्ट्स लिमिटेड ने आधार वर्ष के पहले से ही समान उत्पाद का उत्पादन करना बंद कर दिया था।
- (vi) इस उत्पाद के लिए भारतीय बाजार में भारी मांग है। अच्छे कार्य निष्पादन और लाभ की आशा में जब नई कंपनियां बाजार में आईं तो उससे पहले ही कंपनियों की बाजार में अवस्थिति थी। हालांकि पुरानी कंपनियों में से कुछेक कंपनियों ने इसका उत्पादन करना बंद कर दिया है, तथापि, यह नई कंपनियां इस पाटित उत्पाद के मद्देनजर बाजार में अपना अस्तित्व बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रही हैं।
- (vii) यह भी उल्लेख किया जाता है कि प्लांट द्वारा वाणिज्यिक उत्पादन प्रारंभ करने से पहले इन संयंत्रों में 2-3 वर्षों तक निवेश किया जाना अपेक्षित होता है। अतः, बालाजी एक्शन बिल्डवेल द्वारा फरवरी 2011 और मार्च, 2013 में अपना उत्पादन प्रारंभ करने और रशेल डेकोर लिमिटेड द्वारा सितम्बर, 2013 में अपना उत्पादन प्रारंभ करने पर विचार इस अवधि से 2-3 वर्ष पहले इन कंपनियों द्वारा किए गए निवेश पर विचार करते हुए करना चाहिए।
- (viii) इस तथ्य पर ध्यान देते हुए कि यह विचाराधीन उत्पाद एक प्रोत्साहित उत्पाद है, इस उद्योग में भारी मात्रा में निवेश इस उम्मीद से किया गया है कि बाजार में इसकी अच्छी मांग है। तथापि, इस उत्पाद का भारत में पाटन किए जाने से इन प्रचालनों की अर्थक्षमता निरंतर रूप से इतनी अधिक घट गई है कि उससे संयंत्रों को बंद करने तक की नौबत आ गई है। अतः, यह विचार किया जा सकता है कि इस उत्पाद के सतत पाटन ने घरेलू उद्योग को इस हद तक

क्षति कारित की है कि इसने घरेलू उद्योग के प्रचालनों को इतना अधिक अव्यवहार्य/अलाभकर बना दिया है कि संयंत्र बंद करने पड़ रहे हैं।

- (ix) आधार की जरूरत नियम 5 के अंतर्गत होती है, जो स्पष्ट तौर से नियम 23 पर लागू नहीं होता है। नियम 23 (3) में स्पष्ट प्रावधान है कि समीक्षा के मामले में नियम 6, 7, 8, 9/10, 11, 16, 17, 18, 19 और 20 के उपबंध यथावश्यक परिवर्तनों सहित लागू होंगे। स्पष्टतः, यहां नियम 5 का अपवर्जन इरादतन किया गया है। ऐसा होते हुए भी, इस याचिका में पर्याप्त सूचना दी गई है और यह सिद्ध करती है कि याचिकाकर्ताओं का यह याचिका दायर करने का पर्याप्त आधार है।
- (x) घरेलू उद्योग के संघटन के संबंध में यह नोट किया जा सकता है कि इस तथ्य का उल्लेख करते हुए कोई विधिक प्रावधान नहीं है कि समीक्षा जांच में घरेलू उद्योग वही होना चाहिए जो मूल जांच में था। वास्तव में ऐसा कोई विधिक प्रावधान इस कारण से नहीं किया गया है कि समय के साथ-साथ उद्योग की स्थिति में कोई भी बदलाव हो सकता है। घरेलू उद्योग के दायरे का निर्धारण जांच की अवधि के दौरान प्रचलित तथ्यों के आधार पर करना चाहिए।

उत्पादकों/आयातकों/निर्यातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण

17. घरेलू उद्योग के दायरे एवं आधार के संबंध में उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/ अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित प्रस्तुतिकरण किए गए हैं :

- (i) याचिकाकर्ता के इस तर्क के संबंध में कि निर्णायक समीक्षा जांच के मामले में आधार का निर्धारण किया जाना अपेक्षित नहीं होता है, यह प्रावधान किया गया है कि नियम 23(1ख) के अनुसार घरेलू उत्पादकों द्वारा जब निर्णायक समीक्षा जांच की शुरुआत करने का अनुरोध किया जाता है तो उसे भी पाटनरोधी नियमावली के अंतर्गत इस निर्धारित मानदंड यथा अधिदेशित को पूरा करना अपेक्षित होता है कि क्या लिखित अनुरोध घरेलू उद्योग द्वारा अथवा उसकी ओर से किया गया है।
- (ii) याचिकाकर्ता का यह दायित्व होता है कि वे अपने आधार को स्पष्ट करें और वे इस नियम की अनदेखी नहीं कर सकते हैं क्योंकि वर्तमान जांच की शुरुआत करने के लिए अनुरोध घरेलू उद्योग द्वारा किया गया है।
- (iii) आधार को सिद्ध करना निर्णायक समीक्षा जांच में एक अपरिहार्य मानदंड होता है क्योंकि क्षति अथवा क्षति की संभावना का निर्धारण घरेलू उद्योग के लिए ही किया जा सकता है न कि किसी घरेलू उत्पादक के लिए।
- (iv) मैसर्स मंगलम टिम्बर प्रोडक्ट्स लिमिटेड को इससे पहले वाली जांच में आयातक होने के कारण अयोग्य ठहरा दिया गया था। इसलिए, मैसर्स मंगलम टिम्बर प्रोडक्ट्स द्वारा इस समय प्रदान कराई गई सूचना की पूरी-पूरी जांच की जानी चाहिए कि इस कंपनी ने संबद्ध वस्तु का आयात करना कब बंद कर दिया और इसे घरेलू उद्योग के भाग के रूप में क्यों माना जाए।
- (v) अन्य उत्पादकों, खासकर शिरडी इंडस्ट्रीज, न्यूकेम और बालाजी एक्शन बिल्डवेल की सूचना का सार्थक विश्लेषण करना चाहिए और उससे समुचित जांच परिणाम निकालना चाहिए।

प्राधिकारी द्वारा जांच

18. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) में निम्नलिखित प्रावधान किया गया है :

"(ख) "घरेलू उद्योग का आशय उन उत्पादकों से है जो समान वस्तु का विनिर्माण करने में अथवा संबंधित किसी क्रियाकलाप में समग्र रूप से लगे हों अथवा उन उत्पादकों से है जिनका सामूहिक उत्पादन उस वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा अनुपात बनता हो, बशर्ते कि वे उत्पादक उस कथित पाटित वस्तु के निर्यातक अथवा आयातक न हों अथवा उस वस्तु का स्वयं आयात न करते हों, ऐसा होने पर वाक्यांश "घरेलू उद्योग" को शेष उत्पादकों के रूप में माना जाएगा।"

19. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि यह आवेदन पत्र मैसर्स ग्रीनप्लाई इंडस्ट्रीज लिमिटेड और मैसर्स मंत्रालय टिम्बर प्रोडक्ट्स लिमिटेड द्वारा दायर किया गया है। रूशिल डेकोर लिमिटेड और मैसर्स बालाजी एक्शन बिल्डवेल ने इस याचिका का समर्थन किया है।

20. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि याचिकाकर्ताओं की यह बाध्यता होती है कि वे अपने आधार को सिद्ध करें, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि याचिकाकर्ताओं का उत्पादन कुल भारतीय उत्पादन का एक बड़ा अनुपात बनता है और इसलिए

प्राधिकारी के लिए यह निर्धारण करना आवश्यक नहीं है कि क्या निर्णायक समीक्षा में आधार की अपेक्षा को सिद्ध करना एक पूर्वपिक्षा है।

21. जहां तक पिछली जांच में मंगलम टिम्बर प्रोडक्ट्स लिमिटेड द्वारा किए गए आयात से संबंधित तर्क का संबंध है प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि किसी संबंध के मुद्दे की अपेक्षा प्राधिकारी द्वारा अब निर्धारित जांच की अवधि के संबंध में किया जाना अपेक्षित है। यदि किसी कंपनी को विगत जांच के समय अपात्र भी करार दे दिया जाता है तो इसका वस्तुतः आशय यह नहीं होता है कि कंपनी को वर्तमान जांच में भी अपात्र के रूप में ही माना जाए। तथापि, यह नोट किया जाता है कि मंगलम टिम्बर प्रोडक्ट्स लिमिटेड ने कंपनी द्वारा इससे पहले प्रदान कराई गई सूचना का सत्यापन करने के लिए सभी आवश्यक जानकारी प्रदान नहीं कराई है। कंपनी ने प्राधिकारी से अनुरोध किया है कि वह उसके वित्तीय आंकड़ों पर विचार याचिका में प्रदान कराई गई सूचना के आधार पर करें। तथापि, प्राधिकारी यह मानते हैं कि निर्धारित प्ररूप और ढंग से सूचना प्रदान कर देना ही किसी कंपनी को घरेलू उद्योग के दायरे के अंदर शामिल कर लेने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। कंपनी को प्राधिकारी को पहले प्रदान कराई गई सूचना के समर्थन में सभी संगत और आवश्यक सूचना प्रदान कराना अपेक्षित होता है। यह ऐसी स्थिति में और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है जहां रिकार्ड में उपलब्ध सूचना यह दर्शाती हो कि घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत घरेलू उद्योग के अन्य संघटकों की तुलना में अधिक है और कंपनी को भारी घाटा हो रहा है। इसलिए प्राधिकारी घरेलू उद्योग के दायरे से मंगलम टिम्बर प्रोडक्ट्स लिमिटेड का अपवर्जन करना निरुद्ध करते हैं।

22. शिरडी इंडस्ट्रीज लिमिटेड, बालाजी बिल्डवेल और रूशिल डिकोर लिमिटेड द्वारा प्रतिभागिता किए जाने के संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि उन्होंने पाटनरोधी शुल्क में विस्तार करने का समर्थन करने का पत्र प्रेषित किया है। तथापि, पाटनरोधी शुल्क का विस्तार किए जाने का समर्थन करते हुए इन कंपनियों ने वह सभी सूचना प्रदान नहीं कराई है जो इन कंपनियों को घरेलू उद्योग के रूप में शामिल किए जाने के लिए आवश्यक एवं संगत है। इसलिए प्राधिकारी ने शिरडी इंडस्ट्रीज लिमिटेड, बालाजी एक्शन बिल्डवेल और रूशिल डिकोर लिमिटेड पर वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग के रूप में विचार नहीं करते हैं।

23. चूंकि मैसर्स ग्रीनप्लाई इंडस्ट्रीज लिमिटेड का उत्पादन भारतीय उत्पादन का एक बड़ा अनुपात बनता है, इसलिए प्राधिकारी ने मैसर्स ग्रीनप्लाई इंडस्ट्रीज लिमिटेड को वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग के रूप में माना है। इसलिए, मैसर्स ग्रीनप्लाई इंडस्ट्रीज लिमिटेड नियमावली के आशय के अंतर्गत घरेलू उद्योग है। घरेलू उत्पादकों के उत्पादन आंकड़े निम्नलिखित हैं :

क्र. सं.	विवरण	यूनिट	2010-11	2011-12	2012-13	जांच की अवधि
क	याचिकाकर्ता					
1	ग्रीनप्लाई इंडस्ट्रीज लिमिटेड	सीबीएम	***	***	***	***
	कुल याचिकाकर्ता	सीबीएम	***	***	***	***
ख	अन्य भारतीय उत्पादक :					
2	मंगलम	सीबीएम	***	***	***	***
3	शिरडी	सीबीएम	***	***	***	***
4	न्यूकेम	सीबीएम	***	-	-	-
5	बालाजी एक्शन बिल्डवेल	सीबीएम	-	-	***	***
6	रूशिल डिकोर लिमिटेड	सीबीएम	-	-	***	***
	कुल अन्य उत्पादक	सीबीएम	***	***	***	***
ग	कुल भारतीय उत्पादक	सीबीएम	1,10,746	1,84,899	2,35,501	2,54,284
घ	निम्नलिखित का हिस्सा					

क्र. सं.	विवरण	यूनिट	2010-11	2011-12	2012-13	जांच की अवधि
	याचिकाकर्ता	रैंज %	15-25	50-60	50-60	45-55
	अन्य उत्पादक	रैंज %	75-85	40-50	40-50	45-55

ड. गोपनीयता

उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण

24. उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने निम्नलिखित तर्क दिए हैं :

- वर्तमान याचिका को भारी गोपनीयता के आधार पर खारिज कर दिया जाना चाहिए।
- बिक्री आंकड़ों और बाजार हिस्से को मूल जांच में अगोपनीय के रूप में माना गया है जबकि वर्तमान जांच में वह गोपनीय है।
- इसका या तो सार्थक औचित्य दिया जाना चाहिए अथवा इस सूचना को प्रकटन सूत्र पर अगोपनीय के रूप में घोषित कर दिया जाना चाहिए।
- आईबीआईएस से प्राप्त मूल/अनंतिम आयात आंकड़ों की साफ्ट अथवा हार्ड कापी हितबद्ध पक्षकारों को उपलब्ध नहीं कराई गई है। यह भी उल्लेख नहीं किया गया है कि क्या वह प्राधिकारी को उपलब्ध करा दी गई है अथवा नहीं।
- अन्य घरेलू उत्पादकों के उत्पादन विवरण, बिक्री मात्रा की सूचना, स्टॉक और कर्मचारियों की संख्या, वार्षिक प्रतिवेदन की प्रतियां आदि के संबंध में कोई सूचना प्रदान नहीं कराई गई है।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण

25. घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित प्रस्तुतिकरण किए हैं :

- प्राधिकारी को किसी भी सूचना को केवल इस आधार पर अस्वीकार कर देने का अधिकार है कि वह इस बात से "संतुष्ट" हैं कि हितबद्ध पक्षकार सूचना को सार्वजनिक करने का इच्छुक नहीं है। वर्तमान मामले में, घरेलू उद्योग द्वारा दायर की गई सूचना का अगोपनीय पाठ के किसी भाग को घरेलू उद्योग द्वारा प्रकट किए जाने की अनिच्छा को दर्शाने के लिए उन्हें पहले यह दर्शाना आवश्यक होगा कि घरेलू उद्योग ने उक्त सूचना की मनाही कर दी है जबकि उक्त सूचना सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है।
- किसी भारी गोपनीयता का दावा नहीं किया गया है। याचिकाकर्ता ने केवल उन्हीं सूचनाओं के संबंध में गोपनीयता की मांग की है जो व्यवसाय के लिए संवेदनशील हैं अथवा जिनका प्रकटन करना घरेलू उद्योग के व्यवसाय को विपरीत ढंग से प्रभावित कर सकती है।
- यह भी उल्लेख किया गया है कि न तो मेरबाक ने और न ही किसी अन्य निर्यातक ने वास्तविक आधार पर किसी भी सूचना का प्रकटन किया है। मेरबाक इस विचाराधीन उत्पाद का श्रीलंका से निर्यात करने वाला एकमात्र निर्यातक है और उसके द्वारा किए गए निर्यात से संबंधित सूचना श्रीलंका के सीमाशुल्क आंकड़ों तथा भारतीय सीमाशुल्क आंकड़ों, दोनों तरह से ही सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है। ऐसा मामला होने पर मेरबाक द्वारा किए गए निर्यात की मात्रा और कीमत की गोपनीयता का दावा करने का कोई औचित्य ही नहीं है। यह स्पष्टतः एक सुस्थापित स्थिति है कि यदि कोई सूचना सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है तो उसे गोपनीय के रूप में नहीं माना जाना चाहिए। इस प्रकार, चूंकि इस सूचना में केवल एक ही निर्यातक अंतर्गुप्त है, इसलिए मेरबाक भारत को अपने निर्यात की मात्रा एवं मूल्य का दावा गोपनीय सूचना के रूप में नहीं कर सकता है।
- जहां तक इस तर्क का संबंध है कि आईबीआईएस आंकड़ें प्रदान नहीं कराए गए हैं, जिन हार्ड प्रतियों पर भरोसा किया गया है वे याचिका में प्रदान कराई गई थी और मृदु प्रतियां प्रदान कराने की कोई बाध्यता नहीं है।
- जहां तक घरेलू उत्पादकों के उत्पादन विवरण तथा अन्य विवरण दिए जाने का संबंध है, संगत सूचना बहुत कुछ इस याचिका में प्रदान करा दी गई है। वर्तमान मामले के परिदृश्य में यह उपयुक्त है। वास्तविक सूचना गोपनीय है और

इसलिए उसका सार्वजनिक रूप से प्रकटन नहीं किया गया है। भारत सरकार ने अब यह मान लिया है कि वार्षिक रिपोर्ट में दिए गए परिमाणात्मक सांख्यिकीय आंकड़े व्यवसाय संवेदी सूचना होती है और तदनुसार वार्षिक रिपोर्टों के लिए रिपोर्टिंग करने की जरूरत में संशोधन किया गया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

26. सूचना की गोपनीयता के संबंध में प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों ने गोपनीयता दावों की जांच की है। प्राधिकारी यह विचार करते हैं कि जो सूचना प्रकृति से ही गोपनीय है (उदाहरण के लिए, इसका प्रकटन कर देने से प्रतिस्पर्धी को भारी प्रतिस्पर्धात्मक लाभ होगा अथवा इसके प्रकटन का इस सूचना के प्रदाता व्यक्ति पर अथवा उस व्यक्ति पर भारी विपरीत प्रभाव पड़ेगा जिससे वह व्यक्ति उक्त सूचना प्राप्त करता है) अथवा जिसे पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर किसी ऐसी जांच को प्रदान किया गया है जिसे प्राधिकारी द्वारा सदाशयता से सकार्य के रूप में माना गया हो। ऐसी सूचना का प्रकटन उक्त सूचना प्रदान कराने वाले पक्षकार की अनुमति प्राप्त किए बिना नहीं किया जा सकता है।

27. प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता तथा अन्य विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए गोपनीयता के दावे पर विचार किया है और उसके संबंध में संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने गोपनीयता के दावे की अनुमति दे दी है। प्राधिकारी ने नियम 6(7) के अनुसार विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के अगोपनीय पाठ युक्त पब्लिक फाइल को सभी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण किए जाने के लिए उपलब्ध करा दिया गया है।

विविध प्रस्तुतिकरण

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए विविध प्रस्तुतिकरण

28. घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित विविध प्रस्तुतिकरण किए हैं :

- (i) जहां तक शुल्क के बेंचमार्क स्वरूप का मुद्दा उठाने का संबंध है यह प्रस्तुतिकरण किया जाता है कि इस मुद्दे को पहले और प्राधिकारी के समक्ष लंबित पड़े आवेदन की अवधि के दौरान भी उठाया गया था, परंतु इसे वापस ले लिया गया क्योंकि शीघ्र ही निर्णायक समीक्षा पर विचार किया जाना था।
- (ii) यह याचिका सभी तरह से पूर्ण है और आवेदनपत्र में किसी प्रकार की कमी होने से संबंधित आरोप निराधार है।
- (iii) आवेदकों ने अपनी सर्वोत्तम क्षमता से सभी संगत अगोपनीय सारांश उपलब्ध कराए हैं।
- (iv) याचिका के साथ आयात आंकड़े प्रस्तुत कर दिए गए हैं।

उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विविध प्रस्तुतिकरण

29. उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित विविध प्रस्तुतिकरण किए हैं :

- (i) शुल्क लगने के पांच वर्षों के पश्चात में बेंचमार्क संबंधी मुद्दा उठाना निराधान है। प्राधिकारी के पास नियम 23 के अनुसार पहुंचना चाहिए था।
- (ii) घरेलू उद्योग ने एक त्रुटिपूर्ण आवेदनपत्र दायर किया है, इसमें सत्य एवं पूर्ण सूचना होने का प्रमाणपत्र प्राधिकृतीकरण पत्र, लागत सूचना के भाग VI का अगोपनीय पाठ, तथाकथित घरेलू उद्योग को तथा अन्य घरेलू उत्पादकों के उत्पादन का विवरण उस रूप में होना जिससे यह पाटनरोधी शुल्क में उल्लिखित शर्तों को पूरा कर पाए, क्रय नीति, बिक्री नीति, भंडार लेखाकरण नीति, गुणवत्ता नियंत्रण नीति, पिछले तीन वर्षों की अवधि तथा जांच की अवधि के दौरान के लेखापरीक्षित लेखे, प्रपत्र IV-क और प्रपत्र IV-ख, अनन्तिम आयात आंकड़े तथा विचाराधीन उत्पाद के आयात आंकड़ों का पृथक्करण करने का आधार, भारत में आयातकों तथा उपयोग करने वालों और संबद्ध देशों में उत्पादकों तथा निर्यातकों के नाम और पते, उन वस्तुओं की सूची जिनका उत्पादन करने में याचिकाकर्ता सक्षम है, सामान्य मूल्य का परिकलन करने के संबंध में समर्थनकारी साक्ष्य, निर्यात कीमत का आकलन करते समय दावा किए गए समायोजनों के समर्थन में साक्ष्य नहीं दिए गए हैं।
- (iii) इस आवेदनपत्र को नामंजूर कर दिया जाना चाहिए क्योंकि संवेदनशील सूचना का अगोपनीय सार प्रस्तुत नहीं किया गया है।

- (iv) आवेदक द्वारा प्रदान कराए गए आयात आंकड़े पर्याप्त नहीं हैं। एक्सेल फॉर्मेट में एक मृदु प्रति प्रदान कराई जानी चाहिए थी। इसके अतिरिक्त, अनन्तिम आंकड़ों से संबद्ध वस्तु को किस तरह अलग किया गया उसका आधार भी प्रदान कराया जाना चाहिए था।

प्राधिकारी द्वारा जांच

30. प्राधिकारी ने विभिन्न हितवद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरणों की सावधानीपूर्वक जांच की है और निम्नलिखित का प्रतिपादन किया है :

- (i) जहां तक शुल्क का स्वरूप बेंचमार्क से बदलकर नियत प्रमात्रा में किए जाने के मुद्दे का संबंध है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि शुल्क के स्वरूप का निर्धारण प्राधिकारी द्वारा मामले के तथ्यों, हितवद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरणों पर विचार करने के पश्चात और प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई परंपरा के अनुरूप किया जाता है। सभी हितवद्ध पक्षकार इस संबंध में अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए स्वतंत्र हैं।
- (ii) जहां तक आवेदक द्वारा प्रस्तुत किए गए आवेदन की अपूर्णता का संबंध है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि इस याचिका में वह समस्त आवश्यक संगत सूचना निहित है जो जांच प्रारंभ करने के लिए जरूरी है। इस याचिका के अगोपनीय पाठ में वह सब सूचना सम्मिलित नहीं की गई है जो नियमावली के पैरा-7 के अनुसार व्यवसाय की गोपनीय सूचना है।
- (iii) जहां तक आयात आंकड़ों की साफ्ट कापी प्रदान करने और आयात आंकड़ों का पृथक्करण करने की क्रियापद्धति का सवाल है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि आवेदन के प्रोफार्मा में विचाराधीन उत्पाद के आयातों की मात्रा और उनके मूल्य से संगत सूचना प्रदान कराना अपेक्षित होता है। उन अन्य उत्पादों से संबंधित सूचना, जो इस विचाराधीन उत्पाद के भाग नहीं होते हैं, प्राप्त करना प्राधिकारी के लिए संगत नहीं होता है और इसलिए, याचिका में उन वस्तुओं के आयात आंकड़े शामिल करना अपेक्षित नहीं होता है जो विचाराधीन उत्पाद नहीं होते हैं।

छ. पाटन का आकलन – क्रियापद्धति और प्राचल

सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का निर्धारण

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण

31. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित प्रस्तुतिकरण किए गए हैं :

- (i) चीन एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है। किसी भी देश ने चीन को बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश का दर्जा नहीं दिया है। चीन का कोई भी उत्पादक बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे को संतुष्ट नहीं कर सकता है। यह उपचार प्राधिकारी द्वारा और अन्य देशों के जांचकर्ता प्राधिकारी द्वारा विगत के मामलों में लिए गए निर्णयों के अनुरूप है। चीन के उत्पादकों की लागत और कीमत पर सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए भरोसा नहीं किया जा सकता है।
- (ii) जब तक निम्नलिखित शर्तें पूरी नहीं होती हैं तब तक बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा नहीं दिया जा सकता है :
 - क. बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा ऐसी स्थिति में नहीं दिया जा सकता है जहां प्रमुख शेयरधारकों में से एक राज्य स्वामित्व वाला अथवा राज्य द्वारा नियंत्रित कोई निकाय हो।
 - ख. बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक नहीं दिया जा सकता है जब तक कि चीन के निर्यातक यह सिद्ध नहीं कर देते हैं कि प्रमुख इनपुटों की लागत बाजार मूल्यों का पर्याप्ततः प्रदर्शन कर रही है।
 - ग. बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक नहीं दिया जा सकता है जब तक कि उनकी खाताबहियों की लेखापरीक्षा अंतर्राष्ट्रीय लेखाकरण मानकों के अनुरूप नहीं की जाती है।
 - घ. यदि इनमें से कोई एक प्राचल भी पूरा नहीं होता है तब भी बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा नहीं दिया जा सकता है।
 - ङ. बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति को सिद्ध करने का उत्तरदायित्व/प्रतिबद्धता चीन के प्रतिवादी निर्यातकों पर होती है न कि निर्दिष्ट प्राधिकारी पर।

- च. बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक नहीं दिया जा सकता है जब तक कि प्रतिवादी कंपनी और उसका समूह समग्र रूप से इसका दावा नहीं करता है।
- छ. ऐसी स्थिति में जहां मौजूदा शेयरधारकों ने अपनी उत्पादन सुविधाओं की स्वयं स्थापना न की हो, बल्कि उन सुविधाओं को किसी अन्य पक्षकार से प्राप्त किया हो तो बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक नहीं दिया जा सकता है जब तक कि इस कायान्तरण की प्रक्रिया दस्तावेजी साक्ष्यों के जरिए पूर्णतया सिद्ध न कर दी गई हो।
- (iii) तथ्यात्मक स्थिति मूल जांच से लेकर अब तक समान ही है। यह माना जाना चाहिए कि चीन की कंपनियां बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा दिए जानो की हकदार नहीं हैं।
- (iv) वर्तमान मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तृतीय देश में कीमत अथवा संरचित मूल्य के आधार पर इस कारण से नहीं किया जा सकता है कि संगत सूचना सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं है। याचिकाकर्ता इन सूचनाओं को किसी बाजार अर्थव्यवस्था वाले तृतीय देश के किसी उत्पादक से प्राप्त करने में सक्षम नहीं हुए हैं। याचिकाकर्ता ने चीन में सामान्य मूल्य का निर्धारण भारत में विधिवत समायोजित उत्पादन लागत के आधार पर किया है।
- (v) मलेशिया और थाईलैंड के लिए सामान्य मूल्य की संरचना की गई है क्योंकि इन देशों की घरेलू बाजारों में ऐसे किसी समान वस्तु की कीमत सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं है। इसके अतिरिक्त, इन बाजारों में संबंधित उत्पाद की कीमत के साक्ष्य और इसे प्रकाशित स्रोतों से प्राप्त करने के प्रयास किए गए हैं। तथापि, याचिकाकर्ता इस संबंध में कोई पर्याप्त साक्ष्य प्राप्त करने में अक्षम रहे हैं।
- (vi) श्रीलंका के लिए सामान्य मूल्य की संरचना की गई है। श्रीलंका की घरेलू बाजार से संबद्ध वस्तु की कीमत के साक्ष्य प्राप्त करने के प्रयास किए गए हैं। प्रकाशित स्रोत से भी कीमत का कोई साक्ष्य प्राप्त करने के प्रयास किए गए हैं। तथापि, याचिकाकर्ता श्रीलंका की घरेलू बाजार में कीमत का कोई साक्ष्य प्राप्त करने में सक्षम नहीं हो पाए हैं। इसके अतिरिक्त, प्राधिकारी का इससे पहले का जांच परिणाम यह दर्शाता है कि निर्यातक को भारत में फाइबर बोर्ड का निर्यात करने में अपनी उत्पादन लागत भी प्राप्त नहीं हुई है।
- (vii) मेरबाक के संबंध में कंपनी ने प्राधिकारी को मूल जांच के समय भ्रामक सूचना प्रदान कराई थी; जिसके परिणामस्वरूप इस कंपनी द्वारा निर्यातों के संबंध में भारी न्यूनतर पाटन मार्जिन दर्शाया गया था। इसके फलस्वरूप श्रीलंका से निरंतर पाटन होना भारतीय उद्योग द्वारा सहन की जा रही क्षति का एक कारण है।
- (viii) एक ओर कीमत वचनबद्धता को स्वीकार करना और दूसरी ओर प्राधिकारी द्वारा पाटन मार्जिन का निर्धारण किए जाने से अंतिम जांच परिणाम में अकारण ही न्यूनतर पाटन मार्जिन दर्शाया गया है। वर्तमान मामले में और 6 एमएम से कम की मोटाई के फाइबर बोर्ड के मामले में सामान्य मूल्य की तुलना करने पर यह विचार करना आसान है कि दोनों की उत्पाद समान उत्पादक से संबंधित हैं और इन दो उत्पादों में केवल यह ही अंतर है कि एक मामले में विचाराधीन उत्पाद 6 एमएम से कम की मोटाई का है जबकि दूसरे मामले में विचाराधीन उत्पाद 6 एमएम की मोटाई से अधिक की मोटाई का उत्पाद है। इसके बावजूद, इन दोनों मामलों में निर्धारित भारी पाटन मार्जिन से यह स्पष्ट हो जाता है कि निर्यातक ने प्राधिकारी को वास्तव में गलत सूचना प्रदान की और उसे भारी मात्रा में न्यून पाटन मार्जिन प्रदान किया गया जिसके कारण घरेलू उद्योग को भारी क्षति हुई।
- (ix) संबद्ध देशों के निर्यातक भारतीय बाजार में इस संबद्ध वस्तु का निरंतर पाटन कर रहे हैं। पाटन मार्जिन न केवल न्यूनतम से अधिक है बल्कि यह पर्याप्त भी है।
- (x) कीमत की तुलनीयता सुनिश्चित करने के लिए, सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत व्यापार के समान स्तर पर होने चाहिए और इस कीमत तुलनीयता को प्रभावित करने वाले किसी भी अंतर के लिए नियमावली के प्रावधानों के अनुसार उचित गुणांश रखी जानी चाहिए।
- (xi) मैसर्स राबिन रिसोर्सेस की जांच की जानी चाहिए। उन सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण करना प्राधिकारी की एक सुस्थापित परम्परा है जो प्राधिकारी के समक्ष होते हैं। इस संबंध में, ताईवान, चीन जन.गण. इंडोनेशिया, जापान, कोरिया आरपी, मलेशिया, थाईलैंड और यूएसए के मूल के अथवा वहां से निर्यातित पोलीविनायल क्लोराइड (पीवीसी) सस्पेंशन ग्रेड की निर्णायक समीक्षा जांच में दिए गए अंतिम जांच परिणाम का

उल्लेख किया जा सकता है और उस पर भरोसा किया जा सकता है जहां प्राधिकारी ने उन निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण किया जिनको मूल जांच में शून्य शुल्क प्रदान किया गया था।

- (xii) इस आरोप के संबंध में कि सामान्य मूल्य का याचिकाकर्ता का दावा अत्यधिक अतिशयोक्तिपूर्ण एवं अवास्तविक है, यह कहा जा सकता है कि घरेलू उद्योग ने सामान्य मूल्य का निर्धारण सकारात्मक साक्ष्यों के आधार पर किया है।
- (xiii) इस तर्क के संबंध में कि क्षति मार्जिन और पाटन मार्जिन का परिकलन मोटाई-वार और ग्रेड-वार किया जाना चाहिए, निर्यातक ने यह सिद्ध नहीं किया है कि उत्पादन लागत और बिक्री कीमत दोनों में मोटाई और ग्रेड के अनुसार भारी अंतर आ जाता है। आयात आंकड़े इन पैरामीटरों के आधार पर कोई संगत अंतर स्थापित नहीं करते हैं। जब तक निर्यातक ग्रेड और मोटाई के आधार पर कीमत और लागत में कोई संगत अंतर स्थापित नहीं करते हैं तब तक प्राधिकारी को आधार के रूप में भारित औसत अपनाना चाहिए।
- (xiv) मलेशिया के लिए सामान्य मूल्य का परिकलन करने के आधार के बारे में दिए गए तर्कों के संबंध में निर्यातकों को यह सिद्ध करना अपेक्षित होता है कि उनके प्रश्नावली प्रत्युत्तर स्वीकार कर लिए जाएं। जब तक यह प्रदर्शित नहीं होता है कि प्रश्नावली प्रत्युत्तर पूर्ण है और जब तक उन आंकड़ों की उपयुक्तता एवं यथार्थता सिद्ध नहीं हो जाती है तब तक पाटन मार्जिन प्रश्नावली प्रत्युत्तर पर आधारित नहीं होना चाहिए।
- (xv) प्राधिकारी ने तनु एमडीएफ (6 एमएम से कम की मोटाई के एमडीएफ) से संबंधित जांच के समय श्रीलंका से निर्यातक की ब्याज लागत को स्वीकार नहीं किया था। यह कि वह जांच, उत्तरवर्ती जांच होने के कारण प्राधिकारी को वर्तमान मामले में भी उसी अधिगम को स्वीकार करना चाहिए।
- (xvi) डोंग्वा का प्रश्नावली प्रत्युत्तर मोटे तौर पर अधूरा है, क्योंकि इस विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन करने में लगी लगभग सभी कंपनियों ने प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर नहीं किया है। प्राधिकारी को जब तक उस देश के सभी उत्पादकों से संपूर्ण प्रश्नावली प्रत्युत्तर प्राप्त नहीं हो जाता है तब तक किसी एक उत्पादक-निर्यातक के लिए व्यक्तिगत पाटन मार्जिन का निर्धारण नहीं करना चाहिए। प्राधिकारी की यह एक सुस्थापित परंपरा है।

उत्पादकों/आयातकों/निर्यातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण

32. उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने इस संबंध में निम्नलिखित प्रस्तुतिकरण किए हैं :

- (i) क्षति मार्जिन एवं पाटन मार्जिन का परिकलन मोटाईवार और ग्रेडवार किया जाना चाहिए जिससे निर्यातक के घरेलू बाजार और निर्यात बाजार दोनों में कीमत व्यवहार के संबंध में स्पष्ट तस्वीर सामने आ सके।
- (ii) आवेदक ने मलेशिया के लिए सामान्य मूल्य का परिकलन वृत्तिपूर्ण ढंग से घरेलू उद्योग के कच्चे माल की कीमत और खपत मानकों के आधार पर की है। इसका परिकलन कच्चे माल की वास्तविक कीमत और खपत मानकों पर विचार करते हुए करना चाहिए।
- (iii) मैसर्स मेरबाक एमडीएफ लंका प्राइवेट लिमिटेड द्वारा अब वर्ष 2009-10 से भारत को किए गए निर्यातों का विवरण प्रदान कराया है। वर्ष 2009-10 के दौरान देशों से इस विचाराधीन उत्पाद अनन्तिम पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण किए जाने के मद्देनजर भारत को श्रीलंका से निर्यातों में भारी गिरावट देखी गई थी। अंतर्किक रूप से उच्च अनन्तिम शुल्क का भारत को मेरबाक द्वारा किए गए निर्यातों पर भारी प्रभाव पड़ा है।
- (iv) पिछली जांच में निर्यातक के लिए न्यूनतम पाटन मार्जिन और पाटनरोधी नियमावली के नियम 14(ग) के साथ पठित सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम की धारा 9क(1) के विधिक प्रावधानों पर विचार करते हुए, मौजूदा निर्णायक समीक्षा जांच में निर्यातक राबिन रिसोर्सेस को शामिल करने का कोई औचित्य नहीं है और यह कि निर्यातक को मौजूदा जांच के दायरे से हटाया जाना अपेक्षित है।
- (v) नियम को देखते हुए यह बिल्कुल स्पष्ट है कि किसी एक निर्यातक अथवा उत्पादक के लिए जांच को यथाशीघ्र तभी समाप्त कर दिया जाना चाहिए जब प्राधिकारी यह निर्धारित करें कि किसी एक उत्पादक अथवा निर्यातक के लिए पाटन मार्जिन निर्यात के अभिव्यक्त प्रतिशत के रूप में 2 प्रतिशत से कम है।
- (vi) गोमांस और चावल के संबंध में मैक्सिको – निर्णायक पाटनरोधी शुल्क के मामले संबंधी पैनल रिपोर्ट को ध्यान में रखते हुए यह पर्याप्ततः स्पष्ट है कि किसी ऐसे निर्यातक अथवा उत्पादक के संबंध में जांच को खारिज कर दिया जाना तब अपेक्षित होता है जब उसके लिए पाटन मार्जिन न्यूनतम हों और इसलिए निर्यातक राबिन रिसोर्सेस को जांच के दायरे से अपवर्जित कर दिया जाना अपेक्षित है।

- (vii) चूंकि निर्यातक के लिए कोई भी संदर्भ कीमत का निर्धारण नहीं किया गया था और निर्यातक पर किसी शुल्क का उदग्रहण नहीं किया गया था, इसलिए उसके खिलाफ किसी निर्णायक समीक्षा का आयोजन नहीं किया जा सकता है।
- (viii) याचिकाकर्ता द्वारा सामान्य मूल्य का दावा अत्यधिक अतिशयोक्तिपूर्ण और काल्पनिक है। कच्चे माल की अधिक कीमत के आधार पर संरचित सामान्य मूल्य संबद्ध देशों की घरेलू बाजार में प्रचलित वास्तविक घरेलू कीमतों से सदैव ही बहुत अधिक और उनके असमान होगा। इसलिए, सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का निर्धारण प्राधिकारी द्वारा प्रस्तुत की गई वास्तविक सूचना के आधार पर किया जाना चाहिए। घरेलू उत्पादकों और संबद्ध देशों के कच्चे माल की कीमत में भारी अंतर होगा।

प्राधिकारी द्वारा जांच

33. धारा 9क(1)(ग) के अंतर्गत किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का आशय :

- (i) समान वस्तु के लिए व्यापार के सामान्य अनुक्रम में, उस तुलनीय कीमत से होता है, जब उसका उत्पादन, उपधारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथानिर्धारित उस देश में अथवा उसके भू-भाग में खपत के लिए किया जाता है; अथवा
- (ii) निर्यातक देश अथवा भू-भाग की घरेलू बाजार में व्यापार के सामान्य अनुक्रम में उस वस्तु की बिक्री नहीं होती है; अथवा किसी विशिष्ट बाजार स्थिति के कारण अथवा निर्यातक देश या भू-भाग की घरेलू बाजार में व्यापार के सामान्य अनुक्रम में बिक्री की मात्रा कम होने पर, जब यह बिक्रियां समुचित तुलना करने की अनुमति नहीं देती हैं तो सामान्य मूल्य :

क. उप-धारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथा-निर्धारित किसी उपयुक्त तृतीय देश अथवा निर्यातक देश अथवा उसके भू-भाग से निर्यातित समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत होता है; अथवा

ख. उप-धारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथा-निर्धारित उदगम के देश में प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत तथा लाभ के लिए तर्कसंगत संवर्धन युक्त उस वस्तु की उत्पादन लागत होता है :

परंतु शर्त यह है कि उदगम के देश के अलावा, किसी अन्य देश से उस वस्तु के आयातों के मामले में और जहां से उस वस्तु का निर्यात के देश से होकर केवल जहाजान्तरण किया गया हो अथवा जब उक्त वस्तु का उत्पादन निर्यात के देश में न किया गया हो और निर्यात के देश में उस वस्तु की कोई तुलनीय कीमत न हो तो सामान्य मूल्य का निर्धारण उदगम के देश में इसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

34. मैसर्स राबिन रिसोर्सेस ने यह प्रस्तुतिकरण किया है कि इस कंपनी को निर्णायक समीक्षा जांच से अपवर्जित कर दिया जाना चाहिए। प्राधिकारी यह मानते हैं कि मूल जांच के सभी पहलुओं, जिसमें घरेलू उद्योग का दायर, पाटन (पाटन मार्जिन सहित), घरेलू उद्योग को क्षति की मौजूदगी, क्षति मार्जिन शामिल है, की समीक्षा करना प्राधिकारी की संगत परंपरा रही है। इसके अतिरिक्त, प्राधिकारी इस तथ्य की भी जांच करते हैं कि क्या उक्त शुल्क को समाप्त कर देने से पाटन और घरेलू उद्योग को क्षति की निरंतरता बने रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है। प्राधिकारी इस मामले के प्रत्येक पहलू के संबंध में मुद्दे उठाने का हितबद्ध पक्षकारों को पूर्ण अवसर प्रदान करते रहे हैं। प्राधिकारी इस साधन की प्रमात्रा और उसके प्ररूप पर भी निरंतर विचार करते रहे हैं और उसमें संशोधन करते रहे हैं। इसलिए, प्राधिकारी यह विचार करते हैं कि जहां किसी निर्यातक को मूल जांच में शून्य शुल्क प्रदान किया गया है और अब यह पाया गया है कि वह निर्यातक पाटन कर रहा है और उससे घरेलू उद्योग को क्षति होने की संभावना भी है, तब उस निर्यातक पर वर्तमान समीक्षा जांच अवधि में पाए गए पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन पर विचार करते हुए शुल्क का अधिरोपण किया जा सकता है। यह भी नोट किया जाता है कि यद्यपि वर्तमान जांच निर्णायक समीक्षा जांच है फिर भी प्राधिकारी ने पाटनरोधी अधिनियम के अनुच्छेद 2 और अनुच्छेद 3 की संगत अपेक्षाओं और भारतीय नियमों के संगत प्रावधानों का अनुसरण किया है। इसलिए, पाटन मार्जिन का निर्धारण करना उपयुक्त होगा और यदि पाटन मार्जिन न्यूनतम से अधिक है तो उस निर्यातक पर पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण किया जा सकता है।

35. जहां तक घरेलू उद्योग द्वारा दावा किए गए कीमत समायोजन की उपयुक्तता का संबंध है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि यह कार्य सुस्थापित परंपरा के अनुरूप ही है। इसके अतिरिक्त, प्राधिकारी ने अब उन निर्यातकों के प्रश्नावली प्रत्युत्तर पर विचार करते हुए पाटन मार्जिन का निर्धारण कर लिया है जिनके प्रत्युत्तर पूर्ण हैं।

36. प्राधिकारी ने संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों को प्रश्नावली प्रेषित की और उन्हें सुझाव दिया कि वे विहित स्वरूप और प्ररूप में सूचना प्रदान करें। संबद्ध देशों के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर

किया है। इसलिए प्राधिकारी ने केवल इन उत्पादकों – निर्यातकों के संबंध में ही व्यक्तिगत पाटन मार्जिन निर्धारण करने पर विचार किया है।

- क. मैसर्स मेरबाक एमडीएफ लंका (प्राइवेट) लिमिटेड, श्रीलंका
- ख. मैसर्स डोंगवहा एमडीएफ (एम) एसडीएन बीएचडी, मलेशिया
- ग. मैसर्स डोंगवहा ग्लोबल सेल्स एसडीएन बीएचडी, मलेशिया
- घ. मैसर्स राबिन रिसोर्सेस (मलेशिया) एसडीएन बीएचडी, मलेशिया

37. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि मलेशिया के मैसर्स डोंगवहा एमडीएफ (एम) एसडीएन बीएचडी (उत्पादक) और डोंगवहा ग्लोबल सेल्स एसडीएन बीएचडी (निर्यातक) दो संबद्ध कंपनियां हैं। इन दोनों कंपनियों ने भी प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर किया है। डोंगवहा ग्लोबल सेल्स एसडीएन बीएचडी, जो मैसर्स डोंगवहा एमडीएफ (एम) एसडीएन बीएचडी का व्यापारी/निर्यातक है, के प्रश्नावली प्रत्युत्तर से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि निर्यातक ने इस संबद्ध वस्तु की *** सीबीएम की राशि की खरीद मैसर्स डोंगवहा एमडीएफ (एम) एसडीएन बीएचडी (उत्पादक) से की थी। निर्यातक मैसर्स डोंगवहा ग्लोबल सेल्स एसडीएन बीएचडी ने जांच की अवधि के दौरान इस संबद्ध वस्तु का निर्यात भारत तथा कुछ अन्य देशों को किया था। कुल निर्यात मात्रा *** सीबीएम हैं, जिसमें से भारत को *** सीबीएम का निर्यात किया गया है। निर्यातक डोंगवहा ग्लोबल सेल्स एसडीएन बीएचडी ने शेष मात्रा का अधिप्रापण करने के संबंध में पूर्ण सूचना प्रदान नहीं की है। इसके अतिरिक्त, प्रश्नावली प्रत्युत्तर में मैसर्स डोंगवहा एमडीएफ (एम) एसडीएन बीएचडी ने उल्लेख किया है कि मैसर्स डोंगवहा फाइबर बोर्ड एसडीएन बीएचडी (डीएफबी) भी घरेलू विक्रियों में अंतर्गस्त है। डीएमएम की एक संबद्ध कंपनी डीबीएफ ने कोई प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर नहीं किया है। चूंकि डीएमएम ने इस वस्तु की विक्री घरेलू बाजार में अपनी दो संबद्ध कंपनियों को की है इसलिए उत्पादित वस्तु की मूल्य श्रृंखला पूरी नहीं है। इसलिए प्राधिकारी, अपनी परंपरा के अनुरूप, ने मैसर्स डोंगवहा एमडीएफ (एम) एसडीएन बीएचडी, मलेशिया और मैसर्स डोंगवहा ग्लोबल सेल्स एसडीएन बीएचडी, मलेशिया के संबंध में व्यक्तिगत पाटन मार्जिन का निर्धारण नहीं किया है।

चीन जन.गण. के सभी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

38. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पिछले तीन वर्षों में पाटनरोधी जांचों में भारत ने चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में, पाटनरोधी नियमावली में उल्लिखित शर्तों के अनुसार निर्यातक अथवा व्यक्तिगत निर्यातक/उत्पादक द्वारा इस प्रकल्पना के खंड के अध्यधीन माना है। पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैराग्राफ 8 के अनुसार यदि चीन जन.गण. का कोई उत्पादक/निर्यातक पैराग्राफ 8 के उप-पैराग्राफ (3) में विनिर्धारित प्रक्रिया के आधार पर पर्याप्त साक्ष्य और सूचना प्रदान करके गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की प्रकल्पना का खंडन करता है और इसके विपरीत तथ्य स्थापित करता है तो इस प्रकल्पना का खंडन किया जा सकता है। चीन जन.गण. के संबद्ध वस्तु के सहयोगकर्ता उत्पादकों/निर्यातकों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे बाजार अर्थव्यवस्था उपचार प्रश्नावली प्रत्युत्तर में पैराग्राफ 8 के उप-पैराग्राफ (3) में यथा उल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करें जिससे प्राधिकारी निम्नलिखित प्रतिमानों पर विचार कर सकें कि क्या :

- क. चीन जन.गण. में संबंधित फर्मों का कीमत, लागत और कच्चे माल सहित इनपुट, प्रौद्योगिकी की लागत, श्रम, आउटपुट, विक्री और निवेश के संबंध में निर्णय मांग एवं आपूर्ति को प्रतिबिम्बित करने वाले बाजार संकेतकों के अनुरूप और इस संबंध में राष्ट्र के किसी महत्वपूर्ण हस्तक्षेप के बिना किए जाते हैं और क्या प्रमुख इनपुटों की लागत बाजार मूल्यों को परावर्तित करती है;
- ख. इन फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली, द्वारा की गई महत्वपूर्ण विकृतियों, खासकर परिसंपत्तियों के अवक्षयण, अन्य बट्टे खाते में डाले गए, विनिमय व्यापार और ऋणों की क्षतिपूर्ति के जरिए भुगतान के अध्यधीन होती है।
- ग. यह फर्मों दिवालियापन और संपत्ति विधियों के अध्यधीन होती हैं जो इन फर्मों के प्रचालन के लिए विधिक निश्चितता और स्थिरता की गारंटी प्रदान करती है।
- घ. विनिमय दर संपरिवर्तन बाजार दरों पर किया जाता है।

39. प्राधिकारी ने चीन जन.गण. के निर्यातकों को निर्यातक प्रश्नावली और बाजार अर्थव्यवस्था उपचार (एमईटी) प्रश्नावली की प्रतियां प्रेषित की हैं। तथापि, किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने एमईटी का दावा नहीं किया है। उपर्युक्त के मद्देनजर प्राधिकारी चीन जन.गण. के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा-7 के अनुसार आगे की कार्यवाई करना उपयुक्त मानते हैं जिसमें निम्नलिखित प्रावधान है :

"गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तृतीय देश में संरचित मूल्य अथवा कीमत से अथवा उस कीमत से निर्धारित किया जाएगा जिस पर ऐसा तृतीय देश किसी अन्य देश को, जिसमें भारत भी शामिल है, निर्यात करता है अथवा जहां यह संभव न हो अथवा किसी अन्य तर्क संगत आधार पर, जिससे उस समान उत्पाद के लिए वास्तव में प्रदत्त कीमत अथवा भारत में संदेय कीमत, जिसमें तर्कसंगत लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए आवश्यक विधिवत समायोजन किए गए हों, के आधार पर किया जाएगा। निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा संबंधित देश के विकास के स्तर और प्रश्नाधीन उत्पाद पर विचार करते हुए तर्कसंगत ढंग से एक समुचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले तृतीय देश का चयन किया जाएगा और इस चयन के समय उपलब्ध कराई गई भरोसेमंद सूचना पर उचित विचार किया जाएगा। उस समय सीमा पर विशेष ध्यान दिया जाएगा जिसके अंदर बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी अन्य तृतीय देश के संबंध में किसी समान मामले में कोई समुचित जांच की गई हो। इस बाजार अर्थव्यवस्था वाले तृतीय देश के उक्त चयन किए जाने के संबंध में बिना किसी विलंब के जांच के पक्षकारों को सूचित किया जाएगा और उन्हें अपनी टिप्पणियां प्रस्तुत करने के लिए युक्तियुक्त समयावधि प्रदान की जाएगी।"

40. उपर्युक्त के मद्देनजर वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य का निर्धारण अनुबंध-1 के पैराग्राफ-7 को ध्यान में रखते हुए किया है। चीन से भारत को आयातित संबद्ध वस्तु के सामान्य मूल्य की गणना घरेलू उद्योग द्वारा प्रदान कराई गई सूचना के अनुसार प्रमुख कच्चे माल की इष्टतम खपत, घरेलू उद्योग के लिए अनुमत स्तरों पर संपरिवर्तन लागत, ब्याज, एसजीए आदि के साथ-साथ उत्पादन लागत पर तर्कसंगत लाभ कर विचार करते हुए की है। तदनुसार, निर्धारित प्रस्तावित सामान्य मूल्य अधोलिखित पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

थाईलैंड के सभी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

41. प्राधिकारी ने इस उत्पाद के थाईलैंड स्थित सभी ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों तथा थाईलैंड की सरकार को प्रश्नावलियां भेजीं। तथापि, थाईलैंड में इस संबद्ध वस्तु के किसी भी निर्यातक अथवा उत्पादक से प्राधिकारी को कोई भी प्रश्नावली प्रत्युत्तर प्राप्त नहीं हुआ है। इसलिए प्राधिकारी थाईलैंड के उत्पादकों/निर्यातकों के संबंध में पाटन मार्जिन का निर्धारण संबंधित उत्पादकों/निर्यातकों से प्रश्नावली प्रत्युत्तर के आधार पर करने में असमर्थ रहे हैं। घरेलू उद्योग ने थाईलैंड में सामान्य मूल्य का निर्धारण थाईलैंड में उत्पादन लागत के सर्वोत्तम प्राक्कलनों के आधार पर करने का दावा किया है। किसी अन्य हितबद्ध पक्षकार ने थाईलैंड में संबद्ध वस्तु के सामान्य मूल्य के संबंध में कोई अन्य सूचना प्रदान नहीं कराई है। इन परिस्थितियों के अंतर्गत, प्राधिकारी ने थाईलैंड में सामान्य मूल्य का निर्धारण थाईलैंड में उत्पादन लागत के उपलब्ध सर्वोत्तम प्राक्कलनों के आधार पर किया है। थाईलैंड से आयातित संबद्ध वस्तु के सामान्य मूल्य की संरचना घरेलू उद्योग द्वारा प्रदान कराई गई सूचना के अनुसार प्रमुख कच्चे माल की इष्टतम खपत, संपरिवर्तन लागत, ब्याज, घरेलू उद्योग के लिए एसजीए आदि के अनुमत स्तर के साथ-साथ उत्पादन लागत पर तर्कसंगत लाभ पर विचार करते हुए की है। तदनुसार इस तरह निर्धारित प्रस्तावित सामान्य मूल्य अधोलिखित पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

श्रीलंका के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

मैसर्स मेरबाक एमडीएफ लंका (प्राइवेट) लिमिटेड के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

42. श्रीलंका से मैसर्स मेरबाक एमडीएफ लंका (प्राइवेट) लिमिटेड ने प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर किया है। चूंकि इस कंपनी ने विहित स्वरूप और प्ररूप में प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर किया है, इसलिए प्राधिकारी ने इस कंपनी के संबंध में व्यक्तिगत पाटन मार्जिन का निर्धारण किया है।

43. मैसर्स मेरबाक एमडीएफ लंका (प्राइवेट) लिमिटेड के प्रश्नावली प्रत्युत्तर की विस्तृत जांच की गई। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि निर्यातक ने संबंधित सूचना विभिन्न परिशिष्टों में प्रदान कराई है, जिसकी जांच की गई है और निर्दिष्ट प्राधिकारी ने उसकी पुनः क्रास चेकिंग की। निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर में फाइल किया गया कंपनी का वित्तीय विवरण यह दर्शाता है कि इस कंपनी ने मलेशिया स्थित अपनी संबद्ध कंपनी मेरबाक हिलिर बेरहाद से *** प्रतिशत की दर पर यूएस डालर में ऋण किया है और उसे अपनी खाताबहियों में दर्शाया है और प्राधिकारी से ब्याज की *** प्रतिशत की दर पर यूएस डालर में ऋण लिया है और उसे अपनी खाताबहियों में दर्शाया है और प्राधिकारी से ब्याज की *** प्रतिशत दर को स्वीकार करने का अनुरोध

किया है क्योंकि इसका सत्यापन उसके लेखापरीक्षकों द्वारा किया गया है कि यह अंतरा-कंपनी ऋण का उचित मूल्यांकन *** प्रतिशत प्रतिवर्ष की बाजार दर पर किया गया है। इस संबंध में प्राधिकारी मेरबाक एमडीएफ लंका (प्राइवेट) लिमिटेड के संबंध में यह नोट करते हैं कि मेरबाक एमडीएफ लंका (प्राइवेट) लिमिटेड ने अपने इस दावे को पुनः दोहराया है कि मेरबाक श्रीलंका का सामान्य मूल्य कंपनी द्वारा अनुरक्षित रिकार्डों पर आधारित होना चाहिए, न कि किसी अन्य आधार पर। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि मेरबाक श्रीलंका ने इस आशय का कोई निर्णायक दस्तावेजी साक्ष्य अभी भी प्रस्तुत नहीं किया है कि खाता बहियों में प्रभारित *** प्रतिशत वार्षिक की व्याज दर उचित बाजार दर है और यह श्रीलंका में भी एट आर्म्स लेंगथ पर है। उपर्युक्त के मद्देनजर प्राधिकारी का यह विचार है कि इस कंपनी द्वारा मलेशिया में अपनी संबद्ध कंपनी से प्राप्त इन ऋणों पर *** प्रतिशत की दर से व्याज दर पर विचार किया जाना अपेक्षित है।

44. कंपनी द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रश्नावली प्रत्युत्तर पर विचार किया गया है। यह देखा जाता है कि निर्यातक ने अपने प्रत्युत्तर के संगत परिशिष्टों में संबद्ध वस्तु की बिक्री कीमत तथा अन्य विवरण प्रदान कराए हैं। यह देखा जाता है कि इस कंपनी की अपनी घरेलू बाजार में भारी बिक्री है। इस कंपनी द्वारा घरेलू बाजार में की गई बिक्रियों की जांच यह निर्धारित करने के लिए की गई कि क्या वह प्राधिकारी द्वारा निर्धारित उत्पादन लागत से अधिक थी। कंपनी द्वारा घरेलू बाजार में की गई बिक्रियों की जांच यह निर्धारण करने के लिए की गई कि क्या वह प्राधिकारी द्वारा निर्धारित किए गए उत्पादन लागत और मानी गई लाभप्रद बिक्रियों से अधिक थी। प्राधिकारी ने प्रस्तावित सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है जिसका उल्लेख पाटन मार्जिन दर्शाने वाली तालिका में किया गया है।

मलेशिया के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

मैसर्स राबिन रिसोर्सेस (मलेशिया) एसडीएन बीएचडी, मलेशिया

45. मलेशिया से मैसर्स राबिन रिसोर्सेस (मलेशिया) एसडीएन, बीएचडी मलेशिया ने प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर किया है। चूंकि इस कंपनी ने विहित स्वरूप और प्ररूप में प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर किया है इसलिए प्राधिकारी ने इस कंपनी के संबंध में व्यक्तिगत पाटन मार्जिन पर विचार किया है।

46. इस कंपनी द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रश्नावली प्रत्युत्तर पर विचार किया गया है। यह देखा जाता है कि निर्यातक ने अपने प्रत्युत्तर के संगत परिशिष्टों में संबद्ध वस्तु की बिक्री कीमत तथा अन्य विवरण प्रदान कराए हैं। यह देखा जाता है कि इस कंपनी की अपनी घरेलू बाजार में भारी बिक्री है। इस कंपनी द्वारा घरेलू बाजार में की गई बिक्रियों की जांच यह निर्धारित करने के लिए की गई कि क्या वह प्राधिकारी द्वारा निर्धारित उत्पादन लागत से अधिक थी। यह नोट किया जाता है कि इस कंपनी ने संगत अवधि के दौरान अपनी घरेलू बाजार में *** सीबीएम संबद्ध वस्तु की बिक्री की है। व्यापार का सामान्य अनुक्रम परीक्षण का अनुप्रयोग करने के पश्चात यह पाया गया कि घरेलू बाजार में *** सीबीएम (*** प्रतिशत) बिक्री लाभप्रद बिक्रियां थीं जिन पर सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए विचार किया गया है। प्रस्तावित सामान्य मूल्य को अधोलिखित पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

निर्यात कीमत का निर्धारण

चीन के मामले में निर्यात कीमत

47. प्राधिकारी ने इस उत्पाद के चीन स्थित ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों तथा चीन की सरकार को प्रश्नावली प्रेषित की थी। तथापि, प्राधिकारी को चीन में इस संबद्ध वस्तु के किसी भी उत्पादक/निर्यातक से कोई प्रश्नावली प्रत्युत्तर प्राप्त नहीं हुआ था। इसलिए, प्राधिकारी चीन के निर्यातकों/उत्पादकों के संबंध में पाटन मार्जिन का निर्धारण संबंधित उत्पादकों/निर्यातकों से प्राप्त प्रश्नावली प्रत्युत्तर के आधार पर नहीं कर सके। चीन के सभी उत्पादकों के संबंध में निर्यात कीमत का निर्धारण डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त आयात आंकड़ों के आधार पर किया गया है। निर्यात कीमत का निर्धारण डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त भारित औसत आयात कीमत के आधार पर किया गया है। फैक्टरी बाह्य स्तर पर निवल निर्यात कीमत का निर्धारण करने के उद्देश्य से रिकार्ड में उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना के अनुरूप अंतर्देशीय भाड़ा, समुद्रपारीय भाड़ा, अंतर्राष्ट्रीय बीमा, बैंक प्रभार, पत्तन प्रभार और वैट के आधार पर कीमत समायोजन किया गया है। तदनुसार, फैक्टरी बाह्य स्तर पर प्रस्तावित निवल निर्यात कीमत का निर्धारण किया गया है जिसे अधोलिखित पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

थाईलैंड के मामले में निर्यात कीमत

48. प्राधिकारी ने इस उत्पाद के थाईलैंड स्थित सभी ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों तथा थाईलैंड की सरकार को प्रश्नावलियां भेजीं। तथापि, थाईलैंड में इस संबद्ध वस्तु के किसी भी निर्यातक अथवा उत्पादक से प्राधिकारी को कोई भी प्रश्नावली प्रत्युत्तर प्राप्त नहीं हुआ है। इसलिए प्राधिकारी थाईलैंड के उत्पादकों/निर्यातकों के संबंध में पाटन मार्जिन का निर्धारण संबंधित उत्पादकों/निर्यातकों से प्रश्नावली प्रत्युत्तर के आधार पर करने में असमर्थ रहे हैं। थाईलैंड के सभी उत्पादकों के संबंध

में निर्यात कीमत का निर्धारण डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त आयात आंकड़ों के आधार पर किया गया है। निर्यात कीमत का निर्धारण डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त भारित औसत आयात कीमत के आधार पर किया गया है। फैक्टरी बाह्य स्तर पर निवल निर्यात कीमत का निर्धारण करने के उद्देश्य से रिकार्ड में उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना के अनुरूप अंतर्देशीय भाड़ा, समुद्रपारीय भाड़ा, अंतर्राष्ट्रीय बीमा, बैंक प्रभार, पत्तन प्रभार और वैट के आधार पर कीमत समायोजन किया गया है। तदनुसार, फैक्टरी बाह्य स्तर पर प्रस्तावित निवल निर्यात कीमत का निर्धारण किया गया है जिसे अधोलिखित पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

श्रीलंका के मामले में निर्यात कीमत का निर्धारण

मैसर्स मेरबाक एमडीएफ लंका (प्राइवेट) लिमिटेड, श्रीलंका के मामले में निर्यात कीमत

49. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि श्रीलंका के केवल मैसर्स मेरबाक एमडीएफ लंका (प्राइवेट) लिमिटेड, श्रीलंका ने ही प्राधिकारी द्वारा निर्धारित स्वरूप और प्रपत्र में प्रत्युत्तर दिया है और नियमानुसार निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए अपेक्षित सूचना प्रस्तुत की है। चूंकि इस कंपनी ने संगत सूचना प्रदान कराई है, इसलिए प्राधिकारी ने इस कंपनी के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण इसके प्रश्नावली प्रत्युत्तर के आधार पर किया है। सीआईएफ निर्यात कीमत का निर्धारण भारत में सभी आयातों के भारित औसत आयात कीमत के आधार पर किया गया है। प्राधिकारी ने फैक्टरी बाह्य स्तर पर निवल निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए प्रश्नावली प्रत्युत्तर में निर्यातक द्वारा यथादावाकृत अंतर्देशीय भाड़ा, समुद्रपारीय भाड़ा, अंतर्राष्ट्रीय बीमा, बैंक प्रभार, पत्तन प्रभार, क्रेडिट लागत, निकासी एवं प्रहस्तन प्रभारों का समायोजन किया है। तदनुसार फैक्टरी बाह्य स्तर पर निर्धारित निवल निर्यात कीमत को अधोलिखित पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

श्रीलंका के असहयोगकर्ता निर्यातकों/उत्पादकों के संबंध में निर्यात कीमत

50. श्रीलंका के अन्य सभी उत्पादकों/निर्यातकों के मामले में निर्यात कीमत का निर्धारण मैसर्स मेरबाक एमडीएफ लंका (प्राइवेट) लिमिटेड श्रीलंका द्वारा प्राधिकारी के समक्ष दायर प्रश्नावली प्रत्युत्तर पर विचार करते हुए उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना के आधार पर किया है। फैक्टरी बाह्य स्तर पर निवल निर्यात कीमत का निर्धारण करने के उद्देश्य से अंतर्देशीय भाड़ा, समुद्रपारीय भाड़ा, अंतर्राष्ट्रीय बीमा, बैंक प्रभार, क्रेडिट लागत, निकासी एवं प्रहस्तन प्रभारों के लिए कीमत समायोजन किया गया है। तदनुसार, फैक्टरी बाह्य स्तर पर प्रस्तावित निवल निर्यात कीमत का निर्धारण किया गया है, जिसको अधोलिखित पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

मलेशिया के मामले में निर्यात कीमत का निर्धारण

मैसर्स राबिन रिसोर्सेस (मलेशिया) एसडीएन बीएचडी मलेशिया

51. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि मलेशिया के केवल मैसर्स राबिन रिसोर्सेस (मलेशिया) एसडीएन, बीएचडी मलेशिया ने ही प्राधिकारी द्वारा निर्धारित स्वरूप और प्रपत्र में संपूर्ण प्रत्युत्तर दायर किया है और नियमानुसार निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए अपेक्षित सूचना प्रस्तुत की है। चूंकि इस कंपनी ने संगत सूचना प्रदान कराई है, इसलिए प्राधिकारी ने इस कंपनी के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण इसके प्रश्नावली प्रत्युत्तर के आधार पर किया है। सीआईएफ निर्यात कीमत का निर्धारण भारत में सभी आयातों के भारित औसत आयात कीमत के आधार पर किया गया है। प्राधिकारी ने फैक्टरी बाह्य स्तर पर निवल निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए प्रश्नावली प्रत्युत्तर में निर्यातक द्वारा यथादावाकृत अंतर्देशीय भाड़ा, समुद्रपारीय भाड़ा, अंतर्राष्ट्रीय बीमा, बैंक प्रभार, पत्तन प्रभार, क्रेडिट लागत, निकासी एवं प्रहस्तन प्रभारों का समायोजन किया है। तदनुसार फैक्टरी बाह्य स्तर पर निर्धारित निवल निर्यात कीमत को अधोलिखित पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

मलेशिया के अन्य उत्पादकों/निर्यात के मामले में निर्यात कीमत

52. मलेशिया के अन्य सभी उत्पादकों/निर्यातकों के मामले में निर्यात कीमत का निर्धारण मैसर्स राबिन रिसोर्सेस (मलेशिया) एसडीएन बीएचडी, मलेशिया द्वारा प्राधिकारी के समक्ष दायर प्रश्नावली प्रत्युत्तर पर विचार करते हुए उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना के आधार पर किया है। फैक्टरी बाह्य स्तर पर निवल निर्यात कीमत का निर्धारण करने के उद्देश्य से अंतर्देशीय भाड़ा, समुद्रपारीय भाड़ा, अंतर्राष्ट्रीय बीमा, बैंक प्रभार, क्रेडिट लागत, निकासी एवं प्रहस्तन प्रभारों के लिए कीमत समायोजन किया गया है। तदनुसार, फैक्टरी बाह्य स्तर पर प्रस्तावित निवल निर्यात कीमत का निर्धारण किया गया है, जिसको अधोलिखित पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

पाटन मार्जिन तालिका

53. ऊपर यथानिर्धारित प्रस्तावित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत पर विचार करते हुए संबद्ध देशों के उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्रस्तावित पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नवत किया गया है :

संबद्ध देश	सामान्य मूल्य (यूएस डालर)	निर्यात कीमत (यूएस डालर)	पाटन मार्जिन (यूएस डालर)	पाटन मार्जिन %	पाटन मार्जिन % रेंज
चीन जन.गण.	***	***	***	***	65-75
थाईलैंड	***	***	***	***	45-55
मलेशिया	***	***	***	***	
-मैसर्स राबिन रिसोर्सेस (मलेशिया) एसडीएन बीएचडी मलेशिया	***	***	***	***	0-10
- मलेशिया का कोई अन्य उत्पादक/निर्यातक	***	***	***	***	15-25
श्रीलंका					
-मैसर्स मेरबाक एमडीएफ लंका (प्राइवेट) लिमिटेड, श्रीलंका	***	***	***	***	0-10
-श्रीलंका का कोई अन्य उत्पादक/निर्यातक	***	***	***	***	5-15

च. क्षति एवं कारणात्मक संबंध का आकलन

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण

54. क्षति एवं कारणात्मक संबंधों के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित प्रस्तुतिकरण किए गए हैं :

- (i) इस विचाराधीन उत्पाद के आयातों का पाटन इंडोनेशिया और वियतनाम के निर्यातकों द्वारा भी किया जा रहा है। प्राधिकारी ने पहले ही जांच की शुरुआत कर रखी है और उन पर कार्रवाई चल रही है। वर्तमान जांच में संबद्ध देशों के कई उत्पादकों की इंडोनेशिया और वियतनाम में उत्पादन सुविधाएं हैं और उन्होंने इन देशों से पाटन करना प्रारंभ कर दिया है। वास्तव में, प्राधिकारी के समक्ष दायर किए गए प्रश्नावली प्रत्युत्तरों से यह स्पष्ट तौर पर सिद्ध होता है कि इन देशों से भारी मात्रा में निर्यात किए गए हैं। प्राधिकारी को वर्तमान निर्धारण पर विचार करते समय संबद्ध देशों के कुछ उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा इन नए देशों से पाटन को शिफ्ट करने के तथ्य पर विचार करना चाहिए। यह वर्तमान अवधि के दौरान क्षति का आकलन करने तथा पाटनरोधी शुल्क को समाप्त कर देने की स्थिति में पाटन एवं क्षति की संभावना दोनों पर ही संगत है।
- (ii) जांच की अवधि में कुल आयातों में संबद्ध देशों के आयातों के हिस्से में आधार वर्ष से तुलना करने पर कमी आई है परंतु यह पाटनरोधी शुल्क लगे होने के बावजूद काफी अधिक बना रहा। स्पष्ट रूप से इस हिस्से में कमी पहले अधिरोपित की गई पाटनरोधी शुल्क को देखते हुए आई है। वर्ष 2004-05 से वर्ष 2008-09 के रूझानों में (77 प्रतिशत से 98 प्रतिशत तक के बीच) यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि कुल आयातों में संबद्ध देशों के हिस्से में पाटनरोधी शुल्क को समाप्त कर दिए जाने की स्थिति में वृद्धि होने की संभावना है।
- (iii) भारत में खपत के संबंध में संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा में जांच की अवधि के दौरान आधार वर्ष की तुलना में कमी आई है परंतु यह कमी पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण किए जाने के कारण और कुछ हद तक कुछ आयात अन्य देशों से किए जाने के कारण आई है।

- (iv) भारतीय उत्पादन के संबंध में संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा में आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में गिरावट आई है। यह गिरावट पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण किए जाने और कुछ हद आयात अन्य देशों से अंतरित किए जाने के कारण आई है।
- (v) संबद्ध आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगे होने के कारण घरेलू उद्योग अपनी स्थिति में कुछ हद तक सुधार करने में सक्षम रहा है। तथापि उसे मात्रा पैरामीटरों और कम लाभ के रूप में अभी भी क्षति हो रही है।
- (vi) इस विचाराधीन उत्पाद के लिए देश में मांग बढ़ने के बावजूद घरेलू उद्योग अपनी क्षमताओं का पूरा-पूरा उपयोग करने में सक्षम नहीं हो पाया है।
- (vii) इसके अतिरिक्त, मालसूची में और अधिक बढ़ोतरी हुई है।
- (viii) पाटित आयातों के कारण भारी कीमत अधोरदन एवं अधोविक्रयण हुआ है।
- (ix) भारतीय उद्योग को मालसूची का अंवार लगने के कारण अपना उत्पादन बंद करने को मजबूर होना पड़ा है।
- (x) बाजार में उत्पाद का पाटन होने के परिणामस्वरूप भारतीय उद्योग को निरंतर वास्तविक क्षति हुई है।
- (xi) जांच की अवधि के दौरान लाभ में कमी होने से यह संकेत मिलता है कि पाटित आयात घरेलू उद्योग को प्रभावित कर रहे हैं।
- (xii) क्षति अवधि में वेतन में वृद्धि हुई है परंतु प्रति यूनिट वेतन में गिरावट आई है। यह तो समझ में आ रहा है कि घरेलू उद्योग भारी मात्रा में वेतन में कटौती करने को सहन नहीं कर सकता है, क्योंकि किसी भी कंपनी के लिए यह अंतिम सहारा होता है। उत्पादन में प्रति यूनिट वेतन में गिरावट यह दर्शाती है कि यह नए उत्पादन प्रचालनों का प्रभाव है और लाभ में वृद्धि काफी हद तक इसी कारण से हुई है।
- (xiii) संबद्ध देशों के अलावा इंडोनेशिया और वियतनाम का आयात भी संबद्ध वस्तु के आयातों की कुल मात्रा का 3 प्रतिशत से अधिक है। तथापि, चूंकि मौजूदा जांच एक निर्णायक समीक्षा जांच है, इसलिए इस स्तर पर अन्य देशों को विचाराधीन उत्पाद के दायरे के अंतर्गत शामिल नहीं किया जा सकता है। तथापि, उद्योग ने एक पृथक याचिका दायर की है जो प्राधिकारी के पास विचाराधीन है।
- (xiv) क्षति अवधि में संबद्ध देशों के आयातों में पिछले वर्ष तथा पिछली जांच की तुलना में मामूली सी कमी आई है परंतु जांच की अवधि में इसमें वृद्धि हुई है और यह वृद्धि भारी मात्रा में जारी है। इससे कारणात्मक संबंध स्थापित होता है।

उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

55. क्षति एवं कारणात्मक संबंध के बारे में विदेशी उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने निम्नलिखित प्रस्तुतिकरण किए हैं :

- (i) तथाकथित घरेलू उद्योग को कोई क्षति अथवा कारणात्मक संबंध नहीं है।
- (ii) मलेशिया से भारत की मात्रा घरेलू उद्योग को क्षति कारित नहीं कर रही है मलेशिया से तथा अन्य संबद्ध देशों से आयातों में तथा कुल आयातों में उनके हिस्से में भारी कमी आई है।
- (iii) कोई कीमत निग्रहण और कीमत अवमंदन नहीं हुआ है। बिक्री कीमत में बढ़ोतरी उसी अवधि के दौरान हुई लागत में वृद्धि की तुलना में बहुत अधिक है। उतराई मूल्य, जो आधार वर्ष में 100 (अनुक्रमित) था, उसमें भारी वृद्धि हुई और वह जांच की अवधि के दौरान बढ़कर 127 (अनुक्रमित) हो गया।
- (iv) घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग और उसके उत्पादन में भारी बढ़ोतरी हुई है।
- (v) लाभ, नकद लाभ और नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ (आरओसीई) में भारी वृद्धि हुई है।
- (vi) मूल जांच में बिक्री मात्रा का प्रकटन किया गया था और घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री मात्रा और मूल्य में भारी सुधार हुआ है।

- (vii) क्षमता में बढ़ोतरी हुई जिसके कारण अधिक ऋण लेना पड़ा और अधिक ऋण के परिणामस्वरूप व्याज व्यय में बढ़ोतरी हुई और इसके परिणामस्वरूप प्रति यूनिट लागत बढ़ गई।
- (viii) वेतन और अवक्षयण लागत में वृद्धि हुई है परंतु इसमें क्षमता संवर्धन न होने के कारण गिरावट आनी चाहिए थी।
- (ix) क्षति जांच अवधि के दौरान लाभ में 205 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है।
- (x) क्षति जांच अवधि में नकद लाभ में 872 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।
- (xi) नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ में आपवादिक रूप से 407 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।
- (xii) कर्मचारियों की संख्या के आंकड़े गोपनीय हैं और इस तथ्य के कारण कोई क्षति नहीं हुई है।
- (xiii) प्रदत्त भूति और याचिकाकर्ता की उत्पादकता में भारी वृद्धि हुई है।
- (xiv) भारी कीमत अधोरदन से यह संकेत मिलता है कि याचिकाकर्ता की घरेलू कीमतें संबद्ध देशों में से प्रत्येक के लिए तयशुदा संदर्भ कीमतों से काफी अधिक हैं, इससे यह संकेत मिलता है कि संबद्ध देशों की आपात कीमत का घरेलू कीमतों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है और घरेलू कीमतों में उतार-चढ़ाव स्वतंत्र रूप से होता है। वियतनाम से आयात कीमतें घरेलू कीमतों को प्रभावित नहीं कर रही हैं।
- (xv) पुराने उत्पादकों द्वारा अपने प्रचालनों के बंद किए जाने और नए उत्पादकों के निष्पादन में सर्वतोन्मुखी सुधार होने से यह संकेत मिलता है कि घरेलू उत्पादकों के प्रचालन व्याप्त स्थानीय घटकों से प्रभावित नहीं हो रहे हैं और उसमें उतार-चढ़ाव के कारण घरेलू बाजार में अंतर्निहित हैं।
- (xvi) संबद्ध देशों से आयातों के कारण कोई कीमत अधोविक्रयण नहीं हुआ है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

क्षति का संचयी आकलन

56. नियमावली के अनुबंध-II (iii) के अनुसार यदि किसी पाटनरोधी जांच में एक से अधिक देशों से किसी उत्पाद के आयातों की जांच की जा रही है तो प्राधिकारी से इन आयातों के प्रभावों का संचयी आकलन करने की केवल तब अपेक्षा की जाती है जब वह यह निर्धारित करते हैं कि :

- क. प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में स्थापित और निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में अभिव्यक्त पाटन मार्जिन 2 प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से समान वस्तु के आयातों की मात्रा आयातों के 3 प्रतिशत से अधिक है अथवा जहां अलग-अलग देशों के निर्यात 3 प्रतिशत से कम हैं और यह आयात समान वस्तु के कुल आयातों की तुलना में सामूहिक रूप से 7 प्रतिशत से अधिक है; और
- ख. आयातित वस्तु तथा समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की शर्तों के आलोक में आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन करना उपयुक्त हों।

57. वर्तमान मामले में संबद्ध वस्तु के संबंध में यह जांच एक से अधिक देश के लिए की जा रही है। इसलिए, प्राधिकारी ने यह जांच की है कि क्या इस संबद्ध वस्तु के इन संबद्ध देशों से आयातों के संबंध में घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति का निर्धारण संचयी रूप से करना चाहिए। प्राधिकारी ने यह पाया है कि संबद्ध देशों से संचयी पाटन का मार्जिन 2 प्रतिशत से अधिक है और आयातों की संचयी मात्रा 7 प्रतिशत से अधिक है। इन संबद्ध देशों के बारे में क्षति का संचयी आकलन करना निम्नलिखित के मद्देनजर उपयुक्त होगा :

- (i) संबद्ध वस्तु का आयात संबद्ध देशों से समान प्रशुल्क वर्गीकरण के अंतर्गत किया गया है;
- (ii) प्राधिकारी ने यह पाया है कि आयातित संबद्ध वस्तु घरेलू रूप से उत्पादित विचाराधीन उत्पाद का वाणिज्यिक प्रतिस्थानी है;
- (iii) प्राधिकारी को दी गई सूचना से यह युक्तियुक्त संकेत मिलता है कि संबद्ध देशों से किए गए निर्यात एक ही बाजार में और समान उत्पादों से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

- (iv) संबद्ध देशों से यह आयात ग्राहकों की समान श्रेणी से किए गए हैं जो इस उत्पाद की घरेलू उद्योग से खरीद कर रहे हैं।

58. प्राधिकारी यह प्रतिपादित करते हैं कि इस संबद्ध वस्तु के आयातों के घरेलू रूप से उत्पादित समान वस्तु पर प्रभाव का संचयी आकलन करना उपयुक्त होगा।

59. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को परिणामी क्षति के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों के विभिन्न प्रस्तुतिकरणों को नोट किया है और उस पर रिकार्ड में उपलब्ध तथ्यों तथा लागू विधि के अनुसार विचार करते हुए उसका विश्लेषण किया है।

60. इस संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए विभिन्न प्रस्तुतिकरणों पर विचार करते हुए प्राधिकारी इन संबद्ध देशों से आयातों के कारण पाटन एवं क्षति की संभावना के पहलू की जांच करने से पहले घरेलू उद्योग को मौजूदा क्षति, यदि कोई, की जांच करने की ओर अग्रसर होते हैं।

61. अनुबंध-II के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 में यह प्रावधान है कि किसी क्षति निर्धारण में उन सब कारकों की जांच अंतर्ग्रस्त होगी जिनसे घरेलू उद्योग को क्षति का संकेत मिलता हो,

".....सभी संगत कारकों, जिसमें पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तु के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनका प्रभाव और इस वस्तु के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों का परिणामी प्रभाव शामिल होगा, को ध्यान में रखते हुए कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय यह जांच करना आवश्यक माना जाता है कि क्या इन पाटित आयातों द्वारा भारी कीमत अधोरदन किया गया है।

62. भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए पूर्वोक्त नियमावली के अनुबंध-II के अनुसार उन सभी अभिसूचकों पर विचार किया जाता है जिनका उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता है जैसे उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्रापण, पाटन की मात्रा एवं उसका मार्जिन आदि।

63. वर्तमान जांच प्रभावी पाटनरोधी शुल्क की एक निर्णायक समीक्षा जांच है। नियम 23 में यह प्रावधान है कि नियम 11 के उपबंध समीक्षा के मामलों पर भी यथावश्यक परिवर्तनों सहित लागू होंगे। इसलिए, प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को क्षति का निर्धारण अनुबंध-II के साथ पठित नियम 11 के उपबंधों पर यथावश्यक परिवर्तनों सहित विचार करते हुए किया है। चूंकि इस विचाराधीन उत्पाद के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क प्रभावी है इसलिए प्राधिकारी ने यह विचार किया कि क्या संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों पर मौजूदा पाटनरोधी शुल्क में घरेलू उद्योग को क्षति की जांच करते समय वृद्धि किया जाना अपेक्षित है। प्राधिकारी यह प्रतिपादित करते हैं कि मौजूदा क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को क्षति होना पाटनरोधी शुल्क में विस्तार करने की एक पूर्वपेक्षा नहीं है। इसलिए घरेलू उद्योग को क्षति न होने के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों कि द्वारा दिया गया तर्क यह सिद्ध नहीं करता है कि मौजूदा पाटनरोधी शुल्क में विस्तार किया जाना अपेक्षित नहीं है। हितबद्ध पक्षकारों ने यह सिद्ध नहीं किया है कि यदि पाटनरोधी शुल्क को समाप्त कर दिया जाता है तो ऐसी स्थिति में भी घरेलू उद्योग को समाप्त कर दिया जाता है तो ऐसी स्थिति में भी घरेलू उद्योग को क्षति होने की संभावना नहीं है। सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम की धारा 9(क)(5) के अनुसार अधिरोपित पाटनरोधी शुल्क, यदि उसका पहले प्रतिसंहरण नहीं कर दिया जाता है, तो ऐसे अधिरोपण की तारीख से पांच वर्षों की अवधि की समाप्ति पर निष्प्रभावी हो जाएगा, परंतु शर्त यह है कि यदि किसी समीक्षा में केंद्रीय सरकार की यह दृष्टिकोण बन जाता है कि उक्त शुल्क को समाप्त कर देने से पाटन एवं क्षति की निरंतरता बने रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है तो वह समय-समय पर उक्त अधिरोपण की अवधि में पांच अन्य वर्षों के लिए विस्तार कर सकती है और विस्तार की यह अवधि ऐसे विस्तार के आदेश की तारीख से प्रारंभ होगी।

64. वर्तमान क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ, प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के घरेलू उद्योग पर कीमत एवं मात्रा प्रभाव और उसकी कीमतों एवं लाभप्रदता पर इसके प्रभाव की जांच क्षति की मौजूदगी तथा क्षति और पाटन के बीच कारणात्मक संबंध, यदि कोई हो, की जांच करने के लिए की है। प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को क्षति की जांच ग्रीनप्लाइ इंडस्ट्रीज लिमिटेड के संबंध में उपलब्ध सूचना पर विचार करते हुए की है और यह विचार किया है कि यह कंपनी नियमावली के आशय के अंतर्गत घरेलू उद्योग है। तदनुसार पाटित आयातों के मात्रा एवं कीमत प्रभाव की जांच निम्नवत की गई है।

मांग एवं बाजार हिस्सा

पाटित आयातों का मात्रा प्रभाव तथा घरेलू उद्योग पर उसका प्रभाव

मांग एवं बाजार हिस्सा

65. प्राधिकारी ने देश में इस उत्पाद की मांग अथवा उसकी प्रत्यक्ष खपत का निर्धारण भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्रियों और सभी स्रोतों से आयातों के कुल जोड़ के रूप में की है। इस तरह आकलित मांग को अधोलिखित तालिका में देखा जा सकता है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि क्षति अवधि में देश में इस उत्पाद की मांग में वृद्धि हुई है।

विवरण	यूनिट	2010-11	2011-12	2012-13	जांच की अवधि
घरेलू उद्योग की बिक्रियां	सीबीएम	18,514	82,346	1,06,425	99,536
प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	445	575	538
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्रियां	सीबीएम	86,001	85,460	99,683	1,26,678
प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	99	116	147
भारत में आयात	सीबीएम	1,02,231	93,131	1,16,452	1,34,261
कुल संबद्ध देश	सीबीएम	61,161	59,382	52,432	54,282
अन्य देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क जांच चल रही है	सीबीएम	27,587	22,883	46,564	61,725
अन्य देश	सीबीएम	13,483	10,866	17,455	18,254
भारत में मांग	सीबीएम	2,06,746	2,60,937	3,22,560	3,60,474

66. यह देखा जा सकता है कि क्षति अवधि में इस उत्पाद की मांग में वृद्धि हुई है।

आयात मात्रा एवं बाजार हिस्सा

67. प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तु के आयात की मात्रा की जांच की है। खेपवार आयात आंकड़े वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकीय महानिदेशालय से प्राप्त किए गए हैं और उनको ही वर्तमान प्रयोजन के लिए अपनाया गया है। संबद्ध देशों तथा अन्य देशों से आयात मात्रा निम्नलिखित है :

विवरण	यूनिट	2010-11	2011-12	2012-13	जांच की अवधि
आयात मात्रा					
चीन	एमबीएम	2,807	1,312	469	304
मलेशिया	एमबीएम	33,885	25,124	20,700	23,882
थाईलैंड	एमबीएम	2,728	489	2,254	2,734
श्रीलंका	एमबीएम	21,741	32,457	29,008	27,362
संबद्ध देश	एमबीएम	61,161	59,382	52,432	54,282
अन्य देश जिन पर पाटनरोधी जांच चल रही है	एमबीएम	27,587	22,883	46,564	61,725
अन्य देश	एमबीएम	13,483	10,866	17,455	18,254
कुल आयात	एमबीएम	1,02,231	93,131	1,16,452	1,34,261

68. उपर्युक्त तालिका से यह स्पष्ट है कि संबद्ध देशों से आयात have declined during the POI as compared to the base year but still जांचाधीन देशों से आयात में आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में भारी वृद्धि हुई है।

69. याचिकाकर्ता ने यह तर्क दिया है कि इस विचाराधीन उत्पाद के वियतनाम और इंडोनेशिया के निर्यातकों द्वारा भी किए गए आयातों का भी पाटन किया जा रहा है। इस संबंध में यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी ने एक जांच प्रारंभ की है जिसमें वीआरजी डोंगवा, वियतनाम ने प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर किया है। इस उत्पादक की मलेशिया और वियतनाम दोनों ही स्थानों पर उत्पादन सुविधाएं हैं। प्राधिकारी ने इस निर्यातक द्वारा उस जांच में रिपोर्ट किए गए निर्यातों की मात्रा की भी जांच की है। यह नोट किया जाता है कि इस निर्यातक ने उस जांच में वियतनाम से भारी मात्रा में निर्यात किए हैं। अतः, यह स्पष्ट है कि डोंगवा ग्रुप की कंपनियों ने वियतनाम से भी निर्यात करना आरंभ कर दिया है। यदि उस देश से किए गए आयातों पर भी विचार किया जाता है तो यह देखा जा सकता है कि निर्यातों की मात्रा में भारी वृद्धि हुई है।

70. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि वर्तमान जांच निर्णायक समीक्षा जांच की प्रकृति की हैं और इसलिए आयातों में वृद्धि होना इसका निर्धारण करने के लिए किसी भी हाल में एक अपेक्षित पूर्वपिक्षा नहीं है।

71. प्राधिकारी ने आयातों की मात्रा की जांच भारत में उत्पादन और खपत के संबंध में की है। भारत में इस विचाराधीन उत्पाद की खपत में संबद्ध देशों तथा अन्य देशों का बाजार हिस्सा निम्नलिखित है :

विवरण	यूनिट	2010-11	2011-12	2012-13	जांच का अवधि
घरेलू उद्योग की बिक्रियां	%	8.96	31.56	32.99	27.61
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्रियां	%	41.60	32.75	30.90	35.14
भारत से आयात	%	49.45	35.69	36.10	37.25
चीन	%	1.36	0.50	0.15	0.08
मलेशिया	%	16.39	9.63	6.42	6.63
थाईलैंड	%	1.32	0.19	0.70	0.76
श्रीलंका	%	10.52	12.44	8.99	7.59
कुल संबद्ध देश	%	29.58	22.76	16.26	15.06
अन्य देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क जांच चल रही है	%	13.34	8.77	14.44	17.12
अन्य देश	%	6.52	4.16	5.41	5.06
भारत में मांग	%	100.00	100.00	100.00	100.00

72. यह स्पष्ट है कि इस विचाराधीन उत्पाद की खपत में संबद्ध देशों के बाजार हिस्से में गिरावट आई है। तथापि, यह देखा जाता है कि जांचाधीन अन्य देशों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है। किसी भी हाल में, संबद्ध देशों का बाजार हिस्सा पाटनरोधी शुल्क लगे होने के बावजूद काफी अधिक बना रहा। It is also noted that the market share of not only domestic industry and also of other domestic producers significantly increased over the injury period.

कीमत प्रभाव

पाटित आयातों का कीमत प्रभाव और घरेलू उद्योग पर उसका प्रभाव

73. घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच कीमत अधोरदन, कीमत अधोविक्रयण, कीमत निग्रहण और कीमत अवमंदन के संबंध में की गई है। इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत, बिक्री कीमत और

घरेलू उद्योग की गैर-क्षतिकारी कीमत (एनआईपी) की तुलना संबद्ध देशों से आयातों के उतराई मूल्य से की गई है। जांच की अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु के लिए पाटित आयातों के उतराई मूल्य तथा घरेलू बाजार में घरेलू बिक्री कीमतों से तुलना की गई है। घरेलू उद्योग के निवल बिक्री प्रापण का निर्धारण करने में घरेलू उद्योग द्वारा उपगत किए गए कर्षों, रिबेंट, डिस्काउंट और कमीशन का समायोजन किया गया है। कीमत अधोविक्रयण क्षति आकलन का एक महत्वपूर्ण संकेतक है। अतः प्राधिकारी ने गैर-क्षतिकारी कीमत का निर्धारण किया है और कीमत अधोविक्रयण का निर्धारण करने के लिए उसकी तुलना उतराई मूल्य से की है। घरेलू उद्योग के लिए गैर-क्षतिकारी कीमत का मूल्यांकन जांच की अवधि के दौरान इस विचाराधीन उत्पाद की उत्पादन लागत पर विचार करते हुए उपयुक्त रूप से सिद्धांतों के अनुरूप किया है।

कीमत अधोरदन

74. प्राधिकारी ने यह विचार किया है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में आयातों द्वारा भारी कीमत अधोरदन किया गया है या क्या इन आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमतों का भारी मात्रा में निग्रहण करना है अथवा कीमतों को बढ़ने से निवारित करना है जिनमें अन्यथा भारी मात्रा में वृद्धि हुई होती है। कीमत अधोरदन विश्लेषण का विवरण निम्नलिखित है :

विवरण	यूनिट	2010-11	2011-12	2012-13	जांच की अवधि
घरेलू उद्योग का निवल बिक्री प्रापण	रुपए/सीबीएम	***	***	***	***
मलेशिया		***	***	***	***
उतराई कीमत	रुपए/सीबीएम	***	***	***	***
कीमत अधोरदन	रुपए/सीबीएम	***	***	***	***
कीमत अधोरदन	%	***	***	***	***
कीमत अधोरदन रेंज	%	10-20	10-20	15-25	20-30
श्रीलंका					
उतराई कीमत	रुपए/सीबीएम	***	***	***	***
कीमत अधोरदन	रुपए/सीबीएम	***	***	***	***
कीमत अधोरदन	%	***	***	***	***
कीमत अधोरदन रेंज	%	10-20	15-25	15-25	15-25
थाईलैंड					
उतराई कीमत	रुपए/सीबीएम	***	***	***	***
कीमत अधोरदन	रुपए/सीबीएम	***	***	***	***
कीमत अधोरदन	%	***	***	***	***
कीमत अधोरदन रेंज	%	10-20	0-10	5-15	10-20
चीन जन.गण.					
उतराई कीमत	रुपए/सीबीएम	***	***	***	***
कीमत अधोरदन	रुपए/सीबीएम	***	***	***	***

विवरण	यूनिट	2010-11	2011-12	2012-13	जांच की अवधि
कीमत अधोरदन	%	***	***	***	***
कीमत अधोरदन रेंज	%	5-15	25-35	15-25	10-20
संबद्ध देश समग्र रूप से					
उतराई कीमत	रुपए/सीबीएम	***	***	***	***
कीमत अधोरदन	रुपए/सीबीएम	***	***	***	***
कीमत अधोरदन	%	***	***	***	***
कीमत अधोरदन रेंज	%	10-20	10-20	15-20	15-25

75. उपर्युक्त तालिका से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि इस विचाराधीन उत्पाद की उतराई कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से बहुत कम है। संपूर्ण क्षति अवधि के दौरान भारी कीमत अधोरदन हुआ है। पाटित आयातों की मात्रा भी बहुत अधिक है।

कीमत अधोविक्रयण

76. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि कीमत अधोविक्रयण क्षति के आकलन की एक महत्वपूर्ण अभिसूचक है। गैर-क्षतिकारी कीमत का निर्धारण किया गया है और कीमत अधोविक्रयण का निर्धारण करने के लिए उसकी तुलना संबद्ध वस्तु के उतराई मूल्य से की गई है। गैर-क्षतिकारी कीमत का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III के अनुसार जांच की अवधि के दौरान इस विचाराधीन उत्पाद के लिए घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत पर विचार करते हुए किया गया है। सभी देशों के लिए गैर-क्षतिकारी कीमत पर विचार नियमावली के अनुबंध-III के उपबंधों पर विचार करते हुए मैसर्स ग्रीनप्लाई की उत्पादन लागत के आधार पर किया गया है। अधोलिखित तालिका में दिए गए आंकड़ों का विश्लेषण यह दर्शाता है कि मलेशिया, चीन, श्रीलंका और थाईलैंड संबंध में संबद्ध आयातों का उतराई मूल्य घरेलू उद्योग की गैर-क्षतिकारी कीमत से कम था, इसलिए, इसके परिणामस्वरूप भारी सकारात्मक कीमत अधोविक्रयण हुआ है।

संबद्ध देश	गैर-क्षतिकारी कीमत	उतराई कीमत	कीमत अधोविक्रयण	कीमत अधोविक्रयण %	
	यूएस डालर/सीबीएम	यूएस डालर/सीबीएम	यूएस डालर/सीबीएम	%	% रेंज
मलेशिया	***	***	***	***	25-35
थाईलैंड	***	***	***	***	10-20
श्रीलंका	***	***	***	***	15-25
चीन	***	***	***	***	10-20

कीमत निग्रहण और अवमंदन

77. प्राधिकारी ने यह जांच की है कि क्या आयातों के प्रभाव से भारत में इस समान वस्तु की कीमतों अवमंदन हुआ है अथवा कीमतों में वृद्धि होने से निवारित किया गया है, जिनमें अन्यथा भारी मात्रा में वृद्धि हुई होती। संक्षेप में यह विश्लेषण अधोलिखित तालिका से देखा जा सकता है।

विवरण	यूनिट	2010-11	2011-12	2012-13	जांच की अवधि
बिक्री लागत	रुपए/सीबीएम	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	113	114	116
बिक्री कीमत	रुपए/सीबीएम	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	109	128	133
संबद्ध देशों की उतराई कीमत	रुपए/सीबीएम	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	110	128	127

78. उपर्युक्त तालिका से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि क्षति अवधि में बिक्री लागत और बिक्री कीमत दोनों में ही वृद्धि हुई। घरेलू उद्योग पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण होने से अपनी बिक्री कीमत में वृद्धि करने में सक्षम रहा है। तथापि, यह नोट किया जाता है कि आयातों की उतराई कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से वास्तव में कम है। इसलिए, यदि वर्तमान शुल्क को समाप्त कर देने की अनुमति दी जाती है तो आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों में भारी अधोरदन होने की संभावना है, इससे भारी कीमत निग्रहण होगा।

घरेलू उद्योग के अन्य आर्थिक पैरामीटरों की जांच

79. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-11 में यह अपेक्षा की जाती है कि क्षति के निर्धारण में समान उत्पाद के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की उद्देश्यपरक जांच अंतर्गुप्त होगी। इसके अतिरिक्त, नियम में यह भी प्रावधान किया गया है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में उन सभी संगत आर्थिक कारकों और अभिसूचकों का उद्देश्यपरक एवं निष्पक्ष मूल्यांकन भी शामिल होना चाहिए जिनका उद्देश्य की स्थिति पर प्रभाव पड़ा है, इनमें शामिल हैं बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर प्रतिलाभ अथवा क्षमता उपयोग में वास्तविक एवं संभावित गिरावट; घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक, पाटन मार्जिन का परिमाण, नकदी प्रवाह, मालूसची, रोजगार, भूति, विकास पर वास्तविक एवं संभावित ऋणात्मक प्रभाव और पूंजी निवेश उगाहने की क्षमता। घरेलू उद्योग के कार्यनिष्पादन की एक जांच यह व्यक्त करती है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है। घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न क्षति पैरामीटरों का निम्नवत उल्लेख किया गया है।

उत्पाद, बिक्री, क्षमता और क्षमता उपयोग

80. घरेलू उद्योग का उत्पादन, बिक्री, क्षमता और क्षमता उपयोग निम्नवत रहा है :

विवरण	यूनिट	2010-11	2011-12	2012-13	जांच की अवधि
क्षमता	सीबीएम	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	100	100	100
उत्पादन	सीबीएम	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	426	588	568
क्षमता उपयोग	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	426	588	568
बिक्रियां	सीबीएम	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	445	575	538

81. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि इस विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन करने की क्षमता संपूर्ण क्षति अवधि के दौरान समान स्तर पर बनी रही है। क्षति अवधि में उत्पादन में वृद्धि हुई है। इसके परिणामस्वरूप, क्षति अवधि के दौरान क्षमता उपयोग में भारी वृद्धि हुई है। क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की विक्रियों में पर्याप्त रूप से वृद्धि हुई है। इस संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने वर्ष 2010-11 में वाणिज्यिक उत्पादन शुरू किया था और यह वर्ष उसके प्रचालन का पहला वर्ष था। इसलिए, घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग वर्ष 2010-11 में कम था।

लाभ/हानि, निवेश पर प्रतिलाभ और नकदी प्रवाह

82. निवेश पर प्रतिलाभ, व्याज पूर्व एवं व्याज पश्चात लाभ/हानि और नकद लाभ को अधोलिखित तालिका में दर्शाया गया है :

विवरण	यूनिट	2010-11	2011-12	2012-13	जांच की अवधि
लाभ/(हानि)	लाख रुपए	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमित	(100)	(813)	833	1,005
नकद लाभ	लाख रुपए	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	(174)	2,180	2,403
पीबीआईटी	लाख रुपए	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	178	1,058	1,072
नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	178	1,139	1,131

83. यह देखा जाता है कि घरेलू उद्योग को वर्ष 2011-12 तक वित्तीय घाटा होता रहा था। इस संबंध में यह भी नोट किया जाता है कि क्षति अवधि की शुरुआत में घाटा न्यूनतर क्षमता उपयोग के कारण हो सकता है (क्योंकि उस समय उनका संयंत्र नया था)।

84. नकद लाभ और निवेश पर प्रतिलाभ ने पीबीआईटी के अनुरूप ही प्रवृत्ति अपनाई।

मालसूची

85. घरेलू उद्योग की मालसूची में अधोलिखित तालिका में दर्शाए गए के अनुसार उतार-चढ़ाव हुआ है। यह देखा जा सकता है कि क्षति अवधि में घरेलू उद्योग के मालसूची स्तर में वृद्धि हुई है।

विवरण	यूनिट	2010-11	2011-12	2012-13	जांच की अवधि
औसत स्टॉक	सीबीएम	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	114	196	215

रोजगार और भृति

86. घरेलू उद्योग के रोजगार और भृति की स्थिति अधोलिखित तालिका में दर्शाई गई है। यह देखा गया कि भृति में सामान्य भृति वृद्धि हुई और रोजगार में चढ़ाव आया है।

विवरण	यूनिट	2010-11	2011-12	2012-13	जांच की अवधि
कर्मचारियों की संख्या	संख्या	***	***	***	***

प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	157	173	173
भृति	लाख रुपए	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	402	504	538

उत्पादकता

87. घरेलू उद्योग की उत्पादकता में अधोलिखित तालिका में दर्शाए गए के अनुसार उतार-चढ़ाव आया है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की उत्पादकता में जांच की अवधि के दौरान क्षति अवधि में उत्पादन के अनुरूप ही उतार-चढ़ाव आया है और क्षति अवधि में भी वह समान स्तर पर ही बना हुआ है।

विवरण	यूनिट	2010-11	2011-12	2012-13	जांच की सूची
उत्पादकता प्रतिदिन	सीबीएम	***	***	***	***
उत्पादकता प्रति कर्मचारी	सीबीएम	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	257	317	298

पाटन मार्जिन की मात्रा

88. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों का पाटन मार्जिन सकारात्मक है।

वृद्धि

89. घरेलू उद्योग के विकास ने मात्रा और कीमत पैरामीटरों के रूप में सकारात्मक प्रवृत्ति दर्शाई है। तथापि, यह नोट किया जाता है कि संपूर्ण क्षति अवधि के दौरान अधोरदन सकारात्मक बना रहा।

घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

90. संबद्ध देशों और अन्य देशों से आयात कीमतों, लागत ढांचे में परिवर्तन, घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्धा, पाटित आयातों के अलावा कुछ अन्य कारक घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों की प्रभावित कर सकते हैं, की जांच दर्शाती है कि संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तु का उतराई मूल्य घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत, बिक्री कीमत और गैर-क्षतिकारी कीमत से कम है, जो भारतीय बाजार में भारी कीमत अधोरदन और कीमत अधोविक्रयण कारित कर रहा है। घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि संबद्ध देशों और अन्य देशों से विचाराधीन उत्पाद की आयात कीमतें, जिनका इस समय पाटन हो रहा है, घरेलू उद्योग द्वारा कीमत निर्धारण करने के लिए प्रारंभिक कारक है। घरेलू उद्योग ने पुनः यह तर्क दिया है कि यदि मौजूदा पाटनरोधी शुल्क को समाप्त कर दिया जाता है तो घरेलू उद्योग को अपनी कीमतें कम करने के मजबूर होना पड़ेगा।

पूंजी निवेश उगाहने की क्षमता

91. घरेलू उद्योग द्वारा पूंजी निवेश उगाहने की क्षमता संघातित है और याचिकाकर्ताओं द्वारा दिए गए तर्क के अनुसार, घरेलू उद्योग के विषय कार्यनिष्पादन को देखते हुए, घरेलू उद्योग द्वारा कोई नया निवेश किया जाना मुश्किल होगा।

क्षति का समग्र आकलन

92. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि आयातों की मात्रा संपूर्ण क्षति अवधि के दौरान बहुत अधिक बनी रही है। कीमतों पर आयातों के प्रभाव के संबंध में, यह उल्लेख किया जाता है कि आयातों की उतराई कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत, उत्पादन लागत और गैर-क्षतिकारी कीमत से कम है, इस प्रकार, चीन जन.गण. के मामले को छोड़कर अन्य सभी के मामले में कीमत अधोरदन और कीमत अधोविक्रयण सकारात्मक दर्शाया गया है। यदि मौजूदा पाटनरोधी शुल्क का समाप्त कर दिया जाता है तो घरेलू उद्योग को भारी कीमत अधोरदन होने की संभावना है, जिसका घरेलू बाजार में कीमतों पर भारी विपरीत संघातन होने की संभावना है। घरेलू उद्योग के कार्यनिष्पादन में उत्पादन, घरेलू बिक्रियों और क्षमता उपयोग के संबंध में भारी सुधार हुआ है। घरेलू उद्योग की मालसूची में वृद्धि हो रही थी। प्रदत्त भृति के बावजूद, रोजगार और उत्पादकता में सुधार हुआ है। घरेलू उद्योग की समग्र स्थिति बुरी तरह से प्रभावित हुई है।

क्षति मार्जिन एवं क्षति का परिमाण

93. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III में उल्लिखित शर्तों के अनुसार घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु की गैर-क्षतिकारी कीमत का निर्धारण किया है। इस तरह निर्धारित की गई गैर-क्षतिकारी कीमत की तुलना, जांच की अवधि के दौरान क्षति मार्जिन का निर्धारण करने के लिए संबद्ध देशों के निर्यातों के उतराई मूल्य से की गई है, जिसका विवरण निम्नलिखित है :

संबद्ध देश	गैर-क्षतिकारी कीमत	उतराई कीमत	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन %	
	यूएस डालर/सीबीएम	यूएस डालर/सीबीएम	यूएस डालर/सीबीएम	%	% रेंज
मलेशिया	***	***	***	***	25-35
थाईलैंड	***	***	***	***	10-20
श्रीलंका	***	***	***	***	15-25
चीन जन.गण.	***	***	***	***	10-20

कारणात्मक संबंध

94. नियमावली में प्राधिकारी के लिए यह अधिदेश है कि वह पाटित आयातों और इन पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध की जांच करें। निर्णायक समीक्षा जांच में, प्राधिकारी को यह जांच करनी चाहिए कि क्या निम्नलिखित ज्ञात कारकों से घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाई जा सकती है :

- उन आयातों की मात्रा और मूल्य जिनकी बिक्री पाटित कीमतों पर नहीं की गई : इंडोनेशिया, न्यूजीलैंड और वियतनाम से आयात इस संबद्ध वस्तु के हुए आयातों की कुल मात्रा का 3 प्रतिशत से अधिक है। वियतनाम और इंडोनेशिया के मामले में, आयात मात्रा में भारी वृद्धि होने के पश्चात दिनांक 07 मई, 2015 को एक पाटनरोधी जांच प्रारंभ कर दी गई है। जहां तक न्यूजीलैंड का संबंध है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि मूल जांच की शुरुआत वर्तमान संबद्ध देशों के साथ-साथ न्यूजीलैंड से आयातों के संबंध में भी की गई थी। तथापि, घरेलू उद्योग ने न्यूजीलैंड से संबंधित अपनी याचिका वापस ले ली है। इससे विगत जांच पर विचार करते हुए न्यूजीलैंड से हुए आयातों में उतनी अधिक वृद्धि प्रदर्शित नहीं हुई जितनी इंडोनेशिया और वियतनाम से हुए आयातों में वृद्धि होना पाई गई है। न्यूजीलैंड से आयातों से घरेलू उद्योग को क्षति होने की संभावना नहीं है।
- निर्यात निष्पादन : घरेलू उद्योग ने इस विचाराधीन उत्पाद का निर्यात नहीं किया है। इसलिए, निर्यातों के संबंध में घरेलू उद्योग के कार्यनिष्पादन में संभावित गिरावट घरेलू उद्योग को होन वाली क्षति का एक संभव कारण नहीं है।
- खपत का प्रतिमान : प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि इस संबद्ध वस्तु की खपत के प्रतिमान में ऐसा कोई परिवर्तन नहीं आया है जिसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती हो।
- प्रतिस्पर्धा की स्थिति और व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रक्रियाएं : प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जांच से ऐसा प्रदर्शित नहीं हुआ है कि प्रतिस्पर्धा की स्थिति अथवा व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रक्रियाओं के कारण घरेलू उद्योग को दावाकृत क्षति हुई होगी।
- प्रौद्योगिकी में विकास : प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जांच से यह प्रदर्शित नहीं हुआ है कि प्रौद्योगिकी में ऐसा कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन आया है जिसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति कारित हुई होगी।
- घरेलू उद्योग के अन्य उत्पादों का निष्पादन : प्राधिकारी ने यह नोट किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा इस विचाराधीन उत्पाद के लिए पृथक रिकार्ड रखे जाते हैं। अन्य उत्पादों के निष्पादन घरेलू उद्योग क्षति का कारण नहीं है।

वास्तविक क्षति एवं कारणात्मक संबंध के बारे में निष्कर्ष

95. प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटित आयात घरेलू उद्योग की कीमतों का अधोरदन कर रहे हैं।

झ. पाटन एवं क्षति की निरंतरता बने रहने/पुनरावृत्ति होने की संभावना घरेलू उद्योग द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण

96. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित प्रस्तुतिकरण किए गए हैं :

- (i) मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के बावजूद निरंतर पाटन हो रहा है और घरेलू उद्योग को क्षति कारित की जा रही है।
- (ii) मूल जांच में इस संबद्ध वस्तु के संबंध में निर्धारित पाटन मार्जिन से यह संकेत मिलता है संबद्ध देशों के उत्पादकों द्वारा भारी पाटन किया जा रहा है।
- (iii) संबद्ध देश के उत्पादकों की इस संबद्ध वस्तु का उत्पादन करने की क्षमता बहुत अधिक है। पाटनरोधी शुल्क को समाप्त कर दिए जाने की स्थिति में भारत में इस उत्पाद का भारी पाटन होने की पूर्ण संभावना है।
- (iv) भारी उत्पादन क्षमता से सम्पन्न होने के अलावा संबद्ध देशों के उत्पादकों का निर्यात प्रतिशत भी बहुत अधिक है।
- (v) जहां तक इस तर्क का संबंध है कि श्रीलंकाई निर्यातक का ही पाटन मार्जिन 5-9 प्रतिशत है, इसलिए यह कल्पना करना आसान है कि निर्यातक ने वर्तमान मामले की मूल जांच के समय प्राधिकारी को पूरी तरह से गुमराह किया था, जिसके कारण इस कंपनी द्वारा किए गए निर्यातों के संबंध में न्यूनतर पाटन मार्जिन हुआ। इसके परिणामस्वरूप, श्रीलंका से सतत पाटन भारतीय उद्योग द्वारा सहन की जा रही क्षति के लिए उत्तरदायी कारणों में से एक कारण है।
- (vi) बेशी क्षमताओं की सीमा का खंडन करने के संबंध में और इस संबंध में कि 1,20,000 सीबीएम की कथित क्षमता ऐसी उत्पाद श्रृंखला के लिए है जो विचाराधीन उत्पाद और गैर-विचाराधीन उत्पाद मर्दों को कवर करता है, यह नोट किया जाता है कि निर्यातक इस क्षमता का उपयोग समान संयंत्र में विभिन्न ग्रेड के उत्पादों का उत्पादन अंतर्निमेय रूप से कर सकते हैं।
- (vii) इय तर्क में कसेई अच्छाई नहीं है कि मेरबाक का फोकस अपने उत्पाद के लिए केवल हितैषी कीमत लेन पर है।
- (viii) याचिका में बेशी क्षमताओं, निर्यातोन्मुखता और संभावना के संबंध में पर्याप्त साक्ष्य प्रदान कराया है।
- (ix) वर्तमान संबद्ध देशों से पाटन करने के बजाय अन्य देशों से पाटन करने से यह सिद्ध होता है कि यदि पाटनरोधी शुल्क को समाप्त कर दिया जाता है तो निर्यातक वर्तमान संबद्ध देशों से पाटन करने के बजाय अन्य संबद्ध देशों से पाटन करना प्रारंभ कर देंगे।

उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण

97. पाटन एवं क्षति की संभावना के संबंध में उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित प्रस्तुतिकरण किए गए हैं :

- क. आवेदक का यह दावा है कि इस उत्पाद के पाटन का एक लंबा इतिहास है और यदि शुल्क को समाप्त कर दिया जाता है तो यह पाटन एवं क्षति जारी रहेगी। संभावना की जांच इन निराधार कल्पनाओं और अटकलबाजियों पर आधारित नहीं हो सकती है।
- ख. घरेलू कीमतें 10-30 प्रतिशत की रेंज में पर्याप्ततः अधिक हैं।
- ग. मूल जांच में, मेरबाक के लिए केवल 5-9 प्रतिशत का पाटन मार्जिन ही पाया गया था।
- घ. मेरबाक ने कीमत वचनबद्धता की शर्तों का कड़ाई से अनुपालन किया है।
- ङ. मेरबाक की कीमतें तृतीय देशों की कीमतों की तुलना में अधिक थीं।
- च. कोई बेशी क्षमता नहीं है। 1,20,000 सीबीएम की कथित क्षमता ऐसी उत्पाद श्रृंखला से है जिसमें यह विचाराधीन उत्पाद तथा इस विचाराधीन उत्पाद से अलग उत्पाद शामिल हैं।
- छ. मेरबाक का फोकस अपने उत्पाद के लिए केवल परोपकारी कीमतों पर है।
- ज. आवेदन के पास संबद्ध देशों के उत्पादकों/निर्यातकों की मुक्त रूप से निस्तारणीय वर्तमान एवं संभावित क्षमताओं के दावे को साक्ष्यांकित करने का कोई साक्ष्य अथवा वास्तविक स्रोत नहीं है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

98. वर्तमान जांच मलेशिया, थाईलैंड, श्रीलंका और चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु के आयातों पर अधिरोपित पाटनरोधी शुल्क की एक निर्णायक समीक्षा जांच है। नियमों के अंतर्गत, प्राधिकारी को यह निर्धारित करना अपेक्षित होता है कि क्या पाटनरोधी शुल्क का सतत अधिरोपण करना अधिपत्रित है। प्राधिकारी को यह जांच करना भी अपेक्षित होता है कि क्या अधिरोपित शुल्क क्षतिकारी पाटन का प्रशमन करने के अपने आश्रित प्रयोजन को पूरा कर रहा है। जहां तक संभावना का विश्लेषण करने का संबंध है, प्राधिकारी ने संबद्ध देशों में और भारत में बेशी क्षमताओं पर और भारतीय बाजार की कीमत आकर्षकता के संबंध में विचार किया है।

संबद्ध देशों में बेशी क्षमताएं

99. रिकार्ड में उपलब्ध साक्ष्यों/आंकड़ों से यह स्पष्ट है कि भारत में मांग की तुलना में संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तु की भारी क्षमता है। घरेलू उद्योग तथा प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत की गई रिकार्ड में उपलब्ध सूचना के अनुसार संबद्ध देशों में उत्पादकों की क्षमता बहुत अधिक है और उनकी निर्यात उन्मुखता भी काफी उच्च है। घरेलू उद्योग द्वारा प्रदान कराई गई सूचना विभिन्न निर्यातकों की क्षमताओं को दर्शाती है जो निम्नलिखित हैं :

कंपनी	क्षमता
चीन	
➤ शंघाई सिंधो पैनल कंपनी लिमिटेड	2,00,000
➤ वीहुआ एमडीएफ ग्रुप	12,00,000
➤ शुनलांग वुड इंडस्ट्री कंपनी लिमिटेड	4,60,000
➤ शूयांग न्यू कंसेप्ट वुड कंपनी लिमिटेड	3,00,000
➤ शौगुआंग वांडावुक इंडस्ट्री कंपनी लिमिटेड	20,000
➤ शौगुआंग गुइहे इकोनामिक एंड ट्रेड कंपनी लिमिटेड	1,50,000
मलेशिया	
➤ डाइकेन सारावाक सेडिरियन बेरहाद	1,05,000
➤ राबिन रिसोर्सेस	1,75,000
➤ सेगामकत पैनल बोर्ड एसडीएन बीएचडी	72,000
➤ एवरग्रीन फाइबर बेरहाद	8,28,000
थाईलैंड	
➤ वनचाइ ग्रुप	8,70,000
➤ मेट्रो एमडीएफ कंपनी लिमिटेड	90,000
श्रीलंका	
मेरबाक एमडीएफ लंका	120,000

100. यद्यपि चीन और थाईलैंड के उत्पादकों ने असहयोग करने को अधिमानता प्रदान की है, परंतु प्राधिकारी यह नोट करते हैं मलेशियाई और श्रीलंकाई उत्पादों से उपलब्ध सूचना यह दर्शाती है कि घरेलू विक्रयों की तुलना में काफी बेशी क्षमताएं हैं। भारत में मांग में वृद्धि होने से इस बात की संभावना है कि पाटनरोधी शुल्क को समाप्त कर देने से पाटित आयातों की मात्रा में और घरेलू उद्योग की क्षति कारित करने वाली क्षतिकारी कीमतों में और अधिक वृद्धि हो जाएगी।

भारतीय बाजार में कीमत आकर्षकता

101. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि संबद्ध देश भारत में संबद्ध वस्तु का निर्यात उन कीमतों से काफी कम कीमतों पर कर रहे हैं जिन कीमतों पर उस वस्तु की भारत की घरेलू बाजार में बिक्री की जा रही है। संबद्ध देश यह मानते हैं कि भारतीय बाजार काफी अच्छी है और इसलिए यदि इस शुल्क को समाप्त कर दिया जाता है तो इस बात की पूरी संभावना है कि वे अपने आउटपुट को भारत की ओर सरणीकृत करेंगे।

विवरण	यूनिट	2010-11	2011-12	2012-13	जांच की अवधि
घरेलू उद्योग का निवल बिक्री प्रापण	रुपए/सीबीएम	***	***	***	***
आयातों की उतराई कीमत :-					
-मलेशिया	रुपए/सीबीएम	***	***	***	***
-श्रीलंका	रुपए/सीबीएम	***	***	***	***
-थाईलैंड	रुपए/सीबीएम	***	***	***	***
-चीन जन.गण.	रुपए/सीबीएम	***	***	***	***

झ. द्वितीय मौखिक सुनवाई के दौरान किए गए प्रस्तुतिकरण

द्वितीय मौखिक सुनवाई के पश्चात प्रतिवादी उत्पादकों/निर्यातकों/अन्य विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण

102. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि द्वितीय मौखिक सुनवाई के पश्चात विरोधकर्ता पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए अधिकांश प्रस्तुतिकरण पुनरावृत्तिक प्रवृत्ति के हैं और उन पर पहले ही विचार किया जा चुका है। यह प्रस्तुतिकरण, संक्षेप में, निम्नलिखित हैं :

डॉंगवहा एमडीएफ (एम) एसडीएन बीएचडी (डीएमएम) एवं डॉंगवहा ग्लोबल सेल्स एसडीएन बीएचडी (डीजीएस)

- (i) प्राधिकारी ने अपने प्रकटन विवरण में यह नोट किया है कि डीजीएस ने शेष मात्रा की खरीद के संबंध में पूर्ण जानकारी प्रदान नहीं की है। इस संदर्भ में यह प्रस्तुत किया जाता है कि डीजीएस ने शेष मात्रा का प्रापण मैसर्स वीआरजी डॉंगवहा एमडीएफ ज्वाइंट स्टॉक कंपनी, वियतनाम से की थी और इसलिए वह इस जांच के दायरे से बाहर है। इसके अतिरिक्त, डॉंगवहा वियतनाम कंपनी से किया गया है, उसका भारत को निर्यात नहीं किया गया। इसलिए इसके मद्देनजर यह प्रस्तुत किया जाता है कि निर्यातक उस संबद्ध उत्पाद के संबंध में पूर्ण सूचना प्रदान की है जिसका विधि की अपेक्षाओं के अनुरूप भारत को निर्यात किया गया है।
- (ii) डीएमएम और डीजीएस पुनः यह प्रस्तुत करते हैं कि प्राधिकारी द्वारा प्रकटन विवरण में यह नोट किया गया था कि चूंकि मूल्य शृंखला के संबंध में संपूर्ण सूचना प्रदान नहीं कराई गई है इसलिए प्राधिकारी ने डीएमएम और डीजीएस के लिए व्यक्तिगत पाटन मार्जिन का निर्धारण नहीं किया है। इस संदर्भ में यह प्रस्तुत किया जाता है कि मूल्य शृंखला की संकल्पना इस तथ्य का उल्लेख करती है कि उसमें भारत को निर्यात किए गए अथवा घरेलू बाजार में बिक्री किए गए उत्पाद की पूर्ण लागत पर्याप्त रूप से प्रतिबिम्बित होनी चाहिए। घरेलू उद्योग के प्रतिनिधि द्वारा इस तथ्य का एक बार पुनः उल्लेख किया गया कि डीएमएम ने इस तथ्य के संबंध में कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है कि उनकी रेजिन की खरीद संबद्ध पक्षकार से की गई है। इस संबंध में हम प्रश्नावली प्रत्युत्तर की ओर ध्यान आकृष्ट करना चाहते हैं जिसमें इस तथ्य का विशेष रूप से उल्लेख किया गया है कि उत्पादक ने यह सिद्ध करने के लिए पर्याप्त दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है कि संबद्ध पक्षकार से की गई रेजिन की खरीद व्यवसाय के सामान्य अनुक्रम में की गई है और वे बड़ी नजदीकी खरीद है।
- (iii) इसके अतिरिक्त, डीएमएम ने इस वस्तु का उत्पाद केवल एक संबद्ध पक्षकार को अर्थात् डीजीएस किया है। उस कंपनी का संपूर्ण प्रश्नावली प्रत्युत्तर पहले ही प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर दिया गया है। तदनुसार, यह कहना तथ्यात्मक रूप से सत्य नहीं है कि डीएमएम ने इस संबद्ध वस्तु की बिक्री दो संबद्ध पक्षकारों को की है।

उपरोक्त, तर्कों/रीजनिंग के मद्देनजर हम प्राधिकारी से डीएमएम और डीजीएस को व्यक्तिगत पाटन मार्जिन प्रदान करने का अनुरोध करते हैं।

मैसर्स मेरबाक एमडीएफ लंका प्राइवेट लिमिटेड (मेरबाक)

- (iv) मैसर्स मेरबाक एमडीएफ लंका प्राइवेट लिमिटेड (मेरबाक) ने प्रस्तुतिकरण किया है कि मेरबाक के लिए सामान्य मूल्य कंपनी द्वारा अनुरक्षित रिकार्डों पर आधारित होना चाहिए न कि किसी अन्य आधार पर। इस प्रस्तुतिकरण का आधार यह है कि उसी संबद्ध वस्तु से संबंधित मूल जांच में और 6 एमएम से कम के एमडीएफ से संबंधित एक अन्य जांच में प्राधिकारी ने मेरबाक द्वारा उत्पादित विचाराधीन उत्पाद की उत्पादन लागत का निर्धारण मलेशिया आधारित अपनी एक मूल कंपनी ने लिए गए ऋण लागत को प्रदर्शित करने के लिए उसका समायोजन करने का आश्रय लिया है। प्राधिकारी ने यह समायोजन इस तथ्य पर विचार करते हुए किया है कि इन ऋणों को मेरबाक के रिकार्ड में मूल (पैरेंट) कंपनी से ब्याज मुक्त ऋण के रूप में प्रदर्शित किया गया था। तथापि, यह स्थिति अब इस जांच के समय परिवर्तित हो गई है क्योंकि मेरबाक ने वर्ष 2011 से प्रभावी अपनी लेखापरीक्षित वार्षिक रिपोर्टों में अपने दीर्घावधिक ऋणों का पुनर्गठन किया है और उसने अपनी मूल कंपनी से मलेशिया जहां मूल कंपनी अवस्थित है में लागू बाजार दरों पर उक्त ऋण पर ब्याज देने की सम्पत्ति देना शुरू कर दी है। यह भी प्रस्तुतिकरण किया जाता है कि मेरबाक की बहियों में दिया गया ऋण ब्याज लागत को प्रतिक्षिप्तित करता है और वे नजदीकी ऋण हैं। इस संदर्भ में श्रीलंका के वाणिज्य विभाग ने प्राधिकारी को यह लिखा है कि यदि इस कंपनी के रिकार्ड निर्यातक कंपनी के जीएएपी के अनुरूप हैं और यह रिकार्ड इस विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन और उसकी बिक्री तर्कसंगत रूप से प्रतिक्षिप्तित करते हैं तो उसे स्वीकार कर लिया जाना चाहिए।
- (v) मेरबाक ने भारत को अपने इस उत्पाद की बिक्री मूल जांच में अंतिम जांच परिणाम के समय मेरबाक द्वारा दी गई वचनबद्धता कीमत से उच्चतर दर पर की है जो स्पष्ट रूप से यह दर्शाता है कि मेरबाक भारत में कोई भारी बाजार हिस्सा प्राप्त करने के लिए घटी हुई कीमत की पेशकश नहीं कर रहा था। इसलिए, यदि इस शुल्क का प्रतिसंहरण कर लिया जाता है तो मेरबाक द्वारा पाटन एवं क्षति की संभावना नहीं रहेगी।
- (vi) मेरबाक यह प्रस्तुत करते हैं कि याचिकाकर्ता द्वारा इस जांच के समय प्रस्तुत किए गए आंकड़ों और इंडोनेशिया एवं वियतनाम के विरुद्ध जांच के समय प्रस्तुत किए गए आंकड़ों में गंभीर अंतर है। इस तथ्य की गंभीर आशंका है कि याचिकाकर्ता ने सूचना में भारी फेरबदल का आश्रय लिया है इसके परिणामस्वरूप, याचिकाकर्ता द्वारा विभिन्न प्रस्तुतिकरणों में प्रस्तुत किए गए आंकड़ों में अंतर आ गया है। ग्रीनप्लाइ के संबंध में ही किए गए दो लिखित प्रस्तुतिकरणों में भारी अंतर प्रदर्शित हो रहा है।
- (vii) मेरबाक यह प्रस्तुतिकरण करते हैं कि प्रकटन विवरण के पश्चात भारत में बाजार पृष्ठताछ के अनुसार और कतिपय प्रकाशित सूचनाओं के अनुसार ग्रीनप्लाइ फाइबर बोर्ड के लिए अपशिष्ट लकड़ी का प्रयोग करता है जो और कुछ नहीं बल्कि उसकी ही प्लाइ के लिए ताजी लकड़ी का अपशिष्ट होता है।
- (viii) याचिकाकर्ता के इस दावे का कोई विधिक आधार नहीं है कि चूंकि मेरबाक एक ईपीजेड क्षेत्र में स्थित है इसलिए उसके सामान्य मूल्य में सीमा शुल्क शामिल होना चाहिए।
- (ix) याचिकाकर्ता का यह दावा किसी तृतीय देश को निर्यात कीमत अथवा उत्पादन लागत पर विचार लाभ का तर्कसंगत संवर्धन करने के पश्चात करना चाहिए, इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए अवैध है कि निर्यातक ने सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए पाटनरोधी करार में यथापरिकल्पित घरेलू कीमत प्रदान कर दी है।
- (x) रेजिन की कीमतें मेरबाक की बहियों पर आधारित है और रेजिन की कीमतें नजदीकी स्तर (आर्म्स लेंग्थ) पर आधारित हैं। मेरबाक द्वारा कच्चे माल की खरीद से संबंधित विवरण अपनी निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर में दिया गया है और यह निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर किसी की राशि का सत्यापन करने के लिए उपलब्ध है।
- (xi) मैसर्स राबिन रिसोर्सेस यह प्रस्तुत करते हैं कि (i) पिछली जांच में राबिन रिसोर्सेस के लिए न्यूनतम पार्टिन (ii) प्राधिकारी द्वारा यह निर्धारित किया गया कि निर्यातक के लिए पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में अभिव्यक्त 2 प्रतिशत से कम था; (iii) गोमांस एवं चावल से संबंधित मैक्सिको निर्णायक पाटनरोधी उपाय के मामले में पैनल रिपोर्ट; (iv) पाटनरोधी नियमावली के नियम 14(ग) के साथ पठित सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम की धारा 9क(1) के विधिक प्रावधानों के मद्देनजर निर्यातक राबिन रिसोर्सेस को मौजूदा निर्णायक

समीक्षा जांच में शामिल किए जाने का कोई औचित्य नहीं है और यह कि इस निर्यातक को मौजूदा जांच के दायरे से अपवर्जित कर दिया जाना अपेक्षित है।

विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए अन्य मुद्दे

- (xii) विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकार यह भी दावा करते हैं कि घरेलू उद्योग ने परिमाणात्मक विवरणों के संबंध में भी गोपनीयता का दावा किया है; यह कि अपने बाजार हिस्से के अनुरूप घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है। इसके अतिरिक्त, पाटन एवं क्षति की संभावना को सिद्ध करने के लिए वास्तव में कोई सूचना नहीं है। आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि के दौरान बिक्री कीमत में वृद्धि उसी अवधि के दौरान हुई लागत में वृद्धि से काफी अधिक है। उतराई मूल्य में आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में भारी वृद्धि हुई है। इसलिए, घरेलू उद्योग के लिए कोई कीमत निग्रहण अथवा कीमत अवमंदन नहीं हुआ। आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि के दौरान लाभ में भारी वृद्धि हुई है। भारी वेशी क्षमताओं, निर्यात उन्मुखता अथवा उसकी संभावना का कोई साक्ष्य नहीं है।
- (xiii) विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकार यह दावा भी करते हैं कि वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच को खारिज कर दिया जाना चाहिए क्योंकि आवेदकों में से एक आवेदक असहयोगकर्ता हो गया है जिससे वर्तमान जांच की शुरुआत का प्रश्न निरर्थक हो गया है।
- (xiv) लागत, लाभ, नकद लाभ और नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ का निर्धारण करने के लिए उत्पाद शुल्क का समायोजन नहीं किया जाना चाहिए।

द्वितीयक मौखिक सुनवाई के पश्चात घरेलू उद्योग द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण

103. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण, संक्षेप में निम्नलिखित हैं :

मेरबाक एमडीएफ लंका प्राइवेट लिमिटेड, श्रीलंका

- प्राधिकारी को यह विचार करना चाहिए कि श्रीलंका में "एक विशिष्ट बाजार स्थिति" व्याप्त है जिसमें मेरबाक एक ईपीजेड, श्रीलंका में एक एकमात्र उत्पादक है और अपने उत्पाद के 90 प्रतिशत का निर्यात करना उसकी विधि बाध्यता है और इसलिए घरेलू बाजार में इसकी बिक्री कीमत उपयुक्त नहीं है। चूंकि निर्यातक ने ईपीजेड संयंत्र स्थापित किया है और वह कई रियायतें प्राप्त कर रहा है, इसलिए उसकी उत्पादन लागत का निर्धारण निम्नलिखित को जोड़ने के पश्चात किया जाना चाहिए : (क) पूंजीगत वस्तु पर सीमाशुल्क तत्व जो यदि निर्यातक का संयंत्र ईपीजेड संयंत्र नहीं होता तो उसे उसका भुगतान करना पड़ता (ख) निर्यातक द्वारा कच्चे माल, जिसमें रेजिन भी शामिल है, के आयात पर संदेय सीमाशुल्क और (ग) यदि वह ईपीजेड नहीं होता तो निर्यातक द्वारा घरेलू बाजार से इनपुट्स और कच्चे माल के अधिप्रापण पर देय कर एवं शुल्क।
- मेरबाक ने कच्चे माल की खरीद अपनी सहबद्ध कंपनी के जरिए की है। इसलिए यह कीमत बाजार मूल्यों का प्रतिनिधित्व नहीं करती है। यह इस उत्पाद से संबंधित पिछली जांच में भी प्रतिक्षिप्त है।
- जनवरी 2007 से दिसम्बर 2007 की अवधि से संबंधित जांच करने के बावजूद, यह प्रकटन नहीं किया गया है कि मेरबाक एमडीएफ और रेजिन का उत्पादन मलेशिया में कर रहा था।
- मेरबाक द्वारा किए गए तीन प्रस्तुतिकरणों अर्थात् मूल जांच के समय किए गए प्रस्तुतिकरण, तनु बोर्ड जांच और वर्तमान जांच के समय किए गए प्रस्तुतिकरण में असंगतता एवं विसंगतियां हैं। पिछली दो जांचों में प्राधिकारी द्वारा भिन्न उत्पादन लागत का निर्धारण किया गया था।
- मेरबाक को श्रीलंका में कम लाभ हो रहा है, जिसे इस तथ्य पर उपरोपित किया जा सकता है कि महत्वपूर्ण व्यय मेरबाक मलेशिया की बहियों में बुक ही नहीं किए जा रहे हैं।
- मेरबाक श्रीलंका की खाताबहियां भरोसेमंद नहीं हैं। मूल जांच के समय मूल कंपनी से इन ऋणों के लिए कंपनी के आय विवरण में कोई व्याज लागत प्रभारित नहीं की गई है। अंकेक्षकों द्वारा किया गया यह प्रमाणपत्र कि खाता बहियां जीएएपी से संगत नहीं हैं, कंपनी की उत्पादन लागत का निर्धारण करने के लिए प्राधिकारी के लिए पर्याप्त नहीं है। इसके अतिरिक्त, इन खाता बहियों में मेरबाक श्रीलंका द्वारा उपगत की जा रही प्रचालन लागत के संबंध में कोई प्रावधान नहीं किया गया है और इन्हें मेरबाक मलेशिया द्वारा बुक किया जा रहा है।
- प्राधिकारी के मूल/सहबद्ध कंपनी से ऋण पर व्याज के संबंध में कंपनी के दावे का परिनिरीक्षण करना चाहिए और इन ऋणों के लिए एक उपयुक्त लागत अपनानी चाहिए। कंपनी को प्राप्त होने वाली राजसहायता पूंजीगत माल की

खरीद, इनपुट्स आयकर बचत तक ही सीमित नहीं है परंतु यह मूल/सहबद्ध कंपनी द्वारा दिए गए ऋण पर भी प्राप्त होती है।

- जांच शुरुआत, अंतरिम जांच और अंतिम जांच-परिणाम की अवस्था पर घरेलू उद्योग का संघटन भिन्न हो सकता है। जांच-शुरुआत की अवस्था पर आधार की जांच करने का आशय यह नहीं है कि आधार का निर्धारण करना विधिक रूप से आवश्यक है।
- सूचना की गोपनीयता एवं संवेदनशीलता के मद्देनजर ग्रीनप्लाई के शेयरों को अनन्यतः नहीं दिया जा सकता है। यह विधि शास्त्र की एक सुस्थापित स्थिति है।

राबिन रिसोर्सेस (मलेशिया) एसडीएन, बीएचडी, मलेशिया

राबिन रिसोर्सेस श्रीलंका में एमडीएफ बाजार में एक अग्रणी ब्रैंड नाम है; फिर भी इसने पाटन का दावा नहीं किया है। निर्यातक द्वारा सामान्य मूल्य का दावा असामान्य है। ऐसा प्रतीत होता है कि कंपनी ने घरेलू बाजार में केवल वी-ग्रेड विक्रियों की ही सूचना दी है।

- वह कीमत जिस पर वस्तु का भारत को निर्यात किया जा रहा है, भरोसेमंद नहीं है। प्रस्तुत की गई निर्यातक प्रश्नावली यह सुझाव देती है कि इस कंपनी ने तृतीय देशों को किए गए अपने निर्यातों का सौदावार विवरण प्रदान नहीं कराया है। प्राधिकारी द्वारा पिछले पूर्वोदाहरणों में निर्धारित सिद्धांतों का अनुपालन करते हुए ऐसे प्रश्नावली प्रत्युत्तर को स्वीकार नहीं किया जा सकता है। इस निर्यातक को व्यक्तिगत पाटन मार्जिन नहीं दिया जाना चाहिए और इसके प्रत्युत्तर को अस्वीकार कर दिया जाना चाहिए।

डोंगवा एमडीएफ (एम) एसडीएन, बीएचडी मलेशिया और डोंगवा ग्लोबल सेल्स एसडीएन, बीएसडी, मलेशिया

- डोंगवा ने यह तर्क गलत दिया है कि उसने पूरी सूचना दी है। प्रथमतः, सहबद्ध उत्पादक का कोई प्रत्युत्तर नहीं है, द्वितीयतः यह मूल्य श्रृंखला तब तक पूर्ण नहीं है जब तक (क) उत्पादन, (ख) घरेलू बिक्री, (ग) भारत एवं तृतीय देशों को निर्यात, (घ) लागत, (ङ.) इस विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन में अंतर्ग्रस्त इनपुटों की लागत से संबद्ध सभी पक्षकार निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष न हों। पिछले पूर्वोदाहरणों और प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई परम्परा को ध्यान में रखते हुए यह स्पष्ट स्थिति है कि जब तक घरेलू और निर्यात विक्रियों के संबंध में प्रश्नावली प्रत्युत्तर पूर्ण न हो तब तक व्यक्तिगत पाटन मार्जिन का निर्धारण नहीं किया जाएगा। यह सिद्धांत यहां लागू होता है।
- विभिन्न आर्थिक पैरामीटरों की प्रवृत्तियों का प्रकटन करने में याचिकाकर्ता को कोई आपत्ति नहीं है।
- बिक्री कीमत और उसके परिणामस्वरूप लाभ का निर्धारण बिक्री कीमत में शामिल उत्पाद कर के तत्व का अपवर्जन करके किया जाना चाहिए।
- चूंकि ग्रीनप्लाई ने अपना वाणिज्यिक उत्पादन मार्च, 2010 में प्रारंभ किया था, इसलिए वर्ष 2010'11 में इस कंपनी का लाभ असामान्य था और इसका समायोजन उससे किया जाना अपेक्षित था जिसके लिए डोंगवा ने विशेष रूप से सहमति दी थी।
- ग्रीनप्लाई की बिक्री कीमत को संदेय उत्पाद शुल्क की प्रमात्रा को घटाकर निर्धारित करना चाहिए और तदनुसार लाभ का निर्धारण करना चाहिए।
- मौखिक सुनवाई के दौरान डोंगवा द्वारा दिए गए तर्क के विपरीत विधिक प्रावधानों के अनुसार प्राधिकारी को घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के संघात को सिद्ध करना होता है। अतः, चूंकि घरेलू उद्योग इस समय उसे उत्पाद शुल्क से छूट प्राप्त होने के कारण इस समय लाभ अर्जित करने में सक्षम है, इसलिए प्राधिकारी से अनुरोध है कि वह घरेलू उद्योग को लाभ का निर्धारण करते समय उत्पाद शुल्क का अपवर्जन कर दें। उत्पाद शुल्क के अपवर्जन करने का पाटनरोधी शुल्क की प्रमात्रा पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- इसके अतिरिक्त, घरेलू उद्योग की आधार वर्ष में स्टार्ट-अप लागत को पृथक करने की आवश्यकता है जो आधार वर्ष में लाभ व्यक्त करेगा।
- निर्यातक के इस तर्क के संबंध में कि जहां तक रेजिन की खरीद अपने सहबद्ध पक्षकारों से किए जाने का संबंध है, उन्होंने अनुबंधों में समुचित साक्ष्य दिए हैं, यह प्रस्तुत किया जाता है कि निर्यातक ने प्रश्नावली प्रत्युत्तर का अधूरा जवाब दिया है। प्राधिकारी सभी तीनों निर्यातकों के दावे सहित याचिकाकर्ता द्वारा यथाप्रस्तुत रेजिन की खरीद के संबंध में बीजकों की तुलना कर सकते हैं। अधूरे प्रत्युत्तर को देखते हुए, उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना पर विचार किया जा सकता है। प्राधिकारी से कंपनी द्वारा दावा की गई कीमत की तुलना उत्पादन लागत विवरण के साथ किए जाने का

अनुरोध है। किसी भी हाल में अंतरण कीमत पर विचार नहीं किया जा सकता है। इस संबंध में यूएस प्रावधानों पर दिशानिर्देशों के रूप में माना जा सकता है।

- याचिकाकर्ता निर्यातक के प्रश्नावली प्रत्युत्तर में किए गए भारी परिवर्तन के प्रति अपना असंतोष व्यक्त करता है जैसाकि मूल जांच के अंतिम जांच परिणाम से स्पष्ट है।
- पाटनरोधी शुल्क लगे होने के बावजूद घरेलू उद्योग को निम्नलिखित कारणों से क्षति सहन करनी पड़ी है :
 - क. निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा शुल्क की सिफारिश बेंचमार्क रूप में किए जाने से क्षति हुई है। सीमा शुल्क पत्तन प्राधिकारियों के पास आयातक द्वारा रिपोर्ट की गई आयात कीमत की परिशुद्धता सुनिश्चित करने का कोई तंत्र नहीं है। पत्तन प्राधिकारियों के लिए आयात कीमत का सत्यापन करना न तो व्यवहार्य है और न ही साध्य।
 - ख. पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण "प्लेन एमडीएफ" के अंतर्गत किए जा रहे हैं।
 - ग. पाटनरोधी शुल्क से बचने के लिए आयात कीमत में रातोंरात वृद्धि होगी जबकि उत्पादन लागत में उसकी अनुपात में तत्काल वृद्धि नहीं हुई।
 - घ. इस अवधि के दौरान उत्पादन लागत में वृद्धि हुई जबकि बेंचमार्क समान बना रहा।
 - ङ. जब सरकार ने शुल्क को बेंचमार्क रूप विधान में प्रस्तुत किया तो मोटे एवं पतले एमडीएफ के बीच कीमत अंतर रातोंरात लगभग गायब ही हो गया।
 - च. पतले एमडीएफ के आयातों में वृद्धि हुई है और एक समान आपूर्तिकर्ताओं द्वारा दोनों प्रकार के एमडीएफ की आपूर्ति की जा रही है। लैमिनेटेड एमडीएफ आयातों (अर्थात् नॉन प्लेन एमडीएफ) के रूप में घोषित एमडीएफ के आयातों में भारी वृद्धि हुई जबकि सादा एमडीएफ की कीमत में मामूली सा अंतर आया।
- कीमत अधोविक्रयण क्षति की एक काफी हद तक संकेतक होती है, जैसाकि निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई पिछली परंपरा से स्पष्ट होता है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

104. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकारों और घरेलू उद्योग द्वारा द्वितीय सुनवाई के पश्चात किए गए अधिकांश प्रस्तुतिकरण पुनरावृत्तिक प्रवृत्ति के हैं और उन पर पहले ही विचार किया जा चुका है। उनका निम्नवत निस्तारण किया गया है :

- (i) डोंगवा एमडीएफ (एम) एसडीएन बीएचडी (डीएमएम) और डोंगवा ग्लोबल सेल्स एसडीएन बीएचडी (डीजीएस) द्वारा उठाए गए मुद्दों की एक बार पुनः जांच उनके द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरणों और घरेलू उद्योग के प्रत्युत्तरों के आलोक में की गई है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि प्रथमतः इस तथ्य का डीजीएस द्वारा शेष मात्रा का अधिप्रापण बीआरजी डोंगवा एमडीएफ ज्वाइंट स्टॉक कंपनी, वियतनाम से की गई है, प्रकटन डीजीएस द्वारा अपने प्रश्नावली प्रत्युत्तर में नहीं किया गया था। द्वितीयतः, डीएमएम ने एक बड़े इनुपट रेजिन की उत्पादन लागत के संबंध में अपने प्रश्नावली प्रत्युत्तर के भाग छ.1 (क) और छ.1(छ) पर परस्पर विरोधी विवरण दिया है। इसके अतिरिक्त, डीएमएम ने यह उल्लेख किया है कि डीएमएम ने अपनी वस्तु की बिक्री अपने केवल एक सहबद्ध पक्षकार अर्थात् डीजीएस को की है और यह कि उसके संबंध में संपूर्ण प्रश्नावली प्रत्युत्तर प्राधिकारी के समक्ष पहले ही दायर कर दिया गया है और इसलिए यह उल्लेख करना तथ्यात्मक रूप से गलत है कि डीएमएम ने अपनी वस्तु की बिक्री दो संबद्ध पक्षकारों को की है। इस संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि डीएमएम ने अपने प्रश्नावली प्रत्युत्तर में यह उल्लेख किया है कि दिनांक 31 दिसम्बर, 2013 को डीएमएम की सभी परिसंपत्तियां और देयताएं डीएफबी को अंतरित कर दी गई थीं और उससे पहले विगत तीन वर्षों के दौरान, जिसमें जांच की अवधि भी शामिल है, डीएमएम के संगठन में कोई परिवर्तन नहीं हुआ था। इस संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि मूल जांच के दिनांक 26.08.2009 के अंतिम जांच परिणाम में किए गए रिकार्ड के अनुसार डीएमएम का केवल एक ही संयंत्र था और इस संबद्ध वस्तु का विनिर्माण करने के लिए डीएफबी के दो संयंत्र थे। डोंगवा इंटरनेशनल की वेबसाइट के अनुसार डीएफबी की निलई और मेरबाक में दो एमएमएफ विनिर्माण करने वाली फैक्टरियां हैं, जो वार्षिक रूप से क्रमशः 14000 सीबीएम और 95000 सीबीएम एमडीएफ का वार्षिक उत्पादन करती थी। दूसरी ओर डीएमएम ने अपने प्रश्नावली प्रत्युत्तर में यह उल्लेख किया है कि जांच की अवधि के दौरान इस संबद्ध वस्तु का उत्पादन करने के लिए उसका एक ही संयंत्र था। शेष बचे दो संयंत्रों की सूचना न तो इससे पूर्व डीएमएम द्वारा दी गई थी और न ही अब दी गई है। इसलिए, संवेदनशील सूचना के अभाव में डीएमएम और डीजीएस के प्रत्युत्तरों को स्वीकार नहीं किया जा सकता है और इसलिए प्राधिकारी ने अपनी परम्परा के अनुसार मैसर्स डोंगवा एमडीएफ (एम) एसडीएन बीएचडी

मलेशिया और मैसर्स डोंगवहा ग्लोबल सेल्स एसडीएन बीएचडी के संबंध में व्यक्तिगत पाटन मार्जिन का निर्धारण नहीं किया है।

- (ii) प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि मेरबाक एमडीएफ लंका (प्राइवेट) लिमिटेड अपने दावे को पुनः दोहराया है कि मेरबाक के लिए सामान्य मूल्य कंपनी द्वारा अनुरक्षित रिकार्डों के आधार पर होना चाहिए न कि किसी अन्य आधार पर क्योंकि मूल जांच और वर्तमान जांच वर्ष 2011 की लेखांकित वार्षिक रिपोर्टों के बीच अब भारी अंतर आ चुका है, मेरबाक ने अपने दीर्घावधिक ऋणों का पुनर्गठन किया है, और उसने उक्त ऋण पर मलेशिया जहां उसकी मूल कंपनी स्थित है में लागू बाजार दरों के आधार पर अपनी मूल कंपनी को ब्याज देना प्रारंभ कर दिया है। मेरबाक ने यह प्रस्तुतिकरण किया है कि मेरबाक की बहियों में उल्लिखित ब्याज उचित रूप से ब्याज लागत को प्रतिबिम्बित करता है और वे नजदीकी स्तर पर हैं। इस संबंध में प्राधिकारी दिनांक 10.05.2013 की अपनी अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना सं.14/29/2010-डीजीएडी में लिए गए निर्णय को पुनः दोहराते हैं, जिसमें इस संपूर्ण मुद्दे की जांच की गई है, और यह नोट किया गया था कि ब्याज दरें विभिन्न अनुबंधों पर आधारित होती हैं और उद्योग विशिष्ट होती हैं और यह कि यह जांच इस कंपनी के श्रीलंका में प्रचालनों के लिए है, न कि उस ब्याज दर के लिए जिस पर मूल कंपनी इस कंपनी को पूंजी उधार देती है। इसके अलावा मरबोक, श्रीलंका ने इस आशय का कोई दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है कि लेखाबहियों में प्रभारित 1.75 प्रतिशत प्रतिवर्ष की ब्याज दर उचित बाजार मूल्य है और असन्निकटता के आधार पर नहीं है। उपर्युक्त को देखते हुए प्राधिकारी का विचार है कि कंपनी द्वारा अपनी संबद्ध कंपनी से प्राप्त किए गए इन ऋणों पर 7 प्रतिशत का ब्याज उपयुक्त है।
- (iii) प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि मैसर्स राबिन रिसोर्सेस ने (i) पिछली जांच में राबिन रिसोर्सेस के लिए न्यूनतम पाटन मार्जिन; (ii) प्राधिकारी द्वारा यह निर्धारण कि निर्यातक के लिए पाटन मार्जिन, निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में अभिव्यक्त, 2 प्रतिशत से कम था; (iii) गोमांस और चावल पर मैक्सिको – निर्णायक पाटनरोधी जांच के मामले में पैनल रिपोर्ट; (iv) पाटनरोधी नियमावली के नियम 14(ग) के साथ पठित सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम की धारा 9क(1) के विधिक प्रावधानों के अनुसार अपने इस दावे को पुनः दोहराया है कि वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में निर्यात राबिन रिसोर्सेस को शामिल किया जाना न्यासंगत नहीं है और यह कि निर्यातक को वर्तमान जांच के दायरे से अलग कर दिया जाना चाहिए। इस संबंध में प्राधिकारी अपने इस आधार को पुनः दोहराते हैं कि प्राधिकारी मूल जांच के सभी पहलुओं, जिसमें घरेलू उद्योग का दायर, पाटन (पाटन मार्जिन सहित), घरेलू उद्योग को क्षति की मौजूदगी, क्षति मार्जिन आदि शामिल है, की समीक्षा कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, प्राधिकारी यह जांच भी करते हैं कि क्या इस शुल्क को समाप्त कर देने से पाटन एवं घरेलू उद्योग को क्षति की निरंतरता बने रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है। इसलिए, प्राधिकारी यह विचार करते हैं कि जहां किसी निर्यातक को मूल जांच में शून्य शुल्क प्रदान किया गया है और उसे अब पाटन करता हुआ पाया जाता है और उससे घरेलू उद्योग को क्षति कारित करने की संभावना है तो वर्तमान समीक्षा जांच अवधि में पाए गए पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन पर विचार करते हुए शुल्क का अधिरोपण किया जा सकता है। इसलिए, पाटन मार्जिन का निर्धारण किया जाना उपयुक्त है और यदि उसे न्यूनतम से अधिक पाया गया तो इस निर्यातक के लिए पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश की जा सकती है।
- (iv) जहां तक गोपनीयता, घरेलू उद्योग को क्षति न होने, और पाटन एवं क्षति की संभावना न होने के संबंध में विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए अन्य मुद्दों का संबंध है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि उन्होंने सभी पहलुओं की जांच की है और यह निष्कर्ष निकालने का प्रस्ताव करते हैं कि संबद्ध देशों से जांच की अवधि के दौरान भारी आयात होने, सकारात्मक कीमत अधोरदन और सकारात्मक क्षति मार्जिन होने के मद्देनजर घरेलू उद्योग को पर्याप्त क्षति होने की संभावना है। इसके अतिरिक्त, संबद्ध देशों में भारी क्षमताओं के होने और उनका कीमत उन्मुखी होने के कारण पाटन एवं क्षति होने की भारी संभावना है। जहां तक गोपनीयता के मुद्दे का संबंध है, प्रवृत्तियों का उल्लेख करते हुए इंडेक्स फार्म में सूचना प्रदान की जा रही है।
- (v) जहां तक इस मुद्दे का संबंध है कि वर्तमान जांच को खारिज कर दिया जाना चाहिए क्योंकि एक आवेदक जिसकी ओर से वर्तमान जांच की शुरुआत की गई थी, असहयोगकर्ता हो गया है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस जांच की शुरुआत दो आवेदकों द्वारा दिए गए प्रथमदृष्टया साक्ष्यों के आधार पर की गई थी, परंतु जांच की कार्यवाही के दौरान आवेदक मंगलम टिम्बर प्रोडक्ट्स प्राधिकारी द्वारा वांछित ढंग से लागत निर्धारण की सूचना प्रदान नहीं करा पाया था। इसलिए प्राधिकारी, उन्हें घरेलू उद्योग के रूप में नहीं मानते हैं। साथ ही, चूंकि मैसर्स ग्रीनप्लाई इंडस्ट्रीज लिमिटेड का उत्पादन कुल भारतीय उत्पादन का एक बड़ा अनुपात है, इसलिए प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के

प्रयोजनार्थ मैसर्स ग्रीनप्लाई इंडस्ट्रीज लिमिटेड को घरेलू उद्योग के रूप में माना है। यह प्राधिकारी द्वारा पिछली अन्य कई जांचों में अपनाई गई प्रक्रिया के अनुरूप है।

- (vi) जहां तक घरेलू उद्योग द्वारा उठाए गए इस मुद्दे का संबंध है कि आवेदक घरेलू उद्योग ग्रीनप्लाई की बिक्री कीमत का निर्धारण उसके द्वारा देय उत्पाद कर की प्रमात्रा को घटाकर और तत्पश्चात लाभ का निर्धारण करके किया जाना चाहिए, प्राधिकारी का प्रस्ताव है कि वास्तविक आधार पर घरेलू उद्योग की लाभप्रदता और एनएसआर को परिकलित किया जाए जैसाकि पीओआई से संबंधित उनके लेखापरीक्षित विवरणों में प्रतिबिम्बित है। प्राधिकारी का यह भी विचार है कि मौजूदा जांच-पड़ताल में वास्तविक एनएसआर और लाभ ही प्रासंगिक हैं न कि सांकेतिक अनुमान।
- (vii) मेरबाक के इस दावे के संबंध में कि याचिकाकर्ता द्वारा इस जांच में प्रस्तुत किए गए आंकड़ों और इंडोनेशिया एवं वियतनाम के संबंध में प्रस्तुत किए गए आंकड़ों में भारी अंतर है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि इंडोनेशिया और वियतनाम के विरुद्ध जांच की शुरुआत मामले के गुण एवं अवगुणों पर आधारित थी। वर्तमान जांच के संबंध में प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के सभी लागतकरण रिकार्डों/आंकड़ों की जांच कर ली है और उसके पश्चात ही इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं।

झ. द्वितीय प्रकटन पश्चात की गई टिप्पणियों का विवरण

(क) विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रकटन पश्चात की गई टिप्पणियां

105. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकारों द्वारा द्वितीय प्रकटन पश्चात की गई टिप्पणियां पुनरावृत्तिक प्रवृत्ति की हैं और उनका द्वितीय प्रकटन विवरण में समाधान पहले ही कर दिया गया है। विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकारों ने द्वितीय प्रकटन पश्चात जो अति-महत्वपूर्ण विवरण प्रस्तुतिकरण किए हैं वे संक्षेप में निम्नलिखित हैं :

- (i) मेरबाक एमडीएफ लंका (प्राइवेट) लिमिटेड श्रीलंका ने पुनः यह उल्लेख किया है कि प्राधिकारी को चाहिए कि वह लेखा बहियों में किए गए प्रावधान के अनुसार केवल 1.75 प्रतिशत की दर से अंतर-कारपोरेट ऋण पर व्याज की गणना करे जो कि श्रीलंका लेखाकरण मानक (एलकेएस 39) के अनुरूप श्रीलंका के सामान्यतः स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों के अनुरूप है। उससे किया गया कोई भी विपथन अनुचित एवं देश के भूभाग में सुस्थापित मानक प्रक्रिया के विपरीत होगा। स्रोत देश में अर्थात् मलेशिया में व्याज दर ही संगत है और यह भारतीय लागत लेखाकर संस्थान द्वारा जारी लागत लेखाकरण रिकार्डों के अनुरक्षण संबंधी मार्गदर्शी नोट के अनुसार है। प्राधिकारी ने मेरबाक द्वारा प्रस्तुत गोपनीय सूचना और वार्षिक रिपोर्ट में प्रकटित व्याज दर के संबंध में भारतीय पाटनरोधी नियमावली और पाटनरोधी करार की शर्तों का कड़ाई से पालन नहीं किया है।
- (ii) डोंगवहा एमडीएफ (एम) एसडीएन बीएचडी (डीएमएम) एवं डोंगवहा ग्लोबल सेल्स एसडीएन बीएचडी (डीजीएस) की पुनः तर्क है कि डीजीएस ने शेष मात्रा का प्रापण मैसर्स वीआरजी डोंगवहा एमडीएफ ज्वाइंट स्टॉक कंपनी, वियतनाम से की थी और इसलिए वह इस जांच के दायरे से बाहर है। इसके अतिरिक्त, डोंगवहा वियतनाम कंपनी से किया गया है, उसका भारत को निर्यात नहीं किया गया। इसलिए इसके मद्देनजर यह प्रस्तुत किया जाता है कि निर्यातक उस संबद्ध उत्पाद के संबंध में पूर्ण सूचना प्रदान की है जिसका विधि की अपेक्षाओं के अनुरूप भारत को निर्यात किया गया है।
- (iii) इस मुद्दे के संबंध में कि इस वस्तु का विनिर्माण करने के लिए डीएमएम का एक संयंत्र और डीएफबी के दो संयंत्र हैं, यह प्रस्तुत किया जाता है कि डीएमएम और डीएफबी दो पृथक निकाय हैं और डीएमएम ने कोई लेनदेन नहीं किया है अर्थात् संबद्ध उत्पाद की न तो खरीद की है और न ही बिक्री अथवा जांच की अवधि के दौरान कच्चे माल का भी कोई लेन-देन नहीं किया है। इसके अतिरिक्त, डीएफबी ने संबद्ध उत्पाद का निर्यात भी नहीं किया है। तदनुसार, डीएफबी ने प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर नहीं किया है। तदनुसार, डीएफबी ने प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर नहीं किया है और प्राधिकारी के विनिर्दिष्ट फॉर्मेट में इसकी कोई जरूरत भी नहीं है।
- (iv) डीएमएम ने अपनी प्रश्नावली प्रत्युत्तर में यह प्रकटन किया है कि डीएमएम ने एक इनपुट अर्थात् रेजिन की खरीद अपने संबद्ध पक्षकार डीसीएम अर्थात् डोंगवहा कैमिकल्स (एम) एसडीएन बीएचडी (डीसीएम) ने की है, जो डीएमएम की एक पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी है और यह कीमत निर्धारण नजदीकी तौर पर (एट आर्म्स लेंथ) किया गया है।
- (v) मैसर्स राबिन रिसोर्सेस की पुनः तर्क है कि (i) पिछली जांच में राबिन रिसोर्सेस के लिए न्यूनतम पाटन मार्जिन; (ii) प्राधिकारी द्वारा यह निर्धारण कि निर्यातक के लिए पाटन मार्जिन, निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में

अभिव्यक्त, 2 प्रतिशत से कम था; (iii) गोमांस और चावल पर मैक्सिको – निर्णायक पाटनरोधी जांच के मामले में पैनल रिपोर्ट; (iv) पाटनरोधी नियमावली के नियम 14(ग) के साथ पठित सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम की धारा 9क(1) के विधिक प्रावधानों के अनुसार अपने इस दावे को पुनः दोहराया है कि वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में निर्यात राबिन रिसोर्सेस को शामिल किया जाना न्यासंगत नहीं है और यह कि निर्यातक को वर्तमान जांच के दायरे से अलग कर दिया जाना चाहिए।

- (xv) विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकार यह भी दावा करते हैं कि घरेलू उद्योग ने परिमाणात्मक विवरणों के संबंध में भी गोपनीयता का दावा किया है; यह कि पाटन एवं घरेलू उद्योग को कोई क्षति एवं क्षति की संभावना को सिद्ध करने के लिए वास्तव में कोई सूचना नहीं है; और वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच को खारिज कर दिया जाना चाहिए क्योंकि आवेदकों में से एक आवेदक असहयोगकर्ता हो गया है जिससे वर्तमान जांच की शुरुआत का प्रश्न निरर्थक हो गया है।

(ख) घरेलू उद्योग द्वारा प्रकटन पश्चात की गई टिप्पणियां

106. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा द्वितीय प्रकटन पश्चात की गई टिप्पणियां पुनरावृत्तिक प्रवृत्ति की हैं और उनका द्वितीय प्रकटन विवरण में समाधान पहले ही कर दिया गया है। विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकारों ने द्वितीय प्रकटन पश्चात जो अति-महत्वपूर्ण विवरण प्रस्तुतिकरण किए हैं वे संक्षेप में निम्नलिखित हैं :

- i) भारतीय उत्पादकों ने इससे पूर्व निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा अधिसूचित अंतिम जांच परिणाम के विरुद्ध एक अपील दायर की है, जिसमें मुख्य चुनौती निम्नलिखित थी (i) विदेशी उत्पादकों (जिनमें मेरबाक भी शामिल है) का पाटन मार्जिन (उत्पादन लागत सहित); (ii) घरेलू उद्योग का अपर्याप्त प्रकटन (प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन); (iii) कीमत वचनबद्धता की अनुचित स्वीकृति।
- ii) मेरबाक श्रीलंका की खाता बहियां भरोसेमंद नहीं हैं। आंकेक्षकों द्वारा दिया गया यह प्रमाणपत्र कि खाता बहियां जीएएपी के अनुरूप है, प्राधिकारी को कंपनी के उत्पादन लागत का निर्धारण करने के लिए पर्याप्त नहीं है। इसके अतिरिक्त, इन लेखा बहियों में मेरबाक, श्रीलंका द्वारा उपगत किए जा रहे कई प्रचालनों और मेरबाक मलेशिया द्वारा बुक किए जा रहे व्ययों के लिए वपक प्रावधान नहीं है।
- iii) इससे पूर्व याचिकाकर्ता ने यह उल्लेख किया था कि निर्यातकों ने तृतीय देशों को किए गए निर्यातों का खेपवार ब्यौरा उपलब्ध नहीं कराया है। फिर भी प्राधिकारी ने प्रश्नावली प्रत्युत्तर स्वीकार कर लिया है जो डकटाइल आधार पाइप्स के मामले में प्राधिकारी के निर्णय के विरुद्ध है।
- iv) पाटनरोधी शुल्क निश्चित प्ररूप में और यूएस डालर के रूप में अभिव्यक्त शुल्क जारी रखना अपेक्षित है।

(ग) प्राधिकारी द्वारा जांच

107. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग तथा विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकारों द्वारा द्वितीय प्रकटन पश्चात किए गए अधिकांश विवरण प्रस्तुतिकरण पुनरावृत्तिक प्रकृति के हैं और उनका द्वितीय प्रकटन विवरण में पहले ही समाधान कर दिया गया है और उनके एक बार पुनः इस अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना में उपयुक्त शीर्षकों के अंतर्गत समाधान कर दिया गया है। फिर भी, प्राधिकारी ने इन मुद्दे का आवश्यक समझी गई सीमा तक निम्नवत समाधान किया है :

- i) डोंगवहा एमडीएफ (एम) एसडीएन बीएचडी (डीएमएम) और डोंगवहा ग्लोबल सेल्स एसडीएन बीएचडी (डीजीएस) के संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि डीएमएम ने अपने प्रश्नावली प्रत्युत्तर में यह उल्लेख किया है कि उसकी संबंध कम्पनी डोंगवहा फाइबर बोर्ड (डीएफबी), मलेशिया इस विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन और बिक्री करने में अन्तर्गस्त थी। तथापि इसके उत्तरवर्ती प्रस्तुतिकरण में इसने यह उल्लेख किया कि डीएफबी इस संबंध वस्तु का उत्पादन करने में अन्तर्गस्त नहीं थी। प्राधिकारी डीएमएम के निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर के परिशिष्ट-1 से यह नोट करते हैं कि उसने जांच की अवधि में अपनी एक संबंध कम्पनी डीएफबी को संबंध वस्तु की बिक्री की है। तथापि, डीएमएम ने प्रकटन पश्चात की गई अपनी टिप्पणियों में यह उल्लेख किया है कि इसने संबंध वस्तु की बिक्री डीजीएस को ही की है। प्राधिकारी पुनः यह नोट करते हैं कि डीएमएम का दिनांक 31.12.2013 से डीएफबी में विलयन हो गया और इस कारण आज की तारीख में यह मौजूद नहीं है। डीएमएम द्वारा किये गये विरोधाभाषी विवरणों और डीएमएम की संबंध कम्पनी डीएफबी द्वारा निर्यातक प्रश्नावली दायर ना करने के कारण प्राधिकारी डीएमएम और उसकी संबंध कम्पनी

- द्वारा किये गए निर्यात/घरेलू बिक्रियों की तथ्यपरक स्थिति को सत्यापित करने की स्थिति में नहीं है। इसलिए प्राधिकारी ने डोंगवहा एमडीएफ(एम) एसडीएन.बीएचडी. मलेशिया और डोंगवहा ग्लोबल सेल्स एसडीएन बीएचडी मलेशिया के लिये व्यक्तिगत पाटन मार्जिन का निर्धारण नहीं किया है।
- ii) मेरबाक एमडीएफ लंकर (प्राइवेट) लिमिटेड के संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि मेरबाक एमडीएफ लंका (प्राइवेट) लिमिटेड ने अपने इस दावे को पुनः दोहराया है कि मेरबाक श्रीलंका का सामान्य मूल्य कंपनी द्वारा अनुरक्षित रिकार्डों पर आधारित होना चाहिए, न कि किसी अन्य आधार पर। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि मेरबाक श्रीलंका ने इस आशय का कोई निर्णायक दस्तावेजी साक्ष्य अभी भी प्रस्तुत नहीं किया है कि खाता बहियों में प्रभारित 1.75 प्रतिशत वार्षिक की व्याज दर उचित बाजार दर है और यह श्रीलंका में भी एट आर्म्स लेंथ पर है। उपर्युक्त के मद्देनजर प्राधिकारी का यह विचार है कि इस कंपनी द्वारा मलेशिया में अपनी संबद्ध कंपनी से प्राप्त इन ऋणों पर 7 प्रतिशत की दर से व्याज दर पर विचार किया जाना अपेक्षित है जैसा कि पिछली जांच की दिनांक 10.05.2013 की अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना सं. 14/29/2010-डीजीएडी में विचार किया गया है।
- iii) मैसर्स राबिन रिसोर्सेस के संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि मैसर्स राबिन रिसोर्सेस ने अपने दावे को पुनः दोहराया है कि (i) पिछली जांच में राबिन रिसोर्सेस के लिए न्यूनतम पाटन मार्जिन; (ii) प्राधिकारी द्वारा यह निर्धारण कि निर्यातक के लिए पाटन मार्जिन, निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में अभिव्यक्त, 2 प्रतिशत से कम था; (iii) गोमांस और चावल पर मैक्सिको – निर्णायक पाटनरोधी जांच के मामले में पैनल रिपोर्ट; (iv) पाटनरोधी नियमावली के नियम 14(ग) के साथ पठित सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम की धारा 9क(1) के विधिक प्रावधानों के अनुसार अपने इस दावे को पुनः दोहराया है कि वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में निर्यात राबिन रिसोर्सेस को शामिल किया जाना न्यासंगत नहीं है और यह कि निर्यातक को वर्तमान जांच के दायरे से अलग कर दिया जाना चाहिए। इस संबंध में प्राधिकारी अपने इस आधार को पुनः दोहराते हैं कि प्राधिकारी मूल जांच के सभी पहलुओं, जिसमें घरेलू उद्योग का दायर, पाटन (पाटन मार्जिन सहित), घरेलू उद्योग को क्षति की मौजूदगी, क्षति मार्जिन आदि शामिल है, की समीक्षा कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, प्राधिकारी यह जांच भी करते हैं कि क्या इस शुल्क को समाप्त कर देने से पाटन एवं घरेलू उद्योग को क्षति की निरंतरता बने रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है। इसलिए, प्राधिकारी यह विचार करते हैं कि जहां किसी निर्यातक को मूल जांच में शून्य शुल्क प्रदान किया गया है और उसे अब पाटन करता हुआ पाया जाता है और उससे घरेलू उद्योग को क्षति कारित करने की संभावना है तो वर्तमान समीक्षा जांच अवधि में पाए गए पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन पर विचार करते हुए शुल्क का अधिरोपण किया जा सकता है। इसलिए, पाटन मार्जिन का निश्चरण किया जाना उपयुक्त है और यदि उसे न्यूनतम से अधिक पाया गया तो इस निर्यातक के लिए पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश की जा सकती है।
- iv) जहां तक गोपनीयता, घरेलू उद्योग को क्षति न होने, और पाटन एवं क्षति की संभावना न होने के संबंध में विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए अन्य मुद्दों का संबंध है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जहां तक गोपनीयता के मुद्दे का संबंध है, प्रवृत्तियों का उल्लेख करते हुए इंडेक्स फार्म में सूचना प्रदान की जा रही है और इसके अतिरिक्त उन्होंने सभी पहलुओं की जांच की है और यह निष्कर्ष निकालने का प्रस्ताव करते हैं कि संबद्ध देशों से जांच की अवधि के दौरान भारी आयात होने, सकारात्मक कीमत अधोरदन और सकारात्मक क्षति मार्जिन होने के मद्देनजर घरेलू उद्योग को पर्याप्त क्षति होने की संभावना है। इसके अतिरिक्त, संबद्ध देशों में भारी क्षमताओं के होने और उनका कीमत उन्मुखी होने के कारण पाटन एवं क्षति होने की भारी संभावना है। जहां तक गोपनीयता के मुद्दे का संबंध है, प्रवृत्तियों का उल्लेख करते हुए इंडेक्स फार्म में सूचना प्रदान की जा रही है। इसके अतिरिक्त, संबद्ध देशों की भारी क्षमताएं और उनकी कीमत उन्मुखता समान पाटन एवं क्षति की संकेतक है।
- v) जहां तक इस मुद्दे का संबंध है कि वर्तमान जांच को खारिज कर दिया जाना चाहिए क्योंकि एक आवेदक जिसकी ओर से वर्तमान जांच की शुरुआत की गई थी, असहयोगकर्ता हो गया है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस जांच की शुरुआत दो आवेदकों द्वारा दिए गए प्रथमदृष्टया साक्ष्यों के आधार पर की गई थी, परंतु जांच की कार्यवाही के दौरान आवेदक मंगलम टिम्बर प्रोडक्ट्स प्राधिकारी द्वारा वांछित ढंग से लागत निर्धारण की सूचना प्रदान नहीं करा पाया था। इसलिए प्राधिकारी, उन्हें घरेलू उद्योग के रूप में नहीं मानते हैं। साथ ही, चूंकि मैसर्स ग्रीनप्लाई इंडस्ट्रीज लिमिटेड का उत्पादन कुल भारतीय उत्पादन का एक बड़ा अनुपात है, इसलिए प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ मैसर्स ग्रीनप्लाई इंडस्ट्रीज लिमिटेड को घरेलू उद्योग के रूप में माना है। यह प्राधिकारी द्वारा पिछली अन्य कई जांचों में अपनाई गई प्रक्रिया के अनुरूप है।

व. भारतीय उद्योग का हित तथा अन्य मुद्दे

108. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का प्रयोजन, सामान्यतः, पाटन की अनुचित व्यापार प्रक्रियाओं घरेलू उद्योग को कारित की जा रही क्षति का उपशमन करना है जिससे कि भारतीय बाजार में मुक्त और पक्षपात रहित प्रतिस्पर्धा पुनः स्थापित की जा सके जो देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण संबद्ध देश से आयातों को किसी भी तरह से प्रतिबंधित नहीं करेगा और इसलिए उपभोक्ताओं को इस उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

109. ऐसा माना जाता है कि पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण संबद्ध वस्तु का प्रयोग करके विनिर्मित उत्पाद के कीमत स्तर को प्रभावित करेगा और इसके परिणामस्वरूप इस उत्पाद की संगत प्रतिस्पर्धात्मता पर कुछ प्रभाव पर अवश्य पड़ेगा। तथापि, पाटनरोधी शुल्क द्वारा भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी, खासकर तब जब पाटनरोधी शुल्क का उद्ग्रहण घरेलू उद्योग को क्षति का प्रशमन करने के लिए आवश्यक राशि तक प्रतिबंधित हो। इसके विपरीत, पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण पाटन की प्रक्रियाओं द्वारा अर्जित अनुचित लाभ दूर करेगा, घरेलू उद्योग के निष्पादन में आने वाली गिरावट को कम करेगा और संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं को व्यापक विकल्प की उपलब्धता बनाए रखने में सहायता करेगा।

निष्कर्ष तथा सिफारिशें

110. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरणों और उनमें उठाए गए मुद्दों की जांच करने के और रिकार्ड में उपलब्ध तथ्यों पर विचार करने के पश्चात प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि संबद्ध देशों से इस विचाराधीन उत्पाद का भारत को निर्यात इससे जुड़े सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर किया गया है जिसके परिणामस्वरूप इस उत्पाद का पाटन हुआ है। घरेलू उद्योग को संबद्ध वस्तु के संबंध में वास्तविक क्षति हुई है। यह वास्तविक क्षति संबद्ध देशों से पाटित आयातों द्वारा कारित की गई है।

111. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह जांच शुरू की गई है और इसकी सभी हितबद्ध पक्षकारों को सूचना दी गई और निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंधों के पहलुओं पर सकारात्मक सूचना प्रदान करने के लिए पर्याप्त अवसर दिया गया। पाटनरोधी नियमावली में उल्लिखित निर्बंधनों के अनुरूप पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंधों की जांच प्रारंभ करके और आयोजित करके तथा सकारात्मक पाटन मार्जिन तथा इन पाटित आयातों द्वारा घरेलू उद्योग को कारित वास्तविक क्षति स्थापित करके, प्राधिकारी का यह विचार है कि पाटन और उसके परिणामस्वरूप हुई क्षति को दूर करने के लिए पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन के न्यूनतर के बराबर निर्णायक पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण अपेक्षित है जिससे घरेलू उद्योग की क्षति को दूर किया जा सके। क्षति मार्जिन का निर्धारण करने के लिए विचाराधीन उत्पाद के आयातों के उतराई मूल्य की तुलना जांच की अवधि के लिए घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित घरेलू समान उत्पाद की गैर-क्षतिकारी कीमत से की गई।

112. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए न्यूनतर शुल्क को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी क्षति मार्जिन और पाटन मार्जिन के न्यूनतर के बराबर निर्णायक पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने की सिफारिश करते हैं। तदनुसार, अधोलिखित तालिका में निर्दिष्ट राशि के अनुरूप पाटनरोधी शुल्क का संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी अधिसूचना की तारीख से अधिरोपण करने की सिफारिश करते हैं।

शुल्क तालिका

क्र.सं.	उप-शीर्ष	वस्तु विवरण	उदगम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	मापन की इकाई	मुद्रा
1.	44.11	6 एमएम और उससे अधिक के सादा मध्यम घनत्व के फाइबर बोर्ड	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	कोई	कोई	46.09	प्रति क्यूबिक मीटर	यूएस डालर
2.	44.11	6 एमएम और उससे अधिक के सादा मध्यम घनत्व के फाइबर बोर्ड	चीन जन.गण.	कोई	कोई	कोई	46.49	प्रति क्यूबिक मीटर	यूएस डालर

क्र.सं.	उप-शीर्ष	वस्तु विवरण	उदगम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	मापन की इकाई	मुद्रा
3.	44.11	6एमएम और उससे अधिक के सादा मध्यम घनत्व के फाइबर बोर्ड	संबद्ध देशों से इतर कोई देश	चीन जन.गण.	कोई	कोई	46.49	प्रति क्यूबिक मीटर	यूएस डालर
4.	44.11	6 एमएम और उससे अधिक के सादा मध्यम घनत्व के फाइबर बोर्ड	थाईलैंड	थाईलैंड	कोई	कोई	45.27	प्रति क्यूबिक मीटर	यूएस डालर
5.	44.11	6 एमएम और उससे अधिक के सादा मध्यम घनत्व के फाइबर बोर्ड	थाईलैंड	कोई	कोई	कोई	45.27	प्रति क्यूबिक मीटर	यूएस डालर
6.	44.11	6 एमएम और उससे अधिक के सादा मध्यम घनत्व के फाइबर बोर्ड	संबद्ध देशों से इतर कोई देश	थाईलैंड	कोई	कोई	45.27	प्रति क्यूबिक मीटर	यूएस डालर
7.	44.11	6 एमएम और उससे अधिक के सादा मध्यम घनत्व के फाइबर बोर्ड	मलेशिया	मलेशिया	मैसर्स राबिन रिसोर्स मलेशिया एसडीएन बीएचडी	मैसर्स राबिन रिसोर्स मलेशिया एसडीएन बीएचडी	5.72	प्रति क्यूबिक मीटर	यूएस डालर
8.	44.11	6 एमएम और उससे अधिक के सादा मध्यम घनत्व के फाइबर बोर्ड	मलेशिया	मलेशिया	ऊपर क्रम संख्या 7 के अलावा कोई अन्य संयोजन		36.10	प्रति क्यूबिक मीटर	यूएस डालर
9.	44.11	6 एमएम और उससे अधिक के सादा मध्यम घनत्व के फाइबर बोर्ड	मलेशिया	कोई	कोई	कोई	36.10	प्रति क्यूबिक मीटर	यूएस डालर
10.	44.11	6 एमएम और उससे अधिक के सादा मध्यम घनत्व के फाइबर बोर्ड	संबद्ध देशों से इतर कोई देश	मलेशिया	कोई	कोई	36.10	प्रति क्यूबिक मीटर	यूएस डालर
11.	44.11	6 एमएम और उससे अधिक के सादा मध्यम घनत्व के फाइबर बोर्ड	श्रीलंका	श्रीलंका	मैसर्स मेरबाक एमडीएफ लंका (प्राइवेट) लिमिटेड	मैसर्स मेरबाक एमडीएफ लंका (प्राइवेट) लिमिटेड	11.83	प्रति क्यूबिक मीटर	यूएस डालर

क्र.सं.	उप-शीर्ष	वस्तु विवरण	उदगम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	मापन की इकाई	मुद्रा
12.	44.11	6 एमएम और उससे अधिक के सादा मध्यम घनत्व के फाइबर बोर्ड	श्रीलंका	श्रीलंका	ऊपर क्रम संख्या 11 के अलावा कोई अन्य संयोजन		26.49	प्रति क्यूबिक मीटर	यूएस डालर
13.	44.11	6 एमएम और उससे अधिक के सादा मध्यम घनत्व के फाइबर बोर्ड	श्रीलंका	कोई	कोई	कोई	26.49	प्रति क्यूबिक मीटर	यूएस डालर
14.	44.11	6 एमएम और उससे अधिक के सादा मध्यम घनत्व के फाइबर बोर्ड	संबद्ध देशों से इतर कोई देश	श्रीलंका	कोई	कोई	26.49	प्रति क्यूबिक मीटर	यूएस डालर

113. इस अधिसूचना के प्रयोजनार्थ आयातों का उतराई मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) द्वारा यथानिर्धारित कर निर्धारित मूल्य होगा और उसमें उक्त अधिनियम की धारा 3, 3क, 8ख, 9, और 9क के अंतर्गत शुल्कों के अलावा सभी सीमा शुल्क शामिल होंगे।

114. इन जांच परिणामों के संबंध में केंद्रीय सरकार द्वारा जारी आदेशों के विरुद्ध सीमा शुल्क प्रशुल्क अधिनियम के अनुसार सीमा शुल्क, उत्पाद कर और सेवा शुल्क अपीलीय अधिकरण के समक्ष अपील दायर की जा सकेगी।

ए. के. भल्ला, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 17th August, 2015

(Final Findings)

Subject: Sunset Review (SSR) of anti-dumping duty imposed on the imports of Plain Medium Density Fibre Board originating in or exported from China PR, Malaysia, Thailand and Sri Lanka-reg.

A. BACKGROUND OF THE CASE

1. **No.15/28/2013-DGAD:-** Whereas having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Duty on Dumped Article and for Determination of Injury) Rules, 1995 (hereinafter referred to as the AD Rules), the Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) had initiated the original investigation concerning imports of "Plain Medium Density Fibre Board" (hereinafter also referred to as the subject goods), originating in or exported from the China PR, Malaysia, New Zealand, Thailand and Sri Lanka vide notification no.14/12/2007-DGAD dated 6th June, 2008. The Authority issued its Final Findings vide Notification No. 14/12/2007- DGAD dated 26th August, 2009, recommending to the Central Government imposition of anti dumping duty on the imports of the subject goods originating in or exported from China PR, Malaysia, Thailand and Sri Lanka (hereinafter also referred to as the subject countries). Definitive anti dumping duties were imposed by the Central

Government vide Finance Notification No. 116/2009-Customs dated the 8th October, 2009 on all imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries.

2. Whereas, in terms of the Act and the Rules, the anti dumping duty imposed shall, unless revoked earlier, cease to have effect on the expiry of five years from the date of such imposition.
3. And whereas, the Authority is required to review, on the basis of a duly substantial request made by or on behalf of the domestic industry within a reasonable period of time prior to the date of the expiry of the measure as to whether the expiry of duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury.
4. Whereas, M/s. Greenply Industries Ltd. and Mangalam Timber Products Ltd. (hereinafter also referred to as the applicants or the petitioners), major producers of Plain Medium Density Fibre Board in India approached the Authority with a duly substantiated application requesting for sunset review of the anti dumping duties earlier imposed on the imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries and seeking continuation of anti dumping duty on the imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries. The request was based on the grounds that dumping has continued in spite of imposition of anti dumping duty on the imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries and the domestic industry continues to suffer injury on account of dumping from the subject countries as the form and quantum of anti dumping duty in force has been insufficient. The applicants further argued that expiry of the measure against the subject countries is likely to result in continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry. The applicants have identified other companies that are holding capacities to manufacture Plain Medium Density Fibre Board, namely, Rushil Décor Limited, Shirdi Industries Limited, Balaji Action Buildwell and Nuchem Limited and further stated that Nuchem Limited and another company, namely, Bajaj Eco-Tec Products Limited, are no longer producing the product concerned.
5. In view of the duly substantiated application containing prima facie sufficient evidence of dumping and injury filed by the applicants as the domestic industry and in accordance with Section 9A(5) of the Act, read with Rule 23 of the Anti-dumping Rules, the Authority initiated a sunset review investigation vide Notification No. 15/28/2013-DGAD dated 18th February, 2014 to review the need for continued imposition of the anti-dumping duties in respect of the subject goods, originating in or exported from the subject countries, and to examine whether the expiry of the said duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry.
6. The scope of the present review covers all aspects of the previous investigations concerning dumping of the subject goods, originating in or exported from the subject countries and consequent injury to the domestic industry.

B. PROCEDURE

7. The procedure described below has been followed in this investigation:
 - i. The Authority notified the Embassies of the subject countries in India about the receipt of application alleging dumping of the subject goods originating in or exported from the subject countries before proceeding to initiate the investigation in accordance with the Antidumping Rules.
 - ii. The Authority issued a public notice No. 15/28/2013-DGAD dated 18th February, 2014 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating sunset review anti dumping investigation concerning imports of the subject goods, originating in or exported from the subject countries.
 - iii. The Authority forwarded a letter along with copy of the public notice to all the known exporters and other interested parties/industry associations (whose details were made available by the domestic industry) and gave them opportunity to make their views known in writing within the prescribed time limits in accordance with the anti-dumping rules.
 - iv. The Authority provided copy of the non-confidential version of the application to the known exporters from the subject countries and the Embassies of the subject countries in India in accordance with Rules 6(3) supra. A copy of the non-confidential version of the application was also made available in the public file and provided to other interested parties, wherever requested.
 - v. Copy of the letter and the exporter questionnaires sent to the exporters/producers in the subject countries were also sent to the Embassies of the subject countries in India along with a list of known

exporters/producers with a request to advise the known exporters/producers from the subject countries as also other exporters/producers from the subject countries to respond to the questionnaires within the prescribed time limit from the date of issue of the letter in accordance with the Rules 6(2) & 6(4).

- vi. The Authority sent exporter's questionnaires to elicit relevant information to the following known exporters in the subject countries in accordance with the Anti-dumping Rules:
 - i. M/s. Tomrich International Trading Limited, Shanghai, China PR
 - ii. M/s. Nanjing ETAI Trading Co Limited, China PR
 - iii. M/s. Linyi Baideli International Trade Co. Ltd, China PR
 - iv. M/s. Linyi Hongfu Timber Co. Ltd, China PR
 - v. M/s. Wenzhou Timber Group Co. Ltd., China PR
 - vi. M/s. Shouguang Guihe Economic and Trade Co. Limited, China PR
 - vii. M/s. Zhanjiang Kingstar Building Material Co. Limited, China PR
 - viii. M/s. Guangdong Weihua Holding Co. Ltd., China PR
 - ix. M/s. Linyi Baideli International Trade Co. Ltd., China PR
 - x. M/s. Shunlong MDF-board Co. Ltd, China PR
 - xi. M/s. Shanghai Sindo Panel Co., Ltd, China PR
 - xii. M/s. Shuyang New Concept Wood Co., Ltd, China PR
 - xiii. M/s. Shouguang Wanda Wood Industry, China PR
 - xiv. M/s. Dongwha Fibreboard Sdn. Bhd., Malaysia
 - xv. M/s. Daiken Sarawak Bdh. Sd., Malaysia
 - xvi. M/s. Evergreen Fibre Berhad (JB) Sdn. Bhd.
 - xvii. M/s. Evergreen Fibre Berhad (EFB)
 - xviii. M/s. Robin Resources (Malaysia) Sdn. Bhd, Malaysia
 - xix. M/s. Segamat Panel Boards Sdn Bhd., Malaysia
 - xx. M/s. Advance Fibre Co., Thailand
 - xxi. M/s. Khon Kaen MDF Board, Thailand
 - xxii. M/s. Vanachai Panel Industries Co. Ltd, Thailand
 - xxiii. M/s. Siam Fibreboard Co. Limited, Thailand
 - xxiv. M/s. Metro Fiber Co. Ltd, Thailand
 - xxv. M/s. Vanachai Group Public Co. Ltd, Thailand
 - xxvi. M/s. Metro M.D.F. Co. Ltd, Thailand
 - xxvii. M/s. Merbok MDF Lanka Pvt. Limited, Sri Lanka
- vii. Response to the exporter's questionnaire along with legal submissions were received from following producers/exporters/traders from Malaysia and Sri Lanka:
 - a. M/s. Merbok MDF Lanka (Private Ltd), Sri Lanka
 - b. M/s. Dongwha MDF (M) Sdn. Bhd., Malaysia
 - c. M/s. Dongwha Global Sales Sdn. Bhd., Malaysia
 - d. M/s. Robin Resources (Malaysia) Sdn Bhd., Malaysia
- viii. The Authority forwarded a copy of the public notice to the following known importers/consumers of the subject goods in India (whose names and addresses were made available to the Authority by the

applicants) and advised them to make their views known in writing within the prescribed time limit in accordance with Rule 6(4):

- i. Ply Point, Kerala
 - ii. Jacsons Veneers and Panels P. Ltd, Kerala
 - iii. Label Sales Corpn, Kerala
 - iv. Kalinga Imports & Exports P. Ltd, Kerala
 - v. Srivari Traders, Tamil Nadu
 - vi. Victory Plywood Distributors, Kerala
 - vii. Thamarapally Brothers, Kerala
 - viii. Mathewsons Exports & Imports P. Ltd, Kerala
 - ix. R.J. Metals, Kerala
 - x. Feroke Boards Ltd, Kerala
 - xi. Krishna Plywoods, Tamil Nadu
- ix. Thamarapally Brothers Trading Private Ltd, Kochi filed questionnaire response as an importer.
- x. The Period of Investigation (POI) for the purpose of the present review investigation is 1st October, 2012 to 30th September, 2013. The examination of trends in the context of injury analysis covered the financial years 2010- 2011, 2011- 2012 and 2012- 2013 and the POI.
- xi. The import data for the period of investigation and preceding three years was obtained from Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) and the same has been adopted for the purpose of the present investigation.
- xii. Exporters, producers, importers and other interested parties who have neither responded to the Authority nor supplied information relevant to this investigation have been treated as non-cooperating interested parties by the Authority.
- xiii. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties as per the Rules.
- xiv. The Authority has examined the information furnished by the domestic producers to the extent considered necessary on the basis of guidelines laid down in Annexure III of the Rules and worked out the cost of production and the non-injurious price of the subject goods in India so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry.
- xv. In accordance with the Rules, the Authority provided opportunity to all interested parties to present their views orally in a public hearing held on 31st October, 2014. All the interested parties attending the hearing were requested to file written submissions/rejoinders of the views expressed orally. However, after the oral hearing and issuance of the Disclosure Statement on 03.08.2015, because of the sudden administrative exigency, a new officer was appointed as the Designated Authority. This development necessitated that a new public hearing be held by the new DA as per the judgement of the Hon'ble Supreme Court in the matter of Automotive Tyre Manufacturers Association (ATMA) vs Designated Authority, delivered by a Division Bench in Civil Appeal No. 949 of 2006 on 7-1-2011. The new oral hearing was, therefore, conducted by the new Designated Authority on 07.08.2015. All the interested parties attending the hearing were again requested to file written submissions/rejoinders of the views expressed orally.
- xvi. Verification of the information and data submitted by the domestic industry and the responding exporters was carried out to the extent deemed necessary.
- xvii. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on

- confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.
- xviii. Wherever an interested party has refused access to or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation or has significantly impeded the investigation, the Authority has recorded its views/observations on the basis of the 'facts available' and treated such parties as non-cooperative.
 - xix. A Disclosure Statement containing the essential facts in this investigation which would have formed the basis of the Final Findings was issued to the interested parties on 03.08.2015. However, after the appointment of new Designated Authority, a new Disclosure Statement was issued on 11.08.2015, and the interested parties again submitted their comments on the new Disclosure Statement.
 - xx. The submissions made by the interested parties during the course of this investigation have been examined and addressed in this investigation to the extent found relevant.
 - xxi. The Central Government, at the request of the Authority, extended the time to complete the investigation up to 17.08.2015
 - xxii. *** in this Final Findings Notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
 - xxiii. The exchange rate for the POI has been taken by the Authority as Rs.56.89 = 1US\$.

C. SCOPE OF PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

Submissions made by the Domestic Industry

8. Following are the submissions made by the domestic industry with regard to the product under consideration (PUC) and the like article:
 - i. The product under consideration in the present investigation is Plain Medium Density Fibreboard having thickness of 6mm or more originating in or exported from China PR, Malaysia, Thailand and Sri Lanka.
 - ii. The present investigation is a sunset review investigation for continued imposition of anti dumping duty. Therefore, the product under consideration is the same, which has been in the original investigation.
 - iii. The product is produced in two types, i.e., plain and laminated. MDF board is processed further, such as painted, laminated by veneer etc. to obtain laminated MDF Board. Product scope of the present petition does not include laminated MDF Board.
 - iv. MDF has many advantages over plank wood, particle board, or high density fibre boards. It is very smooth because the wood fibres used in its manufacture are uniform and fine. This makes it having low "tear out," which means that when sawed, the end has a smooth cut instead of a jagged edge. This also means that a coat of primer and a couple of coats of paint take well, leaving an attractive, finished surface unlike other composite wood products. MDF also has a mild reaction to moisture, meaning it will not warp or swell in high-humidity applications like a bathroom cabinet.
 - v. MDF is appropriate for many applications, from cabinetry to moulding, because it is smooth, uniform, and won't warp. Builders use MDF in many capacities such as in furniture, shelving, laminate flooring, decorative moulding, doors, etc. They value MDF for its insular qualities in sound and heat. Also, it can be nailed, glued, screwed, stapled or attached with dowels, making it as versatile as plank wood. Usually, people working with MDF use a carbide saw fitted with a vacuum to reduce the amount of airborne dust.
 - vi. Reconstituted, engineered wood products like MDF are often covered in a veneer or laminate. These thin layers of vinyl or real wood disguise the MDF, especially along visible edges. Some people prefer using MDF over regular lumber because it has a lower impact on the environment. MDF is solely made from waste products, the leftover scraps that would otherwise be dumped in a landfill. This attraction has helped it gain popularity among homeowners. It is now available not just to contractors but many home improvement centres and lumberyards stock it in sheets for the general public.

- vii. Large-scale production of MDF began in the 1980s. Its name is derived from the distinction in densities of fibreboard. MDF typically has a density of 600-800 kg/m³, in contrast to particle board (160-450 kg/m³) and to high-density fibreboard (800-1450 kg/m³). Similar manufacturing processes are used in making all types of fibreboard.
- viii. MDF is also known as Customwood or Craftwood.
- ix. MDF is one of the four main categories of wood based panels - laminated boards, particle boards, fibreboards and oriental strand boards. These different types of boards are distinguished by the level of conversion of the wood raw material into veneers, particles or fibres. MDF is a type of fibreboard made from wood or other lignocellulosic materials, refined into fibres and reconstituted with a resin binder (glue) carried out at elevated temperatures. The raw wood material can be in almost any form or specie and in almost any mixture such as low grade wood specie, branches, small diameter trees, hardwood, softwood, millwaste and forestry waste chips. As such, the recovery rate of the raw material is almost 100%.
- x. In MDF individual raw wood elements cannot be identified in the finished board. This is due to the fibreizing process. MDF has a homogeneous structure with uniform texture and properties throughout. There are no identifiable grains or knots seen at the edge, end or face nor any internal voids or pits or variation in surface hardness.
- xi. MDF is easier to machine than natural wood and can be laminated and painted to produce almost any board finish. It can be sawed and shaped very evenly and smoothly - a process which cannot be achieved to the same degree with particle boards. MDF can be nailed, stapled, routed, sanded and screwed just like any natural wood product. It has the mechanical and physical characteristics approaching the levels associated with solid wood and in many its applications can be used as an ideal substitute for solid wood. Rubber wood MDF is particularly light in colour which makes it especially easy to paint and permits the application of very thin laminates without the underlying board colour darkening the laminate.
- xii. Thin MDF boards are an ideal alternative to plywood. Typical applications in furniture include drawer bottoms, backs of cabinets and centre panels in framed doors. In building interiors, thin MDF can be used for wall and ceiling panelling, as skins for flush doors, partitioning, office screens, lightweight doors and exhibition panelling. Given developments in High Moisture Resistant panel boards, MDF is finding growing markets for exterior applications as well. Thin MDF has found its way into novel applications such as shoe making, motor vehicle interior parts, toys, printed circuit board production and blades for electric fans. Due to its excellent acoustic properties, MDF is also being successfully used in Hi-Fi equipment.
- xiii. Thick MDF boards can be used in building as architectural features such as columns and archways where the warp resistance, torsional stability, screw-holding strength and edge finishing characteristics of MDF make it a good substitute for solid wood. Thick MDF is used as a core substrate material for panelling with veneers, printed surfaces, vinyl and low pressure laminates due to its dimensional stability and smoothness. Thick MDF can also be used for a wide range of furniture such as tables, cabinets, windows, doors, frames, handicraft items, display or exhibition stands and signs, ceiling, toys, carving, partitions, maritime applications and educational equipment. Thick MDF is also widely used as a base material for laminated and veneered wood products for flooring and wall panelling and for foil wrapped mouldings.
- xiv. MDF is easily shaped into almost any form and is commonly available in lengths up to 18 feet and, therefore, an excellent material for finished interior mouldings. MDF has a good bonding strength and resistance to compression, and so can be finished by a variety of secondary processes such as flooring, partitions and table tops. The complete versatility of MDF is yet to be utilized.
- xv. Plain Medium Density Fibreboard is normally produced and sold in standard sizes, and is used by cutting as per size and design requirement of the user. The standard thicknesses in which it is produced and sold are 4mm, 5mm, 9mm, 12mm, 15mm, 18mm, 25mm and standard size is 8'X4'. It can, however, be produced in the sizes as per the requirement of the customer.
- xvi. The subject goods are used in building and construction, furniture, industrial, handicrafts purposes, etc. The following are major application of subject goods:

- a. Building and construction: Partition panel, inserts, panel insets for panel doors and flush doors shutters, cavity flooring, ceiling, flooring, panelling, door, moulding, cornice, pelmets, skirting, etc.
 - b. Furniture: Modular furniture, computer tables, work stations, cupboard shutters, duel desks for primary schools, TV cabinets etc.
 - c. Industrial: Laminate substrate, scientific instruments, musical instruments, stationery items, office equipments, speaker boxes, fridge & sewing machine tops, package, shoe heels, toys, sports goods, pool tables, cut-outs, photo lamination base, engineering drawing board, wall clock cabinets, pallet boxes for packing, mould and dies, skirting, cornices, handrails, clocks, trophies, blackboards, interior of buses and railway coaches, etc.
- xvii. There is no known difference in product under consideration produced by the Indian industry and exported from the subject countries. Product under consideration produced by the Indian industry and exported from the subject countries are comparable in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process and technology, functions and uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers are using the two interchangeably. Subject goods produced by the petitioner companies are and should be treated as like articles to the subject goods imported from the subject countries in accordance with the anti dumping rules.

Submissions by producers/exporters/importers/other interested parties

9. No relevant submission has been made by the producers/exporters/ importers/other interested parties with regard to the scope of the product under consideration and the like article.

Examination by the Authority

10. The product under consideration in the original investigation and the present investigation is Plain Medium Density Fibre Board having thickness of 6 mm or more (hereinafter referred to as the product under consideration).
11. In the previous investigation conducted on the subject goods, the Authority had defined the product under consideration and its scope as under:

“The product under consideration is Plain Medium Density Fibre Board also known as Plain MDF Board in market parlance. Plain Medium Density Fibre Board, or Plain MDF Board is a composite wood product made out of wood waste fibres glued together with urea formaldehyde resin or melamine resin, heat and pressure. It is widely used for partitions, Modular furniture, cabinets etc, due to its smooth and uniform finish. MDF Board is produced in plain form and lamination is additional processing which is done after production of Plain MDF Board. The laminated Medium Density Fibre Board (laminated MDF Board) is beyond the scope of product under consideration. The Authority in its Preliminary Findings considered the submissions received on the product under consideration and after due examination excluded the Plain Medium Density Fibre Board below 6MM thickness from the product scope and accordingly the product under consideration was considered as Plain Medium Density Fibre Board from 6 MM thickness and above and same is also considered in this investigations.

The product is classified under heading 44.11 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975). The Customs classification is, however, indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation.

12. The scope of the product under consideration in the investigation shall remain the same as the scope of the product under consideration in the final findings earlier notified and ADD imposed. Nor any interested party has made any submissions for a need for any modification in the scope of the product under consideration.
13. The applicants submitted that the product manufactured by the domestic industry and the subject goods imported into India from the subject countries are like articles within the meaning of the Anti-dumping Rules, as there is no known difference between the subject goods imported from the subject countries and those produced by the domestic industry. The subject goods produced by the domestic industry and imported from the subject countries are comparable in terms of essential product characteristics, such as, physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The consumers can

use and are using the two interchangeably and that the two are technically and commercially substitutable.

14. No interested party has made any major submissions disputing the claim of the domestic industry nor shown any difference in the two.
15. After examination, the Authority concludes that the subject goods produced by the domestic industry are like article to that imported from the subject countries.

D. DOMESTIC INDUSTRY AND STANDING

Submissions by the Domestic Industry

16. The following are the submissions made by the domestic industry with regard to the scope of the domestic industry and standing:
 - i. The standing requirement is not relevant in a sunset review.
 - ii. Production of the petitioners command a major proportion in Indian production in the POI and, therefore, the petitioners constitute domestic industry.
 - iii. The domestic industry in the original investigation comprised M/s. Shirdi Industries Limited, Mumbai and M/s. Nuchem Limited, Faridabad. In the present case, Sunset Review petition was filed by Greenply Industries Limited and Mangalam Timber Products Ltd.
 - iv. For the present period, the production of the petitioners constitutes a major proportion of the total domestic production and thus petitioners constitute domestic industry.
 - v. The constitution of the industry has changed over the years. There are seven companies that have MDF plants. These are Nuchem Limited, Shirdi Industries Limited, Mangalam Timber Products Limited, Greenply Industries Limited, Balaji Action Buildwell, Rushil Décor Limited and Bajaj Eco Tec Products Limited. Two companies have now closed production, namely, Nuchem limited, and Bajaj Eco Tec Ltd. Nuchem limited (manufacturing NUWUD MDF brand) shut down production post 2010-11. Bajaj Eco-Tec Products limited ceased producing the like product before the base year.
 - vi. The Indian market for the product is quite significant. In the hope of good performance and profits, when the new companies entered the market, the earlier companies were still in existence. While some of the old companies have shut down production, now these new companies are struggling to survive in view of the dumped products.
 - vii. It is also pointed out that investment in these plants requires 2-3 years time before the plant can commence commercial production. Thus, commencement of production by Balaji Action Buildwell in February 2011 and March 2013 and of Rushil Décor Limited in September 2013 should be seen as a decision of these companies to make investment 2-3 years before these periods.
 - viii. Given that the product under consideration is an encouraged product, lots of investments have been attracted in this industry in the hope that this is a good market opportunity. However, dumping of the product in the country has been resulting in continued unviability of the operations to such an extent that the same is leading to plant closures. Thus, it can be considered that continued dumping of the product has caused injury to the domestic industry to such an extent that it has made domestic industry operations unviable to the extent of plant closures.
 - ix. Standing is a requirement under Rule 5 which is clearly not applicable to Rule 23. Rule 23 (3) clearly provides that the provisions of rules 6, 7, 8, 9, 10, 11, 16, 17, 18, 19 and 20 shall be mutatis mutandis applicable in case of review. Clearly, rule 5 has been excluded intentionally herein. Nevertheless, the petition contains sufficient information and establishes that the petitioners have requisite standing to file the present petition.
 - x. With regard to the composition of the domestic industry, it may be noted that there is no legal provision stating that the composition of the domestic industry in an original investigation and review investigation should be the same. In fact, there is no such legal requirement for the reason that there can be material change in the industry structure over time period. The scope of domestic industry is required to be determined on the basis of facts prevailing during the period of investigation.

Submissions by the producers/exporters/importers/other interested parties

17. The following are the submissions made by the producers/exporters/other interested parties with regard to scope of the domestic industry and standing:
- i. With regard to petitioner's argument that standing is not required to be determined in a sunset review investigation, it is provided that as per Rule 23(1B), when a request for initiation of sunset review investigation is made by the domestic producers, the same is inevitably required to meet the criteria of standing as laid down under the Anti-dumping Rules, as mandated, that the written request by them is on or behalf of the domestic industry.
 - ii. Petitioners are under an obligation to establish standing and can not bypass rules since the request for initiation of current investigation was made by the petitioners.
 - iii. Standing is an inevitable criterion in sunset review investigations as the injury or the likelihood of injury can be examined for the domestic industry but not for any domestic producers.
 - iv. M/s. Mangalam Timber Products Ltd was disqualified in the previous investigation on account of being an importer. Therefore, presently the information from M/s. Mangalam Timber Products should be thoroughly examined as to when it stopped importing the goods and as to why it shall be treated as part of domestic industry.
 - v. Information from other remaining producers especially from Shirdi Industries, Nuchem and Balaji Action Buildwell must be obtained for a meaningful analysis and justifiable findings.

Examination by Authority

18. The Authority notes that Rule 2(b) of the Anti-dumping Rules provides as follows:
- “(b) “domestic industry” means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are relate to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term ‘domestic industry’ may be construed as referring to the rest of the producers”*
19. The Authority notes that the application was filed by M/s. Greenply Industries Ltd and M/s. Mangalam Timber Products Ltd. It is supported by Rushil Décor Limited and M/s. Balaji Action Buildwell.
20. As regards the contention that petitioners' are under an obligation to establish standing, the Authority notes that the production of the petitioners constituted a major proportion in Indian production and, therefore, standing requirement has been complied with.
21. As regards the contention concerning imports by M/s. Manglam Timber Products Ltd in the previous investigation, the Authority notes that the issue of relationship is required to be seen in respect of POI now fixed by the Authority. Even if a company was treated ineligible at the time of previous investigation, the same does not ipso facto imply that the company should now be treated ineligible even in the present investigation as well. It is, however, noted that Mangalam Timber Products Ltd. has not provided all information necessary for verification of the information earlier provided by the company. The company requested the Authority to consider their financial data on the basis of information provided in the petition. The Authority, however, considers that mere providing information in the form and manner prescribed is insufficient for inclusion of a company within the scope of the domestic industry. The company is required to provide all relevant and necessary information to the Authority in support of the information earlier provided. This is all the more important in a situation where the information on record shows that the cost of production of the company is higher than other constituent of the domestic industry and company is suffering significant losses. The Authority is, therefore, constrained to exclude Mangalam Timber Products Ltd. from the scope of the domestic industry.
22. With regard to participation of Shirdi Industries Limited, Balaji Action Buildwell and Rushil Decor Limited, the Authority notes the letters supporting the extension of ADD have been submitted by them. However, while supporting the extension of ADD, these companies have not provided all the information which is relevant and necessary for inclusion of these companies as a part of the domestic

industry. The Authority has, therefore, not considered Shirdi Industries Limited, Balaji Action Buildwell and Rushil Decor Limited as part of the domestic industry for the purpose of the present investigation.

23. Since production of M/s. Greenply Industries Limited constitutes a major proportion in the Indian production, the Authority has considered M/s. Greenply Industries Limited as the domestic industry for the purpose of the present investigation. M/s. Greenply Industries Limited, therefore, constitutes domestic industry within the meaning of the Rules. The production figures of the domestic producers are as under:

SN	Particulars	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI
A	<u>Petitioner</u>					
1	Greenply Industries Limited	CBM	***	***	***	***
	Total Petitioner	CBM	***	***	***	***
B	<u>Other Indian Producers:</u>					
2	Mangalam	CBM	***	***	***	***
3	Shirdi	CBM	***	***	***	***
4	Nuchem	CBM	***	-	-	-
5	Balaji Action Buildwell	CBM	-	-	***	***
6	Rushil Décor Limited	CBM	-	-	***	***
	Total Other Producers	CBM	***	***	***	***
C	Total Indian Production	CBM	1,10,746	1,84,899	2,35,501	2,54,284
D	Share of					
	Petitioner	%	22%	54%	58%	50%
	Other Producers	%	78%	46%	42%	50%

E. CONFIDENTIALITY

Submissions by the producers/exporters/importers/other interested parties

24. The exporters/importers/other interested parties have contended as follows:
- The present petition should be terminated on the grounds of excessive confidentiality.
 - Sales figures and market share were treated as non-confidential in original investigation and confidential herein.
 - Meaningful justification should be given or information should be declared as non-confidential at disclosure stage.
 - No soft and hard copy of original/raw import data from IBIS was provided to the interested parties. It is not indicated if it was provided to the Authority.
 - There was no information provided with regard to production details of other domestic producers, sales volume information, stock and number of employees, copies of annual reports etc.

Submissions by the Domestic Industry

25. The Domestic Industry has made the following submissions:
- The Authority is empowered to reject the information only if it is 'satisfied' that an interested party is unwilling to make the information public. In the instant case, to show unwillingness on part of the domestic industry to provide non confidential version of the information filed, it first needs to be shown that such information has been denied by the domestic industry even when the same was in public domain.

- ii. No excessive confidentiality has been claimed. Petitioner has sought confidentiality only on such information which is business sensitive or disclosure of which shall adversely impact the business of the domestic industry.
- iii. It is also pointed out that neither Merbok nor any other exporter has disclosed any information on actual basis. Merbok is the sole exporter of the product under consideration from Sri Lanka and information with regard to exports are publically available both in terms of Sri Lanka customs and Indian customs data. Such being the case, there is no justification for confidentiality claims of volume and price of exports made by Merbok. It is clearly settled position that if the information is publically available, the same shall not be treated confidential. Thus, since there is only one exporter involved, Merbok could not have claimed its volume and value of exports to India as confidential information.
- iv. As regards the argument that no IBIS data was provided, the hard copies of the relied upon data were provided in the petition and there is no obligation of providing soft copies.
- v. As regards the production and other details of domestic producers, the relevant information is very much contained in the petition. It is adequate in the present case scenario. The actual information is confidential and, therefore, not publically disclosed. The Government of India has now recognized that quantitative statistics data in Annual Report is business sensitive information and has accordingly modified the reporting requirements for Annual Reports.

Examination by the Authority

- 26. With regard to confidentiality of information, the Authority examined the confidentiality claims of the interested parties. The Authority considers that any information which is by nature confidential (for example, because its disclosure would be of significant competitive advantage to a competitor or because its disclosure would have a significantly adverse effect upon a person supplying the information or upon a person from whom that person acquired the information), or which is provided on a confidential basis by parties to an investigation shall, upon good cause shown, be treated as such by the Authority. Such information can not be disclosed without specific permission of the party submitting it.
- 27. The Authority has considered the claims of confidentiality made by the petitioner and the opposing interested parties and on being satisfied about the same, the Authority has allowed the claim on confidentiality. The Authority made available to all interested parties the public file containing non-confidential version of evidences submitted by various interested parties for inspection, upon request as per Rule 6(7).

F. MISCELLANEOUS SUBMISSIONS

Miscellaneous submissions made by the domestic industry:

- 28. The following miscellaneous submissions have been made by the domestic industry:
 - i. As regards raising the issue of benchmark form of duty is concerned, it is submitted that the issue had been raised earlier and during the course of the application pending before the Authority, it was withdrawn as the Sunset Review was soon becoming due.
 - ii. The petition is complete on all accounts and the allegations of deficiencies in application are without any basis.
 - iii. All relevant non-confidential summaries have been provided as per the best abilities of the applicants.
 - iv. Import data has been submitted with the petition.

Miscellaneous submissions made by producers/exporters/importers and other interested parties

- 29. The following miscellaneous submissions have been made by the producers/exporters/importers and other interested parties:
 - i. The raising of benchmark issue after five years of duty is devoid of merit. The Authority must have been approached as per Rule 23.
 - ii. The domestic industry has filed a deficient application to the extent of certificate of true and complete information, authorization letter, non-confidential version of Part VI costing information, production details of the so-called domestic industry as well as other domestic producers so as to qualify

standing in terms of Anti Dumping Rules, purchase policy, sales policy, store accounting policy, quality control policy, audited annual accounts for POI as preceding 3 years, Proforma IV-A and Proforma IV-B, raw import data along with the basis of segregation of the PUC import data, names and addresses of the importers and users in India, and those of the producers and exporters in the subject countries, list of articles the petitioner is capable of producing, evidence supporting the calculation of normal value, evidence in support of adjustment claimed while calculating export price etc.

- iii. The application should be rejected as critical information in the form of relevant non-confidential summaries was not provided.
- iv. Import data provided by the applicant is not sufficient. A soft copy in excel format should be provided. Also, basis of segregation of subject goods from raw data should be provided.

Examination by the Authority

30. The Authority has carefully examined the submissions made by various interested parties and holds as follows:
- i. As regards the issue of changing the form of duty from benchmark to fixed quantum, the Authority notes that the form of duty is decided by the Authority after considering facts of the case, submissions by the interested parties and practice being followed by the Authority. The interested parties are free to advance their arguments in this regard.
 - ii. As regards the argument of deficient application submitted by the applicant is concerned, the Authority notes that the petition contains all relevant information necessary for initiation of investigations. The NCV of the petition does not contain information which is confidential business information in accordance with para-7 of the Rules.
 - iii. As regards the soft copy of import data and methodology for segregation, the Authority notes that the relevant requirement in the application proforma is volume and value of imports of the product under consideration. Information on other products not forming part of the product under consideration is not relevant to the Authority and, therefore, the petition need not include import data of products not under consideration.
 - iv. The Authority clarifies that the petition contains all information relevant for the purpose of initiation.

G. ASSESSMENT OF DUMPING – METHODOLOGY AND PARAMETERS

Normal Value, Export Price and Determination of Dumping Margin

Submissions by the Domestic Industry

31. Following are the submissions made by the domestic industry:

- i) China is a non-market economy. No country has granted market economy country status to China. None of the Chinese producers can satisfy market economy status. This treatment is in line with the position taken by the Authority in previous cases and by investigating Authorities in other countries. Chinese producers' cost and price cannot be relied upon for determination of normal value.
- ii) Market economy status cannot be granted unless following conditions are fulfilled:
 - a. Market economy status cannot be given in a situation where one of the major shareholders is a State owned/controlled entity.
 - b. Market economy status cannot be given unless the responding Chinese exporters establish that the prices of major inputs substantially reflect market values.
 - c. Market economy status cannot be given unless the responding exporter establishes that their books are audited in line with the international accounting standards.
 - d. Market economy status cannot be granted even if one of the parameters is not satisfied.
 - e. The onus/obligations to establish market economy status is onto responding Chinese exporters and onto the Designated Authority.

- f. Market economy status cannot be granted unless the responding company and its group as a whole make the claim.
 - g. In a situation where the current shareholders have not set up their production facilities themselves but have acquired the same from some other party, market economy status cannot be granted unless process of transformation has been completely established through documentary evidence.
- iii) The factual matrix remains the same since the original investigations. Chinese companies should be considered as not entitled for market economy treatment.
 - iv) In the present case, normal value cannot be determined on the basis of price or constructed value in a market economy third country for the reason that the relevant information is not publicly available. The petitioner has not been able to procure such information from a producer in a market economy third country. Petitioner has determined Normal Value in China on the basis of cost of production in India, duly adjusted.
 - v) Normal value has also been constructed for Malaysia and Thailand since price of the like article in the domestic markets of these countries is not publicly available. Further, efforts have been made to get evidence of price of product concerned in these markets and published source. However, the petitioner was unable to get any substantial evidence in this regard.
 - vi) Normal value has been constructed for Sri Lanka. Efforts have been made to get evidence of price of product concerned in the domestic market of Sri Lanka. Efforts have also been made to get any evidence of price from published sources. The petitioner has, however, not been able to get any evidence of price in the domestic market of Sri Lanka. Further, the previous findings of the Authority show that the exporter did not recover its cost of production on exports of fibreboards to India.
 - vii) With regard to Merbok, the company misled the Authority at the time of original investigation, which had led to significantly lower dumping margin in respect of exports made by this company. Resultantly, continued dumping from Sri Lanka is one of the reasons for injury being suffered by the Indian industry.
 - viii) Acceptance of price undertaking on one hand and dumping margin determined by the Authority on the other hand led to unreasonably low dumping margin in the final findings. On comparison of normal value in the present case and fibre board below 6 mm case, it is easy to perceive that both pertain to the same producer and the only difference in the two products is that the product under consideration in one case is below 6mm, while the product under consideration in other case is above 6mm. Despite this, the significant dumping margin determined in the two cases makes it evident that exporter materially misled the Authority and was awarded significantly low dumping margin which caused significant injury to the domestic industry.
 - ix) The exporters from the subject countries are continuing to dump the subject goods in the Indian market. The dumping margin is not only above de-minimis but also significant.
 - x) To ensure price comparability, normal value and export price must be at the same level of trade and due allowances for any differences that affect price comparability must be made in accordance with the provisions of the Rules.
 - xi) M/s. Robin Resources should be investigated. This is the established practice of the Authority to determine dumping margin for all producers/exporters who are before the Authority. In this regard, the Final Finding in the Sunset Review Investigation of Polyvinyl Chloride (PVC) Suspension Grade originating in or exported from Taiwan, China PR, Indonesia, Japan, Korea RP, Malaysia, Thailand and USA is referred to and relied upon, where the Authority determined dumping margin for exporters who were awarded zero duty in the original investigation.
 - xii) With regard to allegation that petitioner's claim of normal value is highly exaggerated and unrealistic, domestic industry has determined normal value based on positive evidence.
 - xiii) With respect to the argument that injury margin and dumping margin should be calculated thickness wise and grade wise, the exporters have not established that the cost of production and selling price varies significantly based on thickness and grade. The import data does not establish a consistent

difference on the basis of these parameters. Unless the exporters establish a consistent difference in the costs and prices on the basis of grade and thickness, the Authority should adopt weighted average as the basis.

- xiv) With respect to argument about basis of calculation of normal value for Malaysia, the exporters are required to establish that their questionnaire responses are required to be accepted. Unless it is demonstrated that questionnaire responses are complete and unless the accuracy and adequacy of the data is established, the dumping margin should not be based on the questionnaire response.
- xv) The Authority did not accept the interest costs of the exporter from Sri Lanka at the time of investigations relating to thin MDF (MDF below 6mm). That investigation being subsequent investigation, the Authority should follow the same approach in the present case as well.
- xvi) The questionnaire response of Dongwa is grossly incomplete, as all companies engaged in the production of the product under consideration have not filed questionnaire response. The Authority should not determine individual dumping margin for a producer-exporter without complete questionnaire response from all producers in that country. This is the established practice of the Authority.

Submissions by producers/importers/exporters and other interested parties:

32. Following are the submissions made by the producers/exporters/importers/other interested parties in this regard:
- i. The injury margin and dumping margin should be calculated thickness-wise and grade-wise so as to depict the clear picture in the context of the price behavior of the exporters in their domestic market and export market.
 - ii. The applicant has incorrectly calculated normal value for Malaysia based on domestic industry's raw material price and consumption norms. It should be calculated considering its actual raw material price and consumption norms.
 - iii. The details of exports to India since 2009-10 have been provided now by M/s. Merbok MDF Lanka Pvt. Ltd. The year 2009-10 marked substantial decline in exports from Sri Lanka to India in view of imposition of provisional anti dumping duties on the product under consideration from the countries. The unreasonably high provisional duties impacted exports by Merbok to India.
 - iv. In view of the de minimis dumping margin for the exporter in the previous investigation and the legal provisions of Section 9A (1) of Customs Tariff Act read with Rule 14(c) of the Anti dumping Rules, the inclusion of the exporter Robin Resources in the current sunset review investigation is without jurisdiction and that the exporter is required to be excluded from the purview of the current investigation.
 - v. In view of the Rules it is very clear that the investigation for an exporter or producer shall be terminated as soon as the Authority determines that the dumping margin for an exporter or producer is less than 2% expressed as percentage of export price.
 - vi. In view of the Panel report in the case of Mexico-Definitive Anti Dumping Measures on Beef and Rice, it is amply clear that the investigation is required to be terminated for an exporter or producer when there is a de minimis dumping margin for it and, therefore, the exporter Robin Resources is required to be excluded from the purview of the investigation.
 - vii. Since there was no reference price prescribed for the exporter and no duty was levied on the exporter, there cannot be any sunset review against it.
 - viii. The claim of normal value by the petitioner is highly exaggerated and unrealistic. The normal value constructed on the basis of higher cost of raw material would always be away and higher from the actual domestic prices prevalent in the domestic market in the subject countries. Therefore, the determination of normal value, export price and dumping margin should be based on actual information submitted to the Authority. There are significant differences in the raw material cost of the domestic producers and those of subject countries.

Examination by Authority

33. Under section 9A (1)(c), the normal value in relation to an article means:

(i) *The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article, when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under subsection (6), or*

(ii) *When there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either:*

(a) *Comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*

(b) *The cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section(6):*

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not produced in the country of exporter there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

34. M/s. Robin Resources has submitted that the company should be excluded from sunset review investigation. The Authority considers that it is the consistent practice of the Authority to review all the aspects of the original investigation including scope of the domestic industry, dumping (including dumping margin), existence of injury to the domestic industry, injury margin etc. In addition to this, the Authority undertakes an examination of whether the expiry of such duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry. The Authority has been providing full opportunity to the interested parties to raise issues with respect to each and every aspect of the case. The Authority has also been considering and modifying the form and quantum of measures. The Authority, therefore, considers that where an exporter was awarded zero duty in an original investigation and is now found to be dumping and the same is likely to cause injury to the domestic industry, then duties must be imposed considering the dumping margin and injury margin found in the present review investigation period. It is also noted that the Authority has followed the relevant requirements of Article 2 and Article 3 of the ADA and relevant provisions of Indian Rules, even when the present investigation is a sunset review investigation. It is, therefore, appropriate to determine dumping margin and if the same is more than de-minimums, recommend anti-dumping duty on such exporters.
35. As regards appropriateness of the price adjustments claimed by the domestic industry, the Authority notes that it is consistent with established practice. Further, the Authority has now determined dumping margin considering questionnaire response of the exporters wherever the same are complete.
36. The Authority sent questionnaires to the known exporters/producers from the subject countries, advising them to provide information in the form and manner prescribed. The following producers/exporters from subject countries have filed exporter's questionnaire response. The Authority has, therefore, considered individual dumping margin determination in respect of these producers-exporters only.
 - a. M/s. Merbok MDF Lanka (Private) Limited, Sri Lanka
 - b. M/s. Dongwha MDF (M) Sdn. Bhd., Malaysia
 - c. M/s. Dongwha Global Sales Sdn. Bhd., Malaysia
 - d. M/s. Robin Resources (Malaysia) Sdn Bhd., Malaysia
37. The Authority notes that M/s. Dongwha MDF (M) Sdn. Bhd. (DMM) (producer) and Dongwha Global Sales Sdn. Bhd.(exporter) from Malaysia, two related entities, have also filed questionnaire response. From the questionnaire response of Dongwha Global Sales Sdn. Bhd., who is the trader/exporter of Dongwha MDF (M) Sdn. Bhd., the Authority notes that the exporter has procured the subject goods from M/s. Dongwha MDF (M) Sdn. Bhd. amounting to 1,18,326 CBM. The exporter Dongwha Global Sales Sdn. Bhd. has exported the subject goods in the POI to India as well as other countries. The total export volume is 2,63,699 CBM, out of which the export to India is 1,266 CBM. The exporter Dongwha Global Sales Sdn. Bhd. has not provided complete information regarding the procurement of the balance

quantity. Further, in its questionnaire response, M/s. M/s. Dongwha MDF (M) Sdn. Bhd. has mentioned that M/s. Dongwha Fibreboard Sdn. Bhd. (DFB) is also indulged in domestic sales. DFB, a related company of DMM, has not filed any questionnaire response. Since DMM is selling the goods in the domestic market to two related companies and the value chain of the goods produced is not complete, the Authority, therefore, as per its practice, has not determined the individual dumping margin in respect of M/s. M/s. Dongwha MDF (M) Sdn. Bhd., Malaysia and M/s. Dongwha Global Sales Sdn. Bhd., Malaysia.

Determination of Normal Value for China PR for all Exporters

38. The Authority notes that in the past three years, China PR has been treated as a non market economy country in anti-dumping investigations by India subject to rebuttal of the presumption by the exporting country or individual exporters/producers in terms of the AD Rules. As per Paragraph 8 of Annexure I of the AD Rules, the presumption of a non-market economy may be rebutted if the exporter(s)/producer(s) from China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) of Paragraph 8 and establish the facts to the contrary. The co-operating exporters/producers of the subject goods from China PR are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Authority to consider the following criteria as to whether:
- The decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology, labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
 - The production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
 - Such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms; and
 - The exchange rate conversions are carried out at the market rate.
39. The Authority sent copies of exporter's questionnaire and questionnaire on market economy treatment (MET) to exporters in China PR. However, no producer/exporter has claimed MET. In view of the above, the Authority considers it appropriate to proceed with para-7 of Annexure I to the Rules for determination of normal value in case of China PR which provides as under:

"In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis if the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments."

40. In view of the above, the Authority has determined normal value having regard to para-7 of Annexure-I for the purpose of present investigation. The normal value for the subject goods imported from China into India has been constructed considering optimum consumption of major raw materials as per information provided by the domestic industry, conversion cost, interest, SGA etc. at the levels allowed for the domestic industry along with a reasonable profit on the cost of production. Accordingly, the normal value so determined is as shown in the Dumping Margin Table below.

Determination of Normal Value for Thailand for all Exporters

41. The Authority sent questionnaire to the known producers/exporters of the product in Thailand as also the Government of Thailand. However, no questionnaire response has been received by the Authority from any producer or exporter of the subject goods in Thailand. The Authority has, therefore, not been able to determine dumping margin in respect of producers/exporters from Thailand on the basis of questionnaire response from the concerned producers/exporters. The domestic industry claimed normal value in Thailand on the basis of best estimates of cost of production in Thailand. No other interested party has provided any information with regard to normal value of the subject goods in Thailand. Under the circumstances, the Authority has determined normal value in Thailand on the basis of best estimates of cost of production in Thailand. The normal value of the subject goods imported from Thailand has been constructed considering optimum consumption of major raw materials as per information provided by the domestic industry, conversion cost, interest, SGA etc. at the levels allowed for the domestic industry along with a reasonable profit on the cost of production. Accordingly, the normal value so determined is as shown in the Dumping Margin Table below.

Determination of Normal Value for Sri Lanka**Determination of Normal Value for M/s. Merbok MDF Lanka (Private) Limited, Sri Lanka**

42. M/s. Merbok MDF Lanka (Private) Limited has filed questionnaire response from Sri Lanka. Since the company has filed questionnaire response in the form and manner prescribed, the Authority has considered individual dumping margin in respect of the company.
43. Questionnaire response filed by M/s. Merbok MDF Lanka (Private) Limited was examined in detail. The Authority notes that exporter has provided information in different Appendices, which has been examined and cross-checked by the Designated Authority. An analysis of financial statement of the company filed in the exporter questionnaire response shows that the company has obtained loan in US\$ at the rate of ***% from its related company Merbok Hilir Berhad, based in Malaysia and shown in its books of accounts and requested the Authority to accept ***% rate of interest as it has been certified by its auditors that this inter- company borrowing has been fair valued at an estimated market rate of ***% per annum. In this regard, the Authority notes that Merbok, Sri Lanka has not provided any conclusive documentary evidence to the effect that the rate of interest of ***% p.a. charged in the books of accounts is the fair market and at arm's length rate. In view of the above, the Authority considers appropriate to adopt interest at the rate of ***% p.a. as was considered in the earlier investigation vide Final Findings Notification No 14/29/2010-DGAD dated 10.05.2013, on these loans availed by the company from its related company in Malaysia.
44. The questionnaire response submitted by the company has been considered. It is seen that the exporter has provided selling price and other details of the subject goods in relevant Appendixes of their response. It is seen that the company has significant sales in the domestic market. The sales made by the company in the domestic market were examined to determine whether the same were above the cost of production determined by the Authority and profitable sales have been considered. The Authority has determined the Normal value which is mentioned in the table showing the dumping margin.

Determination of Normal Value for Malaysia**Determination of Normal Value for M/s. Robin Resources (Malaysia) Sdn Bhd., Malaysia**

45. M/s. Robin Resources (Malaysia) Sdn Bhd., has filed questionnaire response from Malaysia. Since the company has filed questionnaire response in the form and manner prescribed, the Authority has considered individual dumping margin in respect of the company.
46. The questionnaire response submitted by the company has been considered. It is seen that the exporter has provided selling price and other details of the subject goods in relevant Appendixes of their response. It is seen that the company has significant sales in the domestic market. The sales made by the company in the domestic market were examined to determine whether the same were above the cost of production determined by the Authority. It is noted that the company has sold 80,983 CBM of the subject goods in its domestic market during the relevant period. After applying ordinary course of trade test, it is found that ***% sales in the domestic market were profitable which have been considered for determination of the normal value. The Normal Value is as shown in the Dumping Margin Table below.

DETERMINATION OF EXPORT PRICE**Export price in case of China**

47. The Authority had sent questionnaire to the known producers/exporters of the product in China as also the Government of China. However, no questionnaire response has been received by the Authority from any producer or exporter of the subject goods in China. The Authority has, therefore, not been able to determine dumping margin in respect of producers/exporters from China on the basis of questionnaire response from the concerned producers/exporters. Export price in case of all producers in China has been determined on the basis of import data procured from DGCI&S. The export price has been determined on the basis of weighted average import price from DGCI&S. Price adjustments have been made on account of inland freight, overseas freight, international insurance, bank charges, port charges and VAT as per best available information on record in order to arrive at the net export price at ex-factory level. Accordingly, the net export price at ex-factory level has been determined, which is indicated in the Dumping Margin Table below.

Export price in case of Thailand

48. The Authority sent questionnaire to the known producers/exporters of the product in Thailand as also the Government of Thailand. However, no questionnaire response has been received by the Authority from any producer or exporter of the subject goods in Thailand. The Authority has, therefore, not been able to determine dumping margin in respect of producers/exporters from Thailand on the basis of questionnaire response from the concerned producers/exporters. Export price in case of all producers in Thailand has been determined on the basis of import data procured from DGCI&S. The export price has been determined on the basis of weighted average import price from DGCI&S. Price adjustments have been made on account of inland freight, overseas freight, international insurance, bank charges, port charges, as per best available information on record in order to arrive at the net export price at ex-factory level. Accordingly, the net export price at ex-factory level has been determined, which is indicated in the Dumping Margin Table below.

Determination of Export Price in case of Sri Lanka Price**Export Price in case of M/s. Merbok MDF Lanka (Private) Limited, Sri Lanka**

49. The Authority notes that only M/s. Merbok MDF Lanka (Private) Limited, Sri Lanka, has responded in the form and manner prescribed by the Authority and has furnished the requisite information to determine the export price as per the Rules. Since the company has provided relevant information, the Authority has determined export price in respect of the company based on its questionnaire response. The CIF export price has been determined on the basis of weighted average import price of all imports into India. The Authority has made adjustments on account of inland freight, overseas freight, international insurance, bank charges, port charges, credit cost, clearing and handling charges as claimed by the exporter in its response to the questionnaire in order to arrive at the net export price at ex-factory level. Accordingly, the net export price at ex-factory level has been determined, which is indicated in the Dumping Margin Table below.

Export Price in case of non-cooperative exporters/producers in Sri Lanka

50. Export price in case of all other producers/ exporters in Sri Lanka has been determined on the basis of best available information, considering questionnaire response filed by M/s. Merbok MDF Lanka (Private) Limited, Sri Lanka, before the Authority. Price adjustments have been made on account of inland freight, overseas freight, international insurance, bank charges, port charges, credit cost, clearing and handling charges to arrive at the net export price at ex-factory level. Accordingly, the net export price at ex-factory level has been determined, which is indicated in the Dumping Margin Table below.

Determination of Export Price in case of Malaysia**Export Price in case of M/s. Robin Resources (Malaysia) Sdn. Bhd, Malaysia**

51. The Authority notes that only M/s. Robin Resources (Malaysia) Sdn. Bhd, Malaysia, has filed complete response in the form and manner prescribed by the Authority and has furnished the requisite information to determine the export price as per the Rules. Since the company has provided relevant information, the Authority has determined export price in respect of the company based on its questionnaire response. The CIF export price has been determined on the basis of weighted average import price of all imports into India. The Authority has made adjustments on account of inland freight, overseas freight, bank charges, handling and clearing charges, credit cost and commission as claimed by the exporter in its response to

the questionnaire in order to arrive at the net export price at ex-factory level. Accordingly, the net export price at ex-factory level has been determined, which is indicated in the Dumping Margin Table below.

Export Price in case of other exporters/producers from Malaysia

52. Export price in case of all other producers/ exporters in Malaysia has been determined on the basis of best available information, considering questionnaire response filed by M/s. Robin Resources (Malaysia) Sdn. Bhd, Malaysia. Price adjustments have been made account of inland freight, overseas freight, bank charges, handling and clearing charges, credit cost and commission to arrive at the net export price at ex-factory level. Accordingly, the net export price at ex-factory level has been determined, which is indicated in the Dumping Margin Table below.

Dumping Margin Table

53. Considering the Normal Values and the Export prices as determined as above, the Dumping Margin for the producers/exporters from the subject countries is determined as follows:

Subject Countries	Normal Value (US\$)	Export Price(US\$)	Dumping Margin(US\$)	Dumping Margin %	Dumping Margin % Range
China PR	***	***	***	***	65-75
Thailand	***	***	***	***	45-55
Malaysia-	***	***	***	***	
-M/s. Robin Resources (Malaysia) Sdn. Bhd., Malaysia	***	***	***	***	0-10
-Any other producer/ exporter from Malaysia	***	***	***	***	15-25
Sri Lanka-					
-M/s. Merbok MDF Lanka (Private) Limited, Sri Lanka	***	***	***	***	0-10
-Any other producer/exporter from Sri Lanka	***	***	***	***	5-15

H. ASSESSMENT OF INJURY AND CAUSAL LINK

Submissions by the domestic industry

54. The domestic industry has made the following submissions with regard to the injury and causal link:
- Imports of the product under consideration are being dumped by the exporters in Vietnam and Indonesia as well. The Authority has already initiated investigations and the same are in progress. A number of producers in the subject countries in the present investigation are having production facilities in Vietnam or Indonesia and have resorted to dumping from these countries. In fact, questionnaire response has been filed before the Authority, which clearly establishes significant exports from these countries. The Authority should consider the fact of dumping shifting to new countries by some of the producers-exporters in subject countries while considering the present determination. This is relevant both for assessment of injury during the present period as also for likelihood of dumping & injury in the event of cessation of ADD.
 - The share of subject countries' imports in total imports has decreased in the POI when compared with the base year, but remained significant despite the existence of anti-dumping duties. Clearly, the share has only declined in view of the anti dumping duties imposed earlier. The trend from 2004-05 to 2008-09 (ranging from 77% to 98%) clearly indicated that the share of subject countries' imports in total imports is likely to increase in the event of cessation of duties.

- iii. The volume of imports from the subject countries in relation to Indian consumption has decreased in the POI when compared with the base year but this is because of imposition of ADD and switching of imports to some extent from other countries.
- iv. The volume of imports from the subject countries in relation to Indian production has declined in the POI when compared with the base year. This is because of imposition of ADD and switching of imports to some extent from other countries.
- v. The domestic industry has been able to recover to some extent because of imposition of anti dumping duties on the subject imports. However, it is still suffering injury in terms of volume parameters and low profits.
- vi. Despite rising demand in the country for the product under consideration, the domestic industry has not been able to fully utilize its capacities.
- vii. Further inventories have increased.
- viii. There is significant price undercutting and underselling due to dumped imports.
- ix. The Indian industry has been forced to suspend production off and on because of piling inventories.
- x. The domestic industry has suffered continued material injury as a result of dumping of the product in the market.
- xi. The decline in profits in the period of investigation suggests that the dumped imports are impacting the domestic industry.
- xii. The wages have increased over the injury period but the wages per unit have declined. It is understandable that the domestic industry cannot afford to cut wages to a large extent, as this is the last resort for any company. While decline in wages per unit of production shows the impact of new production operations, the improvement in profits to a significant extent was for this reason.
- xiii. Besides subject countries, imports from Indonesia and Vietnam constitute more than 3% of the total volume of imports of the subject goods. However, since the present investigation is a sunset review investigation, other countries could not be included within the scope of investigation at this stage. The industry has, however, filed a separate petition, which is under consideration of the Authority.
- xiv. Subject countries' imports have declined slightly over the injury period, but increased in the POI when compared with the previous year and previous investigations and continue to be significant. This establishes causal link.

Submissions by producers/exporters/importers other interested parties

55. The foreign producers/exporters/importers/other interested parties have made the following submissions with regard to the injury and causal link:
- i. There is no injury and causal link to the so-called domestic industry.
 - ii. Import volume from Malaysia is not causing injury to the domestic industry. Imports from Malaysia and other subject countries along with their shares have declined significantly.
 - iii. There is no price suppression and price depression. The increase in selling price is significantly more than the increase in cost during the same period. Landed value increased significantly from 100 (indexed) in the base year to 127 (indexed) during the POI.
 - iv. Capacity utilization and production of domestic industry has increased significantly.
 - v. The profits, cash profits and return on capital employed (ROCE) have increased significantly.
 - vi. Sales volume had been disclosed in original investigation and there are significant improvements in the domestic sales volume and value of the domestic industry.
 - vii. Increase in capacity resulted into increase in interest expenses as a result of increased loans and consequently the per unit cost.
 - viii. Wages and depreciation cost have increased which should otherwise have come down in the absence of capacity addition.

- ix. The profits have increased by over 205% over the injury investigation period.
- x. The cash profits have increased by over 872% over the injury investigation period.
- xi. The return on capital employed has increased exceptionally by over 407%.
- xii. The number of employees figure is confidential and there is no injury on this factor.
- xiii. Wages paid and productivity of petitioner has increased significantly.
- xiv. Significant price undercutting indicates that domestic prices of the petitioner are much above the reference prices fixed for each of the subject countries, which in turn indicates that import prices from the subject countries have no bearing on the domestic prices and domestic prices move independently. Import prices from Vietnam are not affecting the domestic prices.
- xv. The closure of operations by old producers and improvement in performance of new producers all around indicates that operations of the domestic producers are independent of any effect from imports and they are being affected from local factors prevalent and inherent in the domestic market.
- xvi. There is no price underselling due to imports from the subject countries.

Examination by the Authority

Cumulative Assessment of Injury

56. As per annexure-II (iii) of the Rules, in case imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to Anti-Dumping investigation, the Authority is required to cumulatively assess effect of such imports, only when it determines that
- a. The margin of dumping established in relation to imports from each country is more than 2% expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is 3% of the imports of like article, or where the export of individual countries is less than 3%, the imports collectively accounts for more than 7% of the imports of like article, and
 - b. Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic article.
57. In the instant case, the investigation in respect of the subject goods is from more than one country. The Authority, therefore, examined whether the injury to the domestic industry must be determined cumulatively from these subject countries in respect of the imports of the subject goods. The Authority has found that the margin of cumulative dumping from the subject country is more than 2% and the cumulative volume of imports is also more than 7%. Cumulative assessment of injury is appropriate in respect of these subject countries in view of the followings-
- i. The subject goods have been imported from the subject countries under the same tariff classification;
 - ii. The Authority has found that the imported subject goods are commercial substitutes of the domestically produced PUC.
 - iii. The information furnished to the Authority gives a reasonable indication that the exports made from the subject countries compete in the same market and are like products.
 - iv. Imports from the subject countries have been made by same category of customers who are buying the product from the domestic industry.
58. The Authority holds that it is appropriate to cumulatively assess the effect of dumped imports of the subject goods on the domestically produced like article
59. The Authority has taken note of various submissions of the interested parties on consequent injury to the domestic industry and analyzed the same considering the facts available on record and applicable as per law.
60. In consideration of the various submissions made by the domestic industry in this regard, the Authority proceeds to examine the current injury, if any, to the domestic industry before proceeding to examine the likelihood aspects of dumping and injury on account of imports from the subject countries.

61. Rule 11 of Anti-dumping Rules read with Annexure-II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry,
- “.... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....”*. In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports.
62. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the rules supra.
63. The present investigation is a sunset review of anti-dumping duties in force. Rule 23 provides that provisions of Rule 11 shall apply, mutatis mutandis, in case of a review as well. The Authority has, therefore, determined injury to the domestic industry considering, mutatis mutandis, the provisions of Rule 11 read with Annexure II. Since the anti- dumping duties are in force on imports of the product under consideration, the Authority considered whether the existing anti-dumping duties on the imports of the subject goods from the subject countries are required to be extended while examining injury to the domestic industry. The Authority holds that existence of injury to the domestic industry during the current injury period is not a pre-requisite for extension of ADD. The arguments of the interested parties with regard to absence of injury to the domestic industry, therefore, do not establish that the present ADD is not required to be extended. The interested parties have not established that the injury to the domestic industry is not likely in the event of cessation of ADD. According to Section 9(A)(5) of the Customs Tariff Act, anti-dumping duty imposed shall, unless revoked earlier, cease to have effect on the expiry of five years from the date of such imposition, provided that if the Central Government, in a review, is of the opinion that the cessation of such duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury, it may, from time to time, extend the period of such imposition for a further period of five years and such further period shall commence from the date of order of such extension.
64. For the purpose of current injury analysis, the Authority has examined the volume and price effects of dumped imports of the subject goods on the domestic industry and its effect on the prices and profitability to examine the existence of injury and causal links between the dumping and injury, if any. The Authority has examined injury to the domestic industry by considering information relating to M/s. Greenply Industries Ltd. and has considered that the company constitutes domestic industry within the meaning of the Rules. Accordingly, the volume and price effect of dumped imports have been examined as follows.

VOLUME EFFECT:

Volume effect of dumped imports and impact on domestic industry

Demand and Market Share

65. The Authority has determined demand or apparent consumption of the product in the country as the sum of domestic sales of the Indian producers and imports from all sources. The demand so assessed can be seen in the table given below. The Authority notes that demand for the product in the country increased over the injury period.

Particular	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI
Sales of Domestic Industry	CBM	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	445	575	538
Sales of Other Indian Producer	CBM	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	99	116	147
Imports in India	CBM	1,02,231	93,131	1,16,452	1,34,261
Total Subject Countries	CBM	61,161	59,382	52,432	54,282
Other Countries under ADD investigation	CBM	27,587	22,883	46,564	61,725

Other Countries	CBM	13,483	10,866	17,455	18,254
Demand in India	CBM	2,06,746	2,60,937	3,22,560	3,60,474

66. It is seen that the demand for the product increased significantly over the injury period.

Import Volume & market share

67. The Authority has examined the volume of imports of the subject goods. Transaction wise imports data was procured from the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) and the same has been adopted for the present purposes. Imports volume from subject countries and other countries has been as under:-

Particulars	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI
Imports Volume					
China	CBM	2,807	1,312	469	304
Malaysia	CBM	33,885	25,124	20,700	23,882
Thailand	CBM	2,728	489	2,254	2,734
Sri Lanka	CBM	21,741	32,457	29,008	27,362
Subject Countries	CBM	61,161	59,382	52,432	54,282
Other Countries under ADD investigation	CBM	27,587	22,883	46,564	61,725
Other Countries	CBM	13,483	10,866	17,455	18,254
Total Imports	CBM	1,02,231	93,131	1,16,452	1,34,261

68. It is seen from the above table that imports from the subject countries have declined during the POI as compared to the base year but still remain significant and imports from countries under ADD investigation have increased significantly in the POI as compared to the base year.

69. The petitioner contends that imports of the product under consideration are being dumped by the exporters in Vietnam and Indonesia. It is noted in this regard that the Authority has initiated investigation wherein VRG Dongwha, Vietnam has filed questionnaire response. This producer has production facilities in the Malaysia as well as Vietnam. The Authority has also examined the volume of exports reported by this exporter in that investigation. It is noted that this exporters has in fact undertaken significant exports from Vietnam of that investigation. It is thus apparent that Dongwha group companies switched to exports from Vietnam as well. If the exports made from those countries are also considered, it is seen that the volume of exports has significantly increased.

70. The Authority also notes that the present investigation is in the nature of sunset review investigation and, therefore, increase in imports in any case is not a necessary pre-requisite for determination.

71. The Authority examined the volume of imports in relation to production and consumption in India. Market share of subject countries and other countries in consumption of the product under consideration in India has been as under:-

Particular	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI
Sales of Domestic Industry	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	445	575	538
Sales of Other Indian Producer	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	99	116	147
Imports in India	%	49.45	35.69	36.10	37.25

China	%	1.36	0.50	0.15	0.08
Malaysia	%	16.39	9.63	6.42	6.63
Thailand	%	1.32	0.19	0.70	0.76
Sri Lanka	%	10.52	12.44	8.99	7.59
Total Subject Countries	%	29.58	22.76	16.26	15.06
Other Countries under ADD investigation	%	13.34	8.77	14.44	17.12
Other Countries	%	6.52	4.16	5.41	5.06
Demand in India	%	100.00	100.00	100.00	100.00

72. It is seen that the market share of the subject countries in consumption of the product under consideration has declined. It is, however, seen that the market share of other countries under investigation has increased. In any case, market share of the subject countries has remained significant despite existing ADD. It is also noted that the market share of not only domestic industry and also of other domestic producers significantly increased over the injury period.

PRICE EFFECT

Price effect of dumped imports and impact on domestic industry

73. The impact of dumped imports on the prices of the domestic industry has been examined with reference to price undercutting, price underselling, price suppression and price depression. For the purpose of this analysis, the cost of production, selling price of the domestic industry and the non-injurious price (NIP) of the domestic industry have been compared with landed value of imports from the subject countries. A comparison for subject goods during the period of investigation was made between the landed value of the dumped imports and the domestic selling price in the domestic market. In determining the net sales realization of the domestic industry, taxes, rebates, discounts and commission incurred by the domestic industry have been adjusted. The price underselling is an important indicator of assessment of injury. Thus, the Authority has worked out the non-injurious price and compared the same with the landed value to arrive at the price underselling. The non-injurious price has been evaluated for the domestic industry in terms of the principles by appropriately considering the cost of production for the product under consideration during the POI.

Price Undercutting

74. The Authority considered whether there has been significant price undercutting by the imports, when compared with the price of like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. The details of price undercutting analysis are as follows:

Particulars	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI
Net Sales Realisation of Domestic Industry	Rs./CBM	***	***	***	***
Malaysia					
Landed Price	Rs./CBM	***	***	***	***
Price undercutting	Rs./CBM	***	***	***	***
Price undercutting	%	***	***	***	***
Price undercutting Range	%	10-20	10-20	15-25	20-30
Sri Lanka					
Landed Price	Rs./CBM	***	***	***	***
Price undercutting	Rs./CBM	***	***	***	***
Price undercutting	%	***	***	***	***

Particulars	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI
Price undercutting Range	%	10-20	15-25	15-25	15-25
Thailand					
Landed Price	Rs./CBM	***	***	***	***
Price undercutting	Rs./CBM	***	***	***	***
Price undercutting	%	***	***	***	***
Price undercutting Range	%	10-20	0-10	5-15	10-20
China PR					
Landed Price	Rs./CBM	***	***	***	***
Price undercutting	Rs./CBM	***	***	***	***
Price undercutting	%	***	***	***	***
Price undercutting Range	%	5-15	25-35	15-25	10-20
Subject Countries as a whole					
Landed Price	Rs./CBM	***	***	***	***
Price undercutting	Rs./CBM	***	***	***	***
Price undercutting	%	***	***	***	***
Price undercutting Range	%	10-20	10-20	15-20	15-25

75. The Authority notes from the above table that the landed price of imports of product under consideration is much below the selling price of the domestic industry. There is significant price undercutting in the whole injury period. The volume of dumped imports is also significant.

Price Underselling

76. The Authority notes that the price underselling is an important indicator of assessment of injury. Non-injurious price has been worked out and compared with the landed value of the subject goods to arrive at the extent of price underselling. The non-injurious price has been determined considering the cost of production of the domestic industry for the product under consideration during the POI in accordance with Annexure III of the Anti-dumping Rules. The NIP for all the countries has been considered on the basis of cost of production of M/s. Greenply considering the provisions of Annexure-III of the Rules. The analysis of data given in Table below shows that the landed value of the subject imports in respect of Malaysia, China, Sri Lanka and Thailand was below non-injurious price of the domestic industry, thus, resulting in significant positive price underselling.

Subject Countries	NIP	Landed Price	Price Underselling	Price Underselling %	
	US\$./CBM	US\$./CBM	US\$./CBM	%	% Range
Malaysia	***	***	***	***	25-35
Thailand	***	***	***	***	10-20
Sri Lanka	***	***	***	***	15-25
China	***	***	***	***	10-20

Price Suppression and Depression

77. The Authority examined whether the effect of the imports was to depress the prices of the like article in India, or prevent price increases which would have otherwise occurred. The summarized analysis can be seen from the table below.

Particulars	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI
Cost of sales	Rs./CBM	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	113	114	116
Selling price	Rs./CBM	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	109	128	133
Landed Price of subject countries	Rs./CBM	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	110	128	127

78. The Authority notes from the above table that both the cost of sales and the selling price increased over the injury period. The domestic industry has been able to increase its selling price with imposition of ADD. It is, however, noted that the landed price of imports is materially below the selling price of the domestic industry. Therefore, should the present duty be allowed to cease, imports are likely to undercut the prices of the domestic industry significantly, which would cause significant price depression.

Examination of other economic parameters of the domestic industry

79. Annexure II to the Anti-dumping Rules requires that a determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of like product. The Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity, factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping, actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth and ability to raise capital investments. An examination of performance of the domestic industry reveals that the domestic industry has suffered material injury. The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed below.

Production, sales, capacity and capacity utilization

80. The production, sales, capacity and capacity utilization of the domestic industry have been as under:

Particulars	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI
Capacity	CBM	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	100	100	100
Production	CBM	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	426	588	568
Capacity Utilization	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	426	588	568
Sales	CBM	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	445	575	538

81. The Authority notes that the capacity for the product under consideration has remained at the same level throughout the injury period. Production has increased over the injury period. Resultantly, the capacity utilization has increased significantly over the injury period. Sales of the domestic industry have increased significantly over the injury period. The Authority notes in this regard that the domestic industry had commenced commercial production in 2010-11 and it was the first year of its operations. Therefore, the capacity utilization of the domestic industry was low in 2010-11.

Profit/loss, return on investment and cash flow

82. The return on investment, profit/loss before and after interest and cash profit are as shown in the table below:

Particulars	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI
Profit/(Loss)	Rs.Lacs	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	(100)	(813)	833	1,005
Cash Profit	Rs.Lacs	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	(174)	2,180	2,403
PBIT	Rs.Lacs	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	178	1,058	1,072
ROCE	%	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	178	1,139	1,131

83. It is seen that the domestic industry has been suffering financial losses till 2011-12. It is also noted in this regard that the losses in the beginning of the injury period could be due to lower capacity utilization (because of new plant).

84. Cash profits and return on investments have followed the same trend as that of profits before interest and tax.

Inventories

85. The inventories with the domestic industry moved as shown in the table below. It is seen that the inventory levels with the domestic industry increased over the injury period.

Particulars	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI
Average Stock	CBM	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	114	196	215

Employment and wages

86. The employment and wages with the domestic industry are shown in the table below. It is seen that wages have shown normal wage growth and the employment have increased.

Particulars	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI
No. of Employees	Nos	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	157	173	173
Wages	Rs.Lacs	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	402	504	538

Productivity

87. The productivity of the domestic industry moved as shown in the table below. The Authority notes that productivity of the domestic industry during the POI has moved in tandem with the production over the injury period and increased over the injury period with the exception of POI when it has marginally declined.

Particulars	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI
Productivity per day	CBM	***	***	***	***
Productivity per employee	CBM	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	257	317	298

Magnitude of Dumping Margin

88. The Authority notes that the dumping margin of the imports of the subject goods from the subject countries is positive.

Growth

89. Growth of the domestic industry has shown positive trend on volume and price parameters. It is, however, noted that the price undercutting has remained positive throughout the period.

Factors Affecting Domestic Prices

90. The examination of the import prices from the subject countries and other countries, change in the cost structure, competition in the domestic market, factors other than dumped imports that might be affecting the prices of the domestic industry in the domestic market shows that the landed value of the subject goods imported from the subject countries are below the cost of production, selling price and the non-injurious price of the domestic industry, causing significant price undercutting as well as price underselling in the Indian market. The domestic industry contended that the import prices of the product under consideration from subject countries and other countries dumping at present are the primary factors for fixation of the prices by the domestic industry. The domestic industry further contended that should the present ADD be withdrawn, the domestic industry would be forced to reduce the prices.

Ability to raise Capital Investment

91. The ability to raise capital investment by the domestic industry is impacted and as per the petitioner's contentions, in the view of the adverse performance of the domestic industry, fresh investments by domestic industry would be difficult.

Overall assessment of Injury

92. The Authority notes that the volume of imports has remained significant over the injury period. With regard to the effect of the imports on prices, the landed price of imports of imports were below the selling price, cost of production and NIP of domestic industry, thus, showing positive price undercutting and price underselling except in case of China PR. The domestic industry is likely to suffer price undercutting in the absence of existing ADD, which is likely to have significant adverse impact on the prices in the domestic market. The performance of the domestic industry has improved in respect of production, domestic sales and capacity utilization. Inventories with the domestic industry were rising. Even when wages paid, employment and productivity has improved. The overall situation of the domestic industry is adverse.

Magnitude of Injury and Injury Margin

93. The Authority has determined the non-injurious price of the subject goods produced by the domestic industry in terms of Annexure III to the AD Rules. The non-injurious price so determined has been compared with the landed value of the exports from the subject countries for determination of injury margin during the POI which is as follows:

Subject Countries	NIP (US\$)	Landed Price(US\$)	Injury Margin(US\$)	Injury Margin %	Injury Margin % Range
China PR	***	***	***	***	10-20
Thailand	***	***	***	***	10-20
Malaysia-					
-M/s. Robin Resources (Malaysia) Sdn. Bhd., Malaysia	***	***	***	***	25-35
-Any other producer/ exporter from Malaysia	***	***	***	***	35-45
Sri Lanka-					
-M/s. Merbok MDF Lanka (Private) Limited, Sri Lanka	***	***	***	***	15-25
-Any other producer/exporter from Sri Lanka	***	***	***	***	25-35

Causal Link

94. The Rules mandate the Authority to examine causal link between dumped imports and injury caused to the domestic industry on account of the dumped imports. In a sunset review investigation, the Authority has examined whether the following known factors could have caused injury to the domestic industry as follows:

- i. Volume and Value of Imports not sold at dumped prices: Imports from Indonesia, New Zealand and Vietnam have been more than 3% of the total volume of imports of the subject goods. In case of Vietnam and Indonesia, after significant increase in import volumes, an anti dumping investigation has been initiated on 7th May, 2015. As regards New Zealand, the Authority notes that the original investigations were initiated in respect of imports from New Zealand along with the present subject countries. However, the domestic industry withdrew petition in respect of New Zealand. The imports from New Zealand considering previous investigations have not shown so significant increase as has been found in case of imports from Indonesia and Vietnam. Imports from New Zealand are not likely to be principal cause of injury to the domestic industry.
- ii. Export Performance- The domestic industry has not undertaken exports of the product under consideration. Possible deterioration in the performance of the domestic industry in respect of exports is, therefore, not a possible cause of injury to the domestic industry.
- iii. Pattern of consumption- The Authority notes that there is no change in the pattern of consumption of the subject goods causing injury to the domestic industry.
- iv. Conditions of competition and trade restrictive practices:-The Authority notes that the investigation has not shown that conditions of competition or trade restrictive practices are responsible for the claimed injury to the domestic industry.
- v. Developments in technology- The Authority notes that the investigation has not shown that there was any significant change in technology which could have caused injury to the domestic industry.
- vi. Performance of other products of domestic industry- The Authority noted that separate records are maintained by Domestic Industry for product under consideration. The performance of other products did not cause any impact over injury to the domestic industry.

Conclusion on material injury and causal link

95. The Authority concludes that the dumped imports of the subject goods from the subject countries are undercutting the prices of domestic industry.

I. Likelihood of continuation/recurrence of dumping and injury**Submissions by the domestic industry**

96. Following are the submissions made by the domestic industry:

- i. Despite existing anti dumping duties, there is continued dumping and injury being caused to the domestic industry.
- ii. The dumping margins determined in respect of subject countries in the original investigations indicated the propensity for dumping by the producers of the subject countries.
- iii. The producers in the subject countries have large production capacities for the subject goods. In the event of cessation of existing anti-dumping duties, there is a strong likelihood of dumping of the product in India.
- iv. In addition to having large production capacities, the producers in the subject countries have a high export percentage.
- v. As regards the argument that the Sri Lankan exporter only had a dumping margin of 5-9%, it is easy to perceive that the exporter had completely misled the Authority at the time of original investigation of the present case, which has led to significantly lower dumping margin in respect of exports made by this company. Resultantly, continued dumping from Sri Lanka is one of the reasons for injury being suffered by the Indian industry.

- vi. As regards the denial to the extent of excess capacities and that the alleged capacity of 1,20,000 CBM is for product range which covers PUC and Non-PUC items, it is to be noted that the exporter can readily use the capacity interchangeably to produce different grades of product in the same plant.
- vii. There is no merit in the argument that focus of Merbok is only benevolent price for its produce.
- viii. Sufficient evidence has been provided in the petition as regards surplus capacities, export orientation and likelihood.
- ix. Switching of dumping from present subject countries to other countries establishes that the exporters are likely to switch back to dumping from present subject countries in case of cessation of ADD.

Submissions by producers/exporters/importers/other interested parties

97. The following are the submissions made by the producers/exporters/importers/other interested parties with regard to likelihood of dumping and injury:
- a. The claim of applicant is that there is a long history of dumping in the product and if duties are removed, this dumping and injury will continue. Likelihood examination cannot be based on such conjecture and speculation.
 - b. The domestic prices are substantially high in the range of 10-30%
 - c. In the original investigation, a dumping margin of only 5-9% was found for Merbok.
 - d. Merbok has strictly followed the terms of the price undertaking.
 - e. Merbok's price was higher than that of third countries.
 - f. There is no excess capacity. The alleged capacity of 1,20,000 CBM is for product range which covers PUC and Non-PUC items.
 - g. The focus of Merbok is only its benevolent price for its produce.
 - h. The applicant has no evidence or actual source to substantiate its claim of freely disposable present and potential capacities with the producers/exporters in the subject countries.

Examination by the Authority

98. The present investigation is a sunset review of anti-dumping duties imposed on the imports of subject goods from Malaysia, Thailand, Sri Lanka and China PR. Under the Rules, the Authority is required to determine whether continued imposition of anti-dumping duty is warranted. This also requires examination of whether the duty imposed is serving the intended purpose of eliminating injurious dumping. As far as likelihood analysis is concerned, the Authority has considered surplus capacities in relation to demand in the subject countries and India and price attractiveness of the Indian market.

Surplus capacity in the subject countries

99. It is seen from the data/evidence on record that there are huge capacity of subject goods in subject countries in comparison to the demand in India. As per information on records as submitted by the domestic industry and responding exporters, the capacity with the producers in subject countries is quite significant and their export orientation is quite high. Information provided by the domestic industry shows capacities with various exporters as follows:

Company	Capacity
China	
➤ Shanghai Sindo Panel Co., Ltd.	2,00,000
➤ Weihua MDF Group	12,00,000
➤ Shunlong Wood Industry Co. Ltd.	4,60,000
➤ Shuyang New Concept Wood Co. Ltd.	3,00,000

➤ Shouguang Wanda Wood Industry Co., Ltd.	20,000
➤ Shouguang Guihe Economic and Trade Co., Ltd.	1,50,000
Malaysia	
➤ Daiken Sarawak Sendirian Berhad	1,05,000
➤ Robin Resources	1,75,000
➤ Segamat Panel Boards Sdn Bhd	72,000
➤ Evergreen Fibre Berhad	8,28,000
Thailand	
➤ Vanachai Group	8,70,000
➤ Metro MDF Co. Ltd.	90,000
Sri Lanka	
Merbok MDF Lanka	120,000

100. While Chinese and Thai producers have preferred non cooperation, the Authority notes that the available information from Malaysian and Sri Lankan producers shows significant capacities in excess of their domestic sales. With the growing market in India, it is likely that cessation of anti dumping leads to intensified imports at dumped and injurious price causing of injury to the domestic industry.

Price attractiveness of Indian market

101. The Authority notes that subject countries are exporting subject goods into India at prices substantially lower than the price at which the goods are being sold in the domestic market. The subject countries perceive Indian market to be favorable and are likely to channelize their output towards India in case of cessation of duties.

Particulars	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI
Net Sales Realisation of Domestic Industry	Rs./CBM	***	***	***	***
Landed Price of imports:-					
-Malaysia	Rs./CBM	***	***	***	***
-Sri Lanka	Rs./CBM	***	***	***	***
-Thailand	Rs./CBM	***	***	***	***
-China PR	Rs./CBM	***	***	***	***

I. POST SECOND ORAL HEARING SUBMISSIONS

Post second oral hearing submissions by the responding producers/exporters/other opposing interesting parties.

102. The Authority notes that most of the post second hearing submissions of the opposing interesting parties are repetitive and have already been considered. These are, in brief, as under:

Dongwha MDF (M) Sdn. Bhd. (DMM) and Dongwha Global Sales Sdn. Bhd.(DGS)

- i) The Authority has noted in the disclosure statement that DGS has not provided complete information regarding the procurement of the balance quantity. In this context, it is submitted that

the balance quantity has been procured by DGS from M/s.. VRG Dongwha MDF Joint Stock Company, Vietnam and, therefore, outside the scope of this investigation. Further, it can be seen from the records that the product that has been procured from Dongwha Vietnam Company has not been exported to India. In view thereof, it is submitted that the exporter has indeed provided full information of the product concerned which has been exported to India in terms of the requirements of the law.

- (ii) DMM and DGS further submit that it is noted by the Authority in the disclosure statement that since complete information of the value chain has not been provided, the Authority has not determined the individual dumping margins for DMM and DGS. In this context, it is submitted that the concept of value chain refers to the fact that the full cost of the product exported to India or sold in the domestic market should be adequately reflected. It was further mentioned by the representative of the Domestic Industry that DMM has not provided any evidence with regard to the fact that their purchases of resins from a related party. In this connection, we draw attention to the questionnaire response wherein it has been specifically mentioned that the producer has indeed supplied sufficient documentary evidence to prove the fact that the purchases of resins from the related party are in the normal course of business and are at arm's length.
- (iii) Further, DMM has sold the goods to only one related party, i.e., DGS. Complete questionnaire response of the same is already filed with the Authority. Accordingly, it is factually incorrect to state that DMM has sold goods to two related parties. In view of the arguments/reasoning advanced above, we request the Authority to grant individual dumping margin to DMM and DGS.

M/s.. Merbok MDF Lanka Pvt Ltd (Merbok)

- (iv) M/s. Merbok MDF Lanka Pvt Ltd (Merbok) submits that Normal Value for Merbok should be based on the records maintained by the company and not on any other basis. The premise of this submission is that in the original investigation concerning the same subject goods and another investigation concerning MDF of below 6 MM, the Authority has resorted to determine cost of production of PUC produced by Merbok by adjusting the same to reflect interest cost on a loan from its parent company based in Malaysia. Such adjustments were made by the Authority by considering the fact that such loans were reflected as interest free fund from the parent company in the records of Merbok. However, this situation has changed by the time of this investigation since Merbok effective from 2011 audited annual reports has restructured its long term loans and have started to provide interest on the said loan from the parent company based on market rates applicable in Malaysia wherein the parent company is situated. It is also submitted that the interest recorded in the books of Merbok reflects fairly interest cost and they are at arm's length level. In this regard, the Department of Commerce, Sri Lanka, has written to the Authority that if records of the company are in accordance with the GAAP of the exporting company and such records reasonably reflect the cost associated with production and sale of the PUC, the same should be accepted.
- (v) Merbok was selling the product to India at a rate even higher than the undertaking price that was given by Merbok at the time of Final Finding in the original investigation, which clearly shows Merbok was not making frustrated price offers to gain any significant market share in India. There is, therefore, no likelihood of dumping and injury from Merbok in the event of revocation of measures.
- (vi) Merbok submits that there is serious difference in the data submitted by the petitioner during this investigation and also with regard to investigation against Indonesia and Vietnam. There is serious apprehension that the petitioner has resorted to serious tampering of information and that has resulted in contradictory data between various submissions by the petitioner. The two written submissions alone pertaining to Greenply shows huge differences.
- (vii) Merbok submits that as per their market inquires in India and also some published information, following the disclosure statement, Greenply is using waste wood for fibre board which is nothing but the waste after using the fresh wood for ply.
- (viii) The claim of petitioner that Normal value should be inclusive of customs duty since Merbok is in an EPZ area is without any legal basis.
- (ix) The claim of petitioner that export price to third country or cost of production with reasonable

addition of profit should be considered is an argument illegal at the face of it when the exporter has provided domestic prices as envisaged in the AD Agreement to determine its normal value.

- (x) Resin price are based on books of Merbok and resin prices are based on arm's length level. The details about raw material purchases by Merbok are given in the EQR itself and the EQR had been available for any amount of verification.

M/s. Robin Resources, Malaysia

- (xi) M/s. Robin Resources submit that in view of (i) the de-minimis dumping margin for Robin Resources in the previous investigation; (ii) determination by the Authority that the dumping margin for the exporter was less than 2% expressed as percentage of export price; (iii) Panel Report in the case of Mexico-Definitive Anti Dumping Measures on Beef and Rice; (iv) the legal provisions of Section 9A (1) of Customs Tariff Act read with Rule 14(c) of the Anti dumping Rules, the inclusion of the exporter Robin Resources in the current sunset review investigation is without jurisdiction and that the exporter is required to be excluded from the purview of the current investigation.

Other issues raised by the opposing parties

- (xii) Opposing parties also claim that domestic industry has claimed confidentiality even on the quantitative details; that there is no injury to the domestic industry in terms of its market share. Further, there is virtually no information to prove the likelihood of dumping and injury. Increase in the selling price during the POI as compared to the base year is significantly more than increase in the cost during the same period. Landed value increased significantly from the base year to the POI. Therefore, there is neither any price suppression nor price depression for the domestic industry. Profit increased significantly from the base year to the POI. There is no evidence of significant surplus capacities, export orientation and likelihood.
- (xiii) Opposing parties also claim the present SSR investigation is liable to be terminated one of the applicants on whose behalf the present investigation was initiated become non-cooperative rendering the initiation in question null and void.
- (xiv) There should be no adjustment of excise duty for determination of cost, profit, cash profit and ROCE.

Post second oral hearing submissions by the Domestic Industry

103. The submissions of the domestic industry, in brief, are as under:

Merbok MDF Lanka Pvt.Ltd, Sri Lanka

- The Authority should consider that “a particular market situation” is prevailing in Sri Lanka wherein Merbok is in an EPZ, the sole producer in Sri Lanka and comprising 90% by law obligation to export the product and, therefore, its selling price in the domestic market is not appropriate. Since exporter has set up EPZ plant and is availing various concessions the cost of production is to be determined after adding the following- a) the element of customs duty on the capital goods that would have been payable by exporter had it not been EPZ plant, b) customs duty payable by the exporter on imports of raw materials, including resin and c) taxes and duties payable by exporter on procurement of inputs and raw materials from domestic market had it not been an EPZ.
- Merbok has purchased raw material through affiliated company. Thus the price is not representative of market values. This is also reflected in previous investigations concerning the product.
- Despite investigation concerning period of Jan'07- Dec'07, it has not been disclosed that Merbok was producing MDF and Resin in Malaysia.
- There is inconsistency and discrepancy in the three submissions made by Merbok, i.e, in original investigation, the thin board investigation and the present investigation. There was a different cost of production determined by the authority in the previous two investigations.
- Merbok in Sri Lanka has been earning low profits, which is attributable to the fact that significant expenses are not being books in the books of Merbok, Malaysia.

- The books of accounts of Merbok Sri Lanka are not reliable. No interest cost was found to have been charged in the income statement of the company for these loans from parent company at the time of original investigations. The certificate by auditors that the books of account are consistent with GAAP is insufficient for the authority to determine cost of production of the company. Further these books of account do not provide for significant operating expenses being incurred by Merbok, Sri Lanka and are being booked by Merbok, Malaysia.
- The Authority should scrutinize the claim of the company with regard to interest on loans from parent/affiliated company and adopt appropriate cost for these loans. Subsidies to the company are not limited to purchase of capital goods, inputs, income tax savings, but also extends to loans given by parent/affiliated company.
- The composition of domestic industry at the stage of initiation, interim and final findings can be different. Examination of standing at the stage of initiation does not imply that determination of standing is legally necessary.
- The share of Greenply exclusively cannot be given in view of confidentiality and sensitivity of the information. This is an established position of jurisprudence.

Robin Resources (Malaysia) Sdn Bhd

- Robin Resources is a leading brand name in MDF market in Sri Lanka, yet it has claimed no dumping. The claim of normal value by the exporter is highly unlikely. It seems that the company has reported only B grade sales in the domestic market.
- The price at which goods are exported to India are unreliable. The exporter questionnaire submitted suggests that the company has not provided transaction wise details of its exports to third countries. Following the principles laid down by authority in past precedents, such questionnaire response should not be accepted. The exporter should be denied individual dumping margin and its response should be rejected.

Dongwha MDF (M) Sdn. Bhd. (DMM) and Dongwha Global Sales Sdn. Bhd.(DGS)

- Dongwha has wrongly contended that it has given complete information. Firstly there is no response of related producer, secondly, the value chain is incomplete unless all related parties involved with (a) production, (b) domestic sales, (c) exports to India and third countries, (d) costs, (e) costs of inputs involved in production of the product under consideration are before Designated Authority. It is a clear position in view of the past precedents and Authority's practice that individual dumping margin shall not be determined unless the questionnaire response is complete on account of domestic and export sales. The same applies herein.
- The petitioners have no reservations in disclosing trends in various economic parameters.
- The selling price and consequently profit is required to be determined after excluding the element of excise duty that is embedded in the selling price.
- Since Greenply commenced commercial production in Mar'2010, the profits of company in 2010-11 were abnormal and required to be adjusted to which Dongwha had specifically consented.
- The selling price of Greenply should be reduced by quantum of excise duty payable and thereafter determine profits.
- Unlike as contended by Dongwha during the oral hearing, as per the legal provisions the Authority is required to establish the impact of dumped imports on the domestic industry. Thus, since the domestic industry is at present able to earn profits because of excise duty exemption granted, the authority is requested to exclude the element of excise duty while determining profits of the domestic industry. The exclusion of excise duty shall not have any impact on the quantum of anti dumping duty.
- Further, the start up costs of domestic industry in the base year are required to be segregated which will reveal profits in the base year.

- With regard to the contention of exporter that as regard their buying resin from related parties is concerned, they have given proper evidence in annexures, it is submitted that exporter has not replied to questionnaire response in its entirety. The Authority may compare the invoices with regard to purchase of resin as submitted by the petitioners with claims of all three exporters. In the light of incomplete response, best information available may be relied upon. The Authority is requested to compare the price claimed by the company with the cost of production statement. The transfer price in any case cannot be considered. The US provision in this regard can be taken for guidance.
- The petitioner objects to significant changes made in the questionnaire response of the exporter as is evident from the final findings of the original investigation.
- In spite of anti dumping duties the domestic industry has suffered injury due to following reasons:
 - a. The injury is suffered on account of Designated Authority recommending benchmark form of duty. Custom port authorities lack a mechanism to ensure correctness of import prices reported by an importer. It is neither feasible nor practicable for port authorities to verify the import price.
 - b. Anti Dumping were imposed on 'plain MDF', whereas imports are coming under heading 'not plain mdf'.
 - c. To avoid anti dumping duties, import price increased overnight without increase in cost of production to a proportionate extent.
 - d. The cost of production increased over the period while the benchmark remained the same.
 - e. The price difference between thick and thin MDF almost disappeared overnight when the benchmark form of duty were imposed by the government.
 - f. There is increase in imports of thin MDF and same set of suppliers have supplied both types of MDF. Imports of MDF declared as laminated MDF (i.e. non plain MDF) imports increased significantly with marginal price difference with plain MDF.
- Price underselling is very much an indicator of injury as confirmed by previous practice of the Designated Authority.

Examination by the Authority

104. The Authority notes that most of the post second hearing submissions of the opposing interested parties and the domestic industry are repetitive and have already been considered. These are dealt with as under:
 - i) The issues raised by Dongwha MDF (M) Sdn. Bhd. (DMM) and Dongwha Global Sales Sdn. Bhd.(DGS) have again been examined in the light of their submissions as well counters of the domestic industry. The Authority notes that firstly, the fact that balance quantity was procured by DGS from VRG Dongwha MDF Joint Stock Company, Vietnam was not revealed by DGS in the questionnaire response. Secondly, DMM has made contradictory statements regarding cost of production of major input Resin have been made by DMM in its questionnaire response at G.1.(a) and G.1.(g). Further, DMM has mentioned that DMM has sold the goods to only one related party, i.e., DGS and that complete questionnaire response of the same is already filed with the Authority and, thus, it is factually incorrect to state that DMM has sold goods to two related parties. In this connection the Authority notes in its questionnaire response, DMM has stated that on 31st December, 2013, that all assets and liabilities of DMM were transferred to DFB and before that no change in the structure of DMM took place during the last three years including the investigation period. In this regard, the Authority notes that as recorded in the Final Findings of the original investigation dated 26.08.2009, DMM had one plant and DFB had two plants manufacturing the subject goods. As per the website of Dongwha International, DFB has two MDF factories in Nilai and Merbok, producing 1,40,000 CBM and 95,000 CBM of MDF annually respectively. On the other hand, DMM in its questionnaire response has mentioned that in the POI it had only one plant manufacturing the subject goods. The information of the two remaining plants was neither given by DMM earlier nor given now. Therefore, for want of crucial information, the responses of DMM and DGS can not be accepted and, therefore, as per its practice, the Authority has not determined the individual dumping margin in respect of M/s. Dongwha MDF (M) Sdn. Bhd., Malaysia and M/s. Dongwha Global Sales Sdn. Bhd., Malaysia.

- ii) The Authority notes that Merbok MDF Lanka (Private) Limited has reiterated its claim that Normal Value for Merbok should be based on the records maintained by the company and not on any other basis as the situation between the original investigation and the present investigation has changed since 2011 audited annual reports, Merbok has restructured its long term loans and have started to record interest on the said loan from the parent company based on prevailing market rates applicable in Malaysia wherein the parent company is situated. Merbok has submitted that the interest recorded in the books of Merbok reflects fair interest cost and they are at arm's length level. In this regard, the Authority notes that in the Final Findings Notification No 14/29/2010-DGAD dated 10.05.2013, the entire issue was examined and it was noted that the interest rates are subject to a number of stipulations and specific to the industries and the investigation being specific to the operations of the company in Sri Lanka, what would be relevant is the cost of financing in Sri Lanka and not any interest rates at which the parent company may be borrowing the capital. Further Merbok, Sri Lanka has not provided any documentary evidence to the effect that the rate of interest of 1.75% p.a. charged in the books of accounts is the fair market rate and at arm's length basis. In view of the above, the Authority is of the view that it is appropriate to consider interest at the rate of 7% on these loans obtained by the company from its related company.
- iii) The Authority notes that M/s. Robin Resources has reiterated its claim that in view of (i) the de-minimis dumping margin for Robin Resources in the previous investigation; (ii) determination by the Authority that the dumping margin for the exporter was less than 2% expressed as percentage of export price; (iii) Panel Report in the case of Mexico-Definitive Anti Dumping Measures on Beef and Rice; (iv) the legal provisions of Section 9A (1) of Customs Tariff Act read with Rule 14(c) of the Anti dumping Rules, the inclusion of the exporter Robin Resources in the current sunset review investigation is without jurisdiction and that the exporter is required to be excluded from the purview of the current investigation. In this regard, the Authority reiterates its stand that the Authority can review all the aspects of the original investigation including scope of the domestic industry, dumping (including dumping margin), existence of injury to the domestic industry, injury margin etc. In addition to this, the Authority undertakes an examination of whether the expiry of such duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry. The Authority, therefore, considers that where an exporter was awarded zero duty in an original investigation and is now found to be dumping and the same is likely to cause injury to the domestic industry, then duties must be imposed considering the dumping margin and injury margin found in the present review investigation period. It is, therefore, appropriate to determine dumping margin and if the same is more than de-minimums, recommend anti dumping duty on such exporters.
- iv) As far as the other issues raised by the opposing parties regarding confidentiality, no injury to the domestic industry and no likelihood of dumping and injury are concerned, the Authority notes that it has examined all these aspects and concludes there is enough evidence of likely injury to the domestic industry in view of significant dumped imports during the POI from the subject countries, positive price undercutting and positive injury margin. Further huge capacities in the subject countries and their price orientation also are the indicators of likely dumping and injury. As far as confidentiality issue is concerned, information in index form giving the trends have been provided.
- v) As far as the issue that the present SSR investigation is liable to be terminated as one of the applicants on whose behalf the present investigation was initiated became non-cooperative, the Authority notes that the initiation was based on prima facie evidence given by the two applicants but during the course of the investigation, the other applicant Manglam Timber Products could not give the costing information in a manner desired by the Authority. The Authority, therefore, did not consider it as part of domestic industry. At the same time, since the production of M/s. Greenply Industries Limited constitutes a major proportion in the Indian production, the Authority has considered M/s. Greenply Industries Limited as the domestic industry for the purpose of the present investigation. This is in line with the past precedences/decisions of the Authority in various other investigations.
- vi) As far as the issue raised by the domestic industry that the selling price of the applicant domestic industry Greenply should be reduced by quantum of excise duty payable and thereafter determine

profits, the Authority has computed the NSR and profitability of the domestic industry on actual basis as reflected in their audited accounts relating to the POI. The Authority is further of the view that the actual NSR and profit are only relevant and not the notional one as conducted by the domestic industry.

- vii) Regarding the claim of Merbok that there are differences in the data submitted by the petitioner during this investigation and also with regard to investigation against Indonesia and Vietnam, the Authority notes that the initiation of investigation against Indonesia and Vietnam was based on the facts and merits of that case. In respect of the present investigation, the Authority has verified all the costing records/information of the domestic industry and then only come to the present conclusion.

POST SECOND DISCLOSURE STATEMENT SUBMISSIONS

Post second Disclosure Statement submissions by the opposing Interested Parties

105. The Authority notes that the post second disclosure statement submissions made by the opposing interested parties are repetitive in nature and have already been dealt with in the second Disclosure Statement. The important post second post Disclosure Statement submissions of the opposite interested parties, in brief, are as under:

- i) Merbok MDF Lanka (Private) Limited, Sri Lanka reiterates that the Authority should take the interest on inter-corporate loan @1.75% only as provided in the books of account which is in accordance with the generally accepted accounting principles of Sri Lanka that is Sri Lanka Accounting Standards (LKAS 39). Any deviation from the same would be unfair and contrary to a standard practice established in a territory of a country. Interest rate in the source country, i.e., Malaysia alone is relevant and that is the position as per the Guidance Note on Maintenance of Cost Accounting Records, issued by the Institute of Cost Accountants of India. The Authority hasn't strictly followed the condition of AD Agreement and the Indian AD Rules with regard to the confidential information submitted by Merbok and disclosed interest rate in the annual report.
- ii) Dongwha MDF (M) Sdn. Bhd. (DMM) and Dongwha Global Sales Sdn. Bhd.(DGS) submit that the balance quantity has been procured by DGS from M/s.. VRG Dongwha MDF Joint Stock Company, Vietnam and, therefore, outside the scope of this investigation. Further, it can be seen from the records that the product that has been procured from Dongwha Vietnam Company has not been exported to India. In view thereof, it is submitted that the exporter has indeed provided full information of the product concerned which has been exported to India in terms of the requirements of the law.
- iii) Regarding the issue that DMM had one plant and DFB had two plants manufacturing the subject goods, it is submitted that DMM and DFB are two separate legal entities and DMM has not done any transaction i.e., neither purchase nor sale of the product concerned or even of the raw material during the POI. Further, DFB has not exported the product concerned to India. Accordingly, DFB has not filed the questionnaire response nor is there any such requirement in the prescribed formats of the Authority.
- iv) DMM had disclosed the fact in its questionnaire response that DMM has purchased one of the input i.e., resin from the related party i.e., DCM (i.e. Dongwha Chemicals (M) Sdn, Bhd. DCM) which is a wholly owned subsidiary of DMH and pricing is on arm's length basis.
- v) M/s. Robin Resources reiterates that in view of (i) the de-minimis dumping margin for Robin Resources in the previous investigation; (ii) determination by the Authority that the dumping margin for the exporter was less than 2% expressed as percentage of export price; (iii) Panel Report in the case of Mexico-Definitive Anti Dumping Measures on Beef and Rice; (iv) the legal provisions of Section 9A (1) of Customs Tariff Act read with Rule 14(c) of the Anti dumping Rules, the inclusion of the exporter Robin Resources in the current sunset review investigation is without jurisdiction and that the exporter is required to be excluded from the purview of the current investigation.
- vi) Opposing parties reiterate their claim that domestic industry has claimed confidentiality even on the quantitative details; that there is no evidence of dumping, injury and likely injury to the

domestic industry; SSR investigation is liable to be terminated one of the applicants on whose behalf the present investigation was initiated become non-cooperative rendering the initiation in question null and void.

Post Second Disclosure Statement submissions by the Domestic Industry

106. The Authority notes that the post second disclosure statement submissions made by the domestic industry are repetitive in nature and have already been dealt with in the second Disclosure Statement. The important post second post Disclosure Statement submissions of the domestic industry, in brief, are as under:
- (i) Indian producers had earlier filed appeal against the final findings notified by the Designated Authority, wherein the major challenge was (i) dumping margin (including cost of production) of the foreign producers (which includes Merbok as well); (ii) insufficient disclosures to the domestic industry (violation of principles of natural justice; (iii) incorrect acceptance of price undertaking.
 - (ii) The books of accounts of Merbok Sri Lanka are not reliable. The certificate by auditors that the books of account are consistent with GAAP is insufficient for the authority to determine cost of production of the company. Further these books of account do not provide for significant operating expenses being incurred by Merbok, Sri Lanka and are being booked by Merbok, Malaysia. Merbok, Sri Lanka has booked significant expenses in Malaysian books of affiliated company;
 - (iii) The Petitioner had earlier pointed out that the exporters have not provided transaction wise details of exports to third countries. Yet, questionnaire responses have been accepted by the Authority, which is against the decision of the Authority in the matter of ductile iron pipes.
 - (iv) The anti-dumping duty is required to be continued in fixed form and the duty expressed in US\$ terms.

Examination by the Authority

107. The Authority notes that the post second disclosure statement submissions made by the domestic industry and the opposing interested parties are repetitive in nature and have already been dealt with in the second post Disclosure Statement and again have been addressed in this Final Findings Notification under the appropriate headings. Nonetheless, the Authority has addressed these issues to the extent considered relevant as under:
- (i) Regarding Dongwha MDF (M) Sdn. Bhd. (DMM) and Dongwha Global Sales Sdn. Bhd.(DGS), the Authority notes that DMM in its questionnaire response has stated that its related company Dongwha Fibre Board (DFB), Malaysia, was involved in the production and sales of the product under consideration. However, in its subsequent submission it has stated that DFB was not involved in the production of the subject goods. The Authority further notes from the Appendix-1 in the Exporter Questionnaire Response of DMM that it has sold the subject goods to DFB, its related company, in the POI. However, DMM, in its post Disclosure Statement comments has stated that it has sold the subject goods to DGS only. The Authority further notes that DMM has merged with DFB with effect from 31.12.2013 and as such it does not exist as on date. In view of the conflicting statements made by DMM and non-filing of EQR by DFB, the related company of DMM, the Authority is not in a position to verify the factual position of the exports/domestic sales made by DMM and its related company DFB. The Authority, therefore, has not determined the individual dumping margin for Dongwha MDF (M) Sdn. Bhd., Malaysia and Dongwha Global Sales Sdn. Bhd., Malaysia.
 - (ii) Regarding Merbok MDF Lanka (Private) Limited, the Authority notes that Merbok MDF Lanka (Private) Limited has reiterated its claim that Normal Value for Merbok, Sri Lanka should be based on the records maintained by the company and not on any other basis. The Authority notes that Merbok, Sri Lanka has still not provided any conclusive documentary evidence to the effect that the rate of interest of 1.75% p.a. charged in the books of accounts is the fair market and at arm's length rate. In view of the above, the Authority considers appropriate to adopt interest at the rate of 7% p.a. as was considered in the earlier investigation vide Final Findings Notification No 14/29/2010-DGAD dated 10.05.2013, on these loans availed by the company from its related company in Malaysia.

- (iii) Regarding M/s. Robin Resources, the Authority reiterates its stand that the Authority can review all the aspects of the original investigation including scope of the domestic industry, dumping (including dumping margin), existence of injury to the domestic industry, injury margin etc. In addition to this, the Authority undertakes an examination of whether the expiry of such duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry. The Authority, therefore, considers that where an exporter was awarded zero duty in an original investigation and is now found to be dumping and the same is likely to cause injury to the domestic industry, then duties must be imposed considering the dumping margin and injury margin found in the present review investigation period. It is, therefore, appropriate to determine dumping margin and if the same is more than de-minimums, recommend anti dumping duty on such exporters.
- (iv) As far as the other issues raised by the opposing parties regarding confidentiality, no injury to the domestic industry and no likelihood of dumping and injury are concerned, the Authority reiterates that the Authority has considered the claims of confidentiality made by the petitioner and the opposing interested parties and on being satisfied about the same, the Authority has allowed the claim on confidentiality and further that it has examined all these aspects and concludes there is enough evidence of likely injury to the domestic industry in view of significant dumped imports during the POI from the subject countries, positive price undercutting and positive injury margin. Further huge capacities in the subject countries and their price orientation also are the indicators of likely dumping and injury. Further huge capacities in the subject countries and their price orientation also are the indicators of likely dumping and injury.
- (v) As far as the issue that the present SSR investigation is liable to be terminated as one of the applicants on whose behalf the present investigation was initiated became non-cooperative, the Authority reiterates that the initiation was based on prima facie evidence given by the two applicants but during the course of the investigation, the other applicant Manglam Timber Products could not give the costing information in a manner desired by the Authority. The Authority, therefore, did not consider it as part of domestic industry. At the same time, since the production of M/s. Greenply Industries Limited constitutes a major proportion in the Indian Production, the Authority has considered M/s. Greenply Industries Limited as the domestic industry for the purpose of the present investigation. This is in line with the past precedences/decisions of the Authority in other investigations.

INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES:

- 108. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the domestic industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian Market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country/territory in any way, and, therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.
- 109. It is recognized that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the product manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of this product. However, fair competition in the Indian Market will not be reduced by the anti-dumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline in the performance of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods.

L. CONCLUSION AND RECOMMENDATIONS

- 110. After examining the submissions made by the opposing interested parties and the domestic industry and issues raised therein; and considering the facts available on record, the Authority concludes that the product under consideration has been exported to India from the subject countries below its associated normal value, thus, resulting in dumping of the product. The domestic industry has suffered material injury in respect of the subject goods. The material injury has been caused by the dumped imports from the subject countries.

111. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the domestic industry, exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspects of dumping, injury and the causal link. Having initiated and conducted investigation into dumping, injury and the causal link thereof in terms of the AD Rules and having established positive dumping margins as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of definitive anti dumping duty is required to offset dumping and consequent injury. Therefore, the Authority considers it necessary to recommend imposition of definitive anti-dumping duty on the imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries in the form and manner described hereunder.
112. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duty equal to the lesser of the margin of dumping and the margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, definitive antidumping duties as per the amount specified in the table below are recommended to be imposed from the date of the Notification to be issued by the Central Government, on all imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries.

Duty Table

Sl. No.	Sub-heading	Description of Goods	Country of Origin	Country of Export	Producer	Exporter	Amount	Unit of Measurement	Currency
1.	44.11	Plain Medium Density Fibre Board from 6MM and above	China PR	China PR	Any	Any	46.09	CBM	US\$
2.	44.11	Plain Medium Density Fibre Board from 6MM and above	China PR	Any	Any	Any	46.09	CBM	US\$
3.	44.11	Plain Medium Density Fibre Board from 6MM and above	Any country other than subject countries	China PR	Any	Any	46.09	CBM	US\$
4.	44.11	Plain Medium Density Fibre Board from 6MM and above	Thailand	Thailand	Any	Any	45.27	CBM	US\$

Sl. No.	Sub-heading	Description of Goods	Country of Origin	Country of Export	Producer	Exporter	Amount	Unit of Measurement	Currency
5.	44.11	Plain Medium Density Fibre Board from 6MM and above	Thailand	Any	Any	Any	45.27	CBM	US\$
6.	44.11	Plain Medium Density Fibre Board from 6MM and above	Any country other than subject countries	Thailand	Any	Any	45.27	CBM	US\$
7.	44.11	Plain Medium Density Fibre Board from 6MM and above	Malaysia	Malaysia	M/s. Robin Resources (Malaysia) Sdn Bhd	M/s. Robin Resources (Malaysia) Sdn Bhd	5.72	CBM	US\$
8.	44.11	Plain Medium Density Fibre Board from 6MM and above	Malaysia	Malaysia	Any combination other than Sl. No. 7 above		36.10	CBM	US\$
9.	44.11	Plain Medium Density Fibre Board from 6MM and above	Malaysia	Any	Any	Any	36.10	CBM	US\$
10.	44.11	Plain Medium Density Fibre Board from 6MM and above	Any country other than subject countries	Malaysia	Any	Any	36.10	CBM	US\$
11.	44.11	Plain Medium Density Fibre Board from 6MM and above	Sri Lanka	Sri Lanka	M/s. Merbok MDF Lanka (Private) Ltd.	M/s. Merbok MDF Lanka (Private) Ltd.	11.83	CBM	US\$

Sl. No.	Sub-heading	Description of Goods	Country of Origin	Country of Export	Producer	Exporter	Amount	Unit of Measurement	Currency
12.	44.11	Plain Medium Density Fibre Board from 6MM and above	Sri Lanka	Sri Lanka	Any combination other than Sl. No. 11 above		26.49	CBM	US\$
13.	44.11	Plain Medium Density Fibre Board from 6MM and above	Sri Lanka	Any	Any	Any	26.49	CBM	US\$
14.	44.11	Plain Medium Density Fibre Board from 6MM and above	Any country other than subject countries	Sri Lanka	Any	Any	26.49	CBM	US\$

113. Landed value of imports for the purpose of this Notification shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and includes all duties of customs except duties under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the said Act.
114. An appeal against the order of the Central Government arising out of these findings shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act.

A. K. BHALLA, Designated Authority